धनबाद
बुधवार 24.06.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-122 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-10
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 262 अभ्यर्थियों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

रांची (एजेंसी): झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए २४ जून का दिन अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी बुधवार को स्वास्थ्य विभाग में चयनित २६२ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इनमें १५१ विशेषज्ञ चिकित्सक, ५६ खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, २९ सीनियर हॉस्पिटल मैनेजर और २६ फाइनेंस मैनेजर शामिल हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि यह केवल नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि झारखंड लंबे समय से डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा था, लेकिन

सरकार इस चुनौती को दूर करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

डॉ. अंसारी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता राज्य के हर नागरिक तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा, जब तक झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह सशक्त और व्यवस्थित नहीं हो जाती, तब तक मैं चैन से नहीं बैठूंगा। उन्होंने दावा किया कि स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता और अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

फूड सेफ्टी ऑफिसर्स की भी होगी नियुक्ति

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फूड सेफ्टी ऑफिसर्स की नियुक्ति की जा रही है। वहीं, सीनियर हॉस्पिटल मैनेजर अस्पतालों के प्रशासनिक प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। इसके अलावा फाइनेंस मैनेजर वित्तीय व्यवस्था को मजबूत करने में भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति अभियान शुरुआत भर है। आने वाले समय में स्वास्थ्य विभाग में करीब ११ हजार अतिरिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाएगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। सरकार का मानना है कि यह पहल राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में नए बदलाव की आधारशिला साबित होगी।

उपायुक्त नगर निगम से पीड़ित महिला को दिलाएं मुआवजा:जे.पी.वालिया

मेयर संजीव सिंह और नगर आयुक्त गंगवार अवैध ढंग से तोड़े गए घर को बनवाएं

धनबाद (कासं): झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (यु) के धनबाद महानगर अध्यक्ष जे.पी.वालिया ने उपायुक्त धनबाद आदित्य रंजन और धनबाद नगर निगम के महापौर संजीव सिंह एवं नगर आयुक्त को पत्र देकर पीड़ित महिला इति सिंह को अनिल कुमार द्वारा अवैध ढंग से भूमाफिया से मिलकर तोड़े गए घर का मुआवजा दिलाने की मांग की है। उपायुक्त आदित्य रंजन और मेयर संजीव सिंह को दिए गए ज्ञापन में कहा है कि हीरापुर पीडब्ल्यूडी एसी आवास के पीछे गरीब महिला का घर बिना अधिकार के अवैध ढंग से अनिल कुमार जो कि सरकारी कर्मचारी नहीं हैं।

पूर्व नगर आयुक्त सत्येन्द्र कुमार के समय आउटसोर्सिंग पर रखा गया था। अनिल कुमार का सांठगांठ होटल माफिया से होने के कारण अवैध ढंग से निगम का बुलडोजर ले जाकर निर्माण को तोड़वाया और उसके घर भी ध्वस्त हो गए हैं।

श्री वालिया ने अधिकारियों से कहा कि अविलंब नगर निगम के फंड से गरीब महिला को आवास बनाकर दें जिससे वह परिवार के साथ रह सके। घर नहीं बनाने पर उसे मुआवजा की राशि का आवंटन करने की मांग करते हुए कहा है कि अनिल कुमार की वसूली अवैध ढंग से दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों से लाखों रुपया वसूला जाता है। उपायुक्त से आग्रह करते हुए श्री वालिया ने कहा है कि अविलंब अनिल कुमार के विरूद्ध कार्रवाई करने का आदेश दें।

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जजों की चयन प्रक्रिया आरटीआई दायरे में नहीं आती

बेंच ने कहा- हम ऐसी स्थिति पैदा नहीं करना चाहते जिससे नई-नई मुश्किलें खड़ी हों

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की चयन की प्रक्रिया सूचना के अधिकार आरटीआई और न्यायिक समीक्षा के बाहर है। जजों की चयन प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा भी नहीं की जा सकती है। बेंच ने कहा कि कॉलेजियम का फैसला उसकी अपनी समझ और संतुष्टि पर आधारित होता है और न तो हाई कोर्ट और न ही सुप्रीम कोर्ट किसी उम्मीदवार की सिफारिश को लेकर याचिकाएं सुनकर या निर्देश जारी करके उसमें कोई कमी निकाल सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेंच ने कहा कि हम कोई ऐसी स्थिति पैदा नहीं करना चाहते जिससे नई-नई मुश्किलें खड़ी हों। हम कॉलेजियम के फैसलों में दखल नहीं देंगे। बेंच ने यह भी बताया कि कुछ उम्मीदवारों को चुनने और उनके नामों की सिफारिश करने से पहले सैकड़ों उम्मीदवारों को बातचीत के लिए बुलाया जाता है। दरअसल, हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी अरविंद मल्होत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी योग्यता को नजरअंदाज कर उनसे ▶▶ 8

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मिला पद्म भूषण पत्नी रूपी सोरेन ने ग्रहण किया सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी): झारखंड राज्य गठन आंदोलन के महानायक और आदिवासी समाज के हक-अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले स्वर्गीय शिबू सोरेन को आज मरणोपरांत देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उनके ऐतिहासिक योगदान को नमन करते हुए यह सम्मान दिया। केंद्र सरकार ने इस वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उनके नाम की घोषणा की थी। यह सम्मान उन्हें लोक कल्याण, सामाजिक न्याय और आदिवासी समाज के सशक्तीकरण के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया। शिबू सोरेन ने अपने लंबे राजनीतिक और सामाजिक जीवन में झारखंड अलग राज्य आंदोलन को नई धार दी और आदिवासियों, गरीबों तथा ▶▶ 8

संविधान लेकर चलने वालों के नक्सली हिंसा के चरम पर हाथ कांपते थे : पीएम

नई दिल्ली (ईएमएस): देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में दशकों से जारी नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कांग्रेस पर परोक्ष हमला बोलकर कहा कि जो लोग आज संविधान दिखा रहे हैं, नक्सली हिंसा के चरम पर उनके हाथ कांपते थे।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने जोर दिया कि दशकों तक ऐसा लगा कि हिंसा का यह दुर्भाग्य इस तरह बना रहेगा, लेकिन उनकी सरकार ने राष्ट्र प्रथम के संकल्प को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने नक्सल प्रभावित इलाकों को सिर्फ पिछड़ा क्षेत्र करार देकर छोड़ दिया था, जबकि एनडीए सरकार ने उन क्षेत्रों को बदलने की चुनौती स्वीकार की। मोदी सरकार ने वहां के निवासियों को निराशा से बाहर कर प्रगति की उम्मीदें जगा दी। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संदर्भ में देखा जा रहा है, जिन्हें हाल के लोकसभा ▶▶ 8

संपादकीय

सिकल सेल रोग से निपटने की चुनौती

मानव सभ्यता ने चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान से लेकर जीन संपादन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों तक विज्ञान ने अनेक असाध्य रोगों के उपचार की संभावनाएं विकसित की हैं. फिर भी दुनिया में करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनके लिए जीवन आज भी एक निरंतर संघर्ष बना हुआ है. सिकल सेल रोग उन्हीं चुनौतियों में से एक है. यह केवल एक आनुवंशिक रक्त विकार नहीं बल्कि स्वास्थ्य असमानता, सामाजिक न्याय और चिकित्सा सुविधाओं तक समान पहुंच से जुड़ा वैश्विक प्रश्न बन चुका है. इसी वास्तविकता को रेखांकित करने के लिए प्रतिवर्ष 19 जून को 'विश्व सिकल सेल दिवस' मनाया जाता है.

वर्ष 2026 में विश्व सिकल सेल दिवस का वैश्विक विषय है 'जीवन प्रत्याशा में अंतर को कम करना: सिकल सेल रोग में समानता'. यह विषय इस कठोर सच्चाई को सामने लाता है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धियों के बावजूद दुनिया के विभिन्न देशों और समुदायों में सिकल सेल रोगियों की जीवन प्रत्याशा में भारी अंतर मौजूद है. विकसित देशों में जहां समय पर जांच, उपचार और विशेषज्ञ देखभाल के कारण रोगी अपेक्षाकृत लंबा जीवन जी रहे हैं, वहीं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हजारों बच्चे पांच वर्ष की आयु पूरी करने से पहले ही इस रोग के कारण दम तोड़ देते हैं.

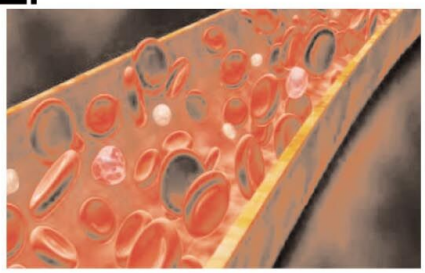

यह हीमोग्लोबिन नामक प्रोटीन में आनुवंशिक परिवर्तन के कारण उत्पन्न होता है. सामान्य परिस्थितियों में लाल रक्त कोशिकाएं गोलाकार और लचीली होती हैं, जो शरीर के प्रत्येक अंग तक ऑक्सीजन पहुंचाने का कार्य करती हैं लेकिन सिकल सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाएं अर्धचंद्राकार या हंसिए जैसी आकृति धारण कर लेती हैं. ये कोशिकाएं कठोर और चिपचिपी हो जाती हैं तथा रक्त वाहिकाओं में फंसकर रक्त प्रवाह को बाधित करती हैं.

परिणामस्वरूप रोगी को असहनीय दर्द, एनीमिया, अंगों की क्षति और कई बार जीवन-घातक जटिलताओं का सामना करना पड़ता है. सामान्य लाल रक्त कोशिकाओं का जीवनकाल लगभग 120 दिन होता है जबकि सिकल कोशिकाएं केवल 10 से 20 दिनों में नष्ट हो जाती हैं. इससे रोगी लगातार एनीमिया से ग्रस्त रहता है.

भारत में सिकल सेल रोग एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में उभर रहा है. छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में इसकी व्यापकता अपेक्षाकृत अधिक है. देश की कई जनजातीय आबादियां इस रोग से प्रभावित हैं. इसी कारण भारत सरकार ने राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2047 तक इस रोग की चुनौती को नियंत्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. मिशन के तहत बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग, आनुवंशिक परामर्श, जागरूकता अभियान और समय पर उपचार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं.

बंजर होती उपजाऊ धरती को बचाने की चुनौती

देवेंद्रराज सुथार

यह किसी से छुपा नहीं है कि धरती तेजी से बंजर होती जा रही है. हर साल दस करोड़ हेक्टेयर उपजाऊ जमीन मरुस्थल में तब्दील हो जाती है, जो कि मिस्र देश के भू-क्षेत्र के बराबर है. मरुस्थलीकरण की समस्या कोई एकाएक उपजी विपदा नहीं है. यह उस दीर्घकालिक लापरवाही का परिणाम है जो मनुष्य ने प्रकृति के साथ बरती है. वनों की अनियंत्रित कटाई, रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग और भूजल के अत्यधिक दोहन ने मिलकर भूमि की उर्वरा शक्ति को क्षीण कर दिया है. जलवायु परिवर्तन ने इस विनाश की गति को और तीव्र किया है. मानसून की अनिश्चितता और तापमान में लगातार वृद्धि ने सूखे की मार को पहले से कहीं ज्यादा कठोर बना दिया है.

भारत की लगभग तीस प्रतिशत भूमि क्षरण का शिकार है और पच्चीस करोड़ से अधिक लोग इससे प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हैं. राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के विशाल भू-भाग रेत की चपेट में आते जा रहे हैं. बुंदेलखंड का किसान हर तीसरे-चौथे साल सूखे की विभीषिका झेलता है. विदर्भ में खेत सूखते हैं तो किसान का धैर्य भी टूट जाता है और वह आत्मघाती कदम उठाने पर विवश हो जाता है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस समस्या से निपटने के प्रयास लंबे समय से चल रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम दिवस की स्थापना 17 जून 1994 को की गई थी और तब से 130 से अधिक देश 2030 तक भूमि क्षरण तटस्थता का लक्ष्य अपना चुके हैं. दिसंबर 2024 में सऊदी अरब के रियाद में आयोजित कॉप 16 में भारत ने भी अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया. किंतु अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लिए गए संकल्पों और धरातल पर हो रहे कार्यों के बीच की खाई को पाटना अभी शेष है. धरती की उर्वरता केवल किसानों का प्रश्न नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का भी प्रश्न है.

आज का कार्टून

मोदी दुनिया के महान नेता: ट्रंप

बस कह देते ये हमारे भी गुरु हैं, तो चार चांद लग जाता!

जीएम फसलों की बहस खेत से थाली तक पहुंची

बीज पर किसका हक

सुधीर कुमार

विज्ञान अब हमारे घर की दहलीज को पार कर हमारी रसोई तक पहुंच गया है. क्या हमने कभी अपनी थाली में रखी रोटी या सब्जी को देख कर यह सोचा है कि उसका 'डीएनए' क्या है? निश्चित रूप से इस पर किसी ने नहीं सोचा होगा। आनुवांशिक रूप से परिवर्तित (जीएम) फसलों का मुद्दा अब महज प्रयोगशालाओं का विमर्श नहीं रहा, बल्कि यह हमारी थाली की सुरक्षा और देश के कानून के लिए एक द्वंद्व बन गया है। एक तरफ भूख मिटाने के लिए विज्ञान वरदान की तरह है, तो दूसरी तरफ स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनसुलझे जोखिम। यह विषय केवल कृषि का नहीं, बल्कि नीति-निर्माण और भविष्य की सुरक्षा का भी है।

जीएम फसलों का अर्थ समझना सरल है, मगर इसका निहितार्थ अत्यंत जटिल। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। जैसे हम 'फोटो एडिटिंग ऐप' से किसी तस्वीर में 'फिल्टर' लगाते हैं, वैसे ही वैज्ञानिक किसी फसल के बीज में कोई दूसरा 'वांछित जीन' डाल देते हैं, ताकि वह अधिक पैदावार दे सके, सूखे को झेल सके या कीटों से लड़ सके। विज्ञान की भाषा में इसे 'ट्रांसजेनिक' कहते हैं, लेकिन आम आदमी के लिए यह अपनी थाली में किसी 'अपरिचित' मेहमान के आने जैसा है। हम नहीं जानते कि यह मेहमान हमारा मित्र है या शत्रु?

> दुनिया भर में जीएम फसलों को लेकर तस्वीर अलग है। अमेरिका में जीएम सोयाबीन और मक्का बड़े पैमाने पर खाया जाता है। वहां की सरकार और कंपनियां इसे 'नवाचार' मानती हैं और इसे अर्थव्यवस्था का आधार बताती हैं। वहीं, यूरोपीय संघ ने अत्यंत कड़े नियम अपनाए हैं। वहां उत्पादों पर 'अनिवार्य लेबलिंग' का पालन होता है, ताकि उपभोक्ता को पता हो कि वह 'प्राकृतिक' खा रहा है या 'जीएम'। यह बताता है कि यह केवल भारत का डर नहीं, बल्कि पूरी दुनिया इस तकनीक को 'परखने' के दौर में है। यह वैश्विक मतभेद भी दर्शाता है कि जीएम फसलों का मुद्दा केवल विज्ञान पर नहीं, बल्कि राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर भी टिका है। यूरोपीय संघ की सावधानी यह सिखाती है कि उपभोक्ता की 'जानने की इच्छा' और 'पसंद की स्वतंत्रता' को तकनीक के ऊपर प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

जब हम एक पौधे के प्राकृतिक गुणों के साथ छेड़छाड़ करते हैं, तो केवल एक जीन नहीं बदलते, बल्कि उस पूरी खाद्य शृंखला को प्रभावित करते हैं, जिसका हिस्सा वह पौधा है। जैव-प्रौद्योगिकी समर्थकों का तर्क है कि बढ़ती आबादी के लिए यह अनिवार्य है, जबकि आलोचकों का मानना है कि 'प्राकृतिक क्रम' में हस्तक्षेप के परिणाम नकारात्मक एवं दीर्घकालिक हो सकते हैं। भारत में जीएम फसलों की कानूनी स्थिति बेहद सतर्क रही है। हमारे यहां विनियमन का ढांचा मुख्य रूप से 'पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986' के तहत गठित 'जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति' के कंधे पर है। यह समिति तय करती है कि कौन-सी फसल देश में उगाई जा सकती है और उसके परीक्षण के मानक क्या होंगे।

भारत में अभी तक केवल 'बीटी कपास ' को व्यावसायिक खेती की अनुमति मिली है, जो एक गैर-खाद्य फसल है। खाद्य फसलों के मामले में, जैसे कि जीएम सरसों का मामला लंबे समय से विवादों में रहा है। यह दर्शाता है कि नियामक संस्थाओं और जनहित के बीच एक गहरी खाई है। तकनीकी मंजूरी मिल जाना एक बात है, लेकिन सामाजिक स्वीकृति और कानूनी वैधता प्राप्त करना दूसरी बड़ी बात है।

कानूनी परिप्रेक्ष्य में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका निर्णायक रही है। अरुणा रोड्रिग्स बनाम भारत संघ (2005) का मामला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि जीएम फसलों के परीक्षण में जैव-सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा गया है। अदालत ने बार-बार 'एहतियाती सिद्धांत' को रेखांकित किया है। इसका अर्थ यह है कि यदि किसी तकनीक से पर्यावरण या सेहत को नुकसान होने की थोड़ी भी संभावना हो, तो उसे लागू करने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। यह सिद्धांत ही हमारी थाली की सुरक्षा का सबसे बड़ा कानूनी कवचहै।

इसी तरह, आर्यावर्त बनाम भारत संघ (2023) जैसे मामलों में अदालतों ने जोर दिया है कि जैव-सुरक्षा से समझौता करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त 'जीवन के अधिकार' और 'स्वस्थ भोजन के अधिकार' का उल्लंघन हो सकता है। अदालतें यहां केवल कानून की व्याख्या नहीं कर रही हैं, बल्कि वे एक 'अभिभावक' की भूमिका निभा रही हैं, जो विज्ञान की चकाचौंध में जन-स्वास्थ्य को ओझल नहीं होने देना चाहतीं।

दुनिया भर में जीएम फसलों को लेकर तस्वीर अलग है। अमेरिका में जीएम सोयाबीन और मक्का बड़े पैमाने पर खाया जाता है। वहां की सरकार और कंपनियां इसे 'नवाचार' मानती हैं और इसे अर्थव्यवस्था का आधार बताती हैं। वहीं, यूरोपीय संघ ने अत्यंत कड़े नियम अपनाए हैं। वहां उत्पादों पर 'अनिवार्य लेबलिंग' का पालन होता है, ताकि उपभोक्ता को पता हो कि वह 'प्राकृतिक' खा रहा है या 'जीएम'। यह बताता है कि यह केवल भारत का डर नहीं, बल्कि पूरी दुनिया इस तकनीक को 'परखने' के दौर में है।

यह वैश्विक मतभेद भी दर्शाता है कि जीएम फसलों का मुद्दा केवल विज्ञान पर नहीं, बल्कि राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण पर भी टिका है। यूरोपीय संघ की सावधानी यह सिखाती है कि उपभोक्ता की 'जानने की इच्छा' और 'पसंद की स्वतंत्रता' को तकनीक के ऊपर प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

इस विषय का एक अत्यंत अनूठा और कम चर्चित पहलू 'बौद्धिक संपदा अधिकार' और 'खाद्य संप्रभुता' है। कानून की नजर में यह कंपनियों के पेटेंट और किसानों के परंपरागत अधिकारों के बीच का युद्ध है। जब कोई कंपनी बीज का पेटेंट ले लेती है, तो किसानों को हर साल नया बीज खरीदना पड़ता है। यह परंपरा के विपरीत है, जहां किसान खुद बीज सुरक्षित रखता था।

भारत में 'पादप किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001' मौजूद तो है, लेकिन बड़ी कंपनियों के पेटेंट के सामने गरीब किसानों की आवाज प्रायः दब जाती है। अगर बीज पर नियंत्रण विदेशी कंपनियों का होगा, तो हमारी कृषि नीति कहां जाएगी? हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक के साथ-साथ किसानों के अधिकार भी सुरक्षित रहें।

खाद्य सुरक्षा के लिए सरकार को पूर्ण पारदर्शिता को अनिवार्य बनाना चाहिए, ताकि जीएम उत्पादों का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को यह जानने का अधिकार हो कि वे क्या उपभोग कर रहे हैं। यह सूचना के अधिकार का ही एक तार्किक विस्तार है। इस पारदर्शिता के साथ-साथ, सुरक्षा जांचों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए कंपनियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के बजाय सरकार की ओर से अधिकृत स्वतंत्र प्रयोगशालाओं से गहन जांच कराई जानी चाहिए।

इसके अतिरिक्त, एक सख्त कानून का होना अत्यंत आवश्यक है, जिसमें यह स्पष्ट प्रावधान हो कि मिट्टी की उर्वरता, भूजल प्रदूषण या जन-स्वास्थ्य पर पड़ने वाले किसी भी नकारात्मक प्रभाव के लिए संबंधित कंपनियां आर्थिक रूप से उत्तरदायी होंगी। नीति-निर्धारण की प्रक्रिया को लोकतांत्रिक बनाने के लिए किसी भी नई जैव-प्रौद्योगिकी के व्यापक कार्यान्वयन से पहले स्थानीय स्तर पर सार्वजनिक सुनवाई अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि किसान और आम जनता इस प्रक्रिया का अभिन्न अंग बन सकें।

इन सभी पहलुओं की प्रभावी निगरानी के लिए 'जीएम निगरानी बोर्ड' का गठन जरूरी है। साथ ही यह समझना आवश्यक है कि विज्ञान दुश्मन नहीं है, लेकिन तकनीक और प्रकृति के बीच का संतुलन ही जीवन की कुंजी है। हमें जीएम फसलों के एकतरफा विरोध और आंख मूंदकर समर्थन करने से बचना होगा।

कानून का काम है कि वह नवाचार को रोके नहीं, बल्कि उसे सुरक्षा के दायरे में रखे। क्या तकनीक के नाम पर हम अपनी पारंपरिक खेती को दांव पर लगा रहे हैं? यह प्रश्न आज हर नीति-निर्माता की मेज पर होना चाहिए। सतर्कता ही वह सुरक्षा है, जो हमारे भोजन और जीवन को सार्थक बनाती है।

जो रुक गया, वह हार गया...

> मनुष्य का जीवन बहती हुई नदी की तरह होता है। नदी जब तक बहती रहती है, तब तक निर्मल और जीवंत रहती है, लेकिन जैसे ही उसका प्रवाह रुकता है, उसमें दुर्गंध पड़ने लगती है। ठीक उसी प्रकार मनुष्य का जीवन भी निरंतर चलने में ही अपनी सार्थकता खोजता है। चलना दरअसल भीतर की उस चेतना का नाम है, जो हार के बाद भी उठ खड़ी होती है, अंधेरे में उजाले की उम्मीद करती है और हर टूटन के बाद भी स्वयं को फिर से जोड़ने का साहस रखती है।

मोनिका राज

जब मनुष्य चलता है, तब वह केवल रास्ते तय नहीं करता, बल्कि वह अपने भीतर बची हुई उम्मीदों को भी जीवित रखता है। वह यह स्वीकार करता है कि उसके भीतर अभी भी सीखने की क्षमता है, बदलने का साहस है और सपनों को फिर से जीने की इच्छा बाकी है।

हालांकि जीवन में ठहराव कभी-कभी आवश्यक होता है, क्योंकि थका हुआ शरीर विश्राम चाहता है, लेकिन जब यही ठहराव मन की आदत बन जाता है, तब वह धीरे-धीरे जड़ता में बदलने लगता है। जड़ता वह अवस्था है, जहां मनुष्य अपने भीतर की रोशनी खोने लगता है। वह परिस्थितियों को अपनी नियति मान बैठता है और संघर्ष करना छोड़ देता है। यही कारण है कि जीवन में रुकना कभी समाधान नहीं हो सकता।

समय कभी नहीं रुकता। सूरज प्रतिदिन उगता है, ऋतुएं बदलती हैं, पेड़ों पर नए पत्ते आते हैं, नदियां बहती रहती हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्त्व हमें यही सिखाता है कि जीवन का अर्थ आगे बढ़ने में है। आम लोगों के जीवन में भी यह सत्य हर दिन दिखाई देता है। एक मजदूर सुबह-सुबह घर से निकलता है, क्योंकि उसे पता है कि अगर वह रुक गया, तो उसके बच्चों का चूल्हा नहीं जलेगा। एक किसान तपती धूप में खेतों में मेहनत करता है, क्योंकि उसे विश्वास होता है कि आज की मेहनत कल की फसल बनेगी। एक विद्यार्थी बार-बार असफल होने के बाद भी किताबें खोलता है, क्योंकि उसके भीतर कहीं न कहीं यह उम्मीद बची रहती है कि एक दिन सफलता उसके दरवाजे पर भी दस्तक देगी।

एक मां अपने दुखों को छिपाकर परिवार के लिए मुस्कुराती रहती है, क्योंकि उसका चलना ही पूरे घर की शक्ति बन जाता है। ये साधारण लोग किसी बड़े मंच पर दिखाई नहीं देते, लेकिन इन्हीं के संघर्ष जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा होते हैं। आज का समय मानसिक थकान और निराशा का समय भी बनता जा रहा है। लोग छोटी-छोटी असफलताओं से टूटने लगे हैं। सोशल मीडिया की चमक ने जीवन की वास्तविकताओं को धुंधला कर दिया है। हर व्यक्ति दूसरों की सफलता देखकर स्वयं को कमतर समझने लगा है। ऐसे समय में 'चलते रहने' का अर्थ और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

आगे बढ़ना हमेशा बड़ी उपलब्धियां हासिल करना नहीं होता। कई बार आगे बढ़ना केवल इतना होता है कि मनुष्य अपने दुखों के बावजूद अगली सुबह उठकर फिर से जीवन शुरू कर दे। जीवन में कठिनाइयां कभी समाप्त नहीं होतीं। हर व्यक्ति अपने हिस्से की लड़ाई लड़ रहा होता है। किसी के पास धन की कमी है, किसी के पास संबंधों का अभाव, कोई अकेलेपन से जूझ रहा है, तो कोई असफलताओं से।

लेकिन इन सबके बीच जो व्यक्ति चलते रहने का साहस नहीं छोड़ता, वही आखिरकार जीवन का अर्थ समझ पाता है, क्योंकि जीवन निरंतर प्रयास करते रहने का नाम है। हार और असफलता मनुष्य को रोकने के लिए नहीं आतीं, बल्कि उसे मजबूत बनाने के लिए आती है। अगर बच्चा गिरने के डर से चलना छोड़ देता, तो वह कभी चलना सीख ही नहीं पाता। इसी तरह अगर मनुष्य असफलताओं के डर से जीवन में रुक जाए, तो वह अपने भीतर छिपी संभावनाओं को कभी पहचान नहीं पाएगा।

चलते रहने का एक सुंदर अर्थ यह भी है कि मनुष्य स्वयं को लगातार बदलता रहे। जो व्यक्ति सीखना छोड़ देता है, वह धीरे-धीरे भीतर से बूढ़ा होने लगता है। उम्र का बूढ़ा होना उतना खतरनाक नहीं जितना विचारों का बूढ़ा हो जाना। जीवन हमें हर दिन कुछ नया सिखाता है। कभी परिस्थितियां हमें धैर्य सिखाती हैं, कभी लोग हमें संबंधों का अर्थ समझाते हैं, कभी संघर्ष हमें आत्मविश्वास देना सिखाते हैं। मगर यह सब वही व्यक्ति सीख पाता है, जो जीवन के साथ चलना जानता है।

हमारे समाज में अनेक लोग ऐसे मिल जाते हैं, जिन्होंने जीवन की बड़ी-बड़ी त्रासदियों के बाद भी हार नहीं मानी। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, अगर मनुष्य के भीतर उम्मीद की छोटी-सी लौ जलती रहे, तो वह अंधेरों को पार कर सकता है। दरअसल, मनुष्य जब चलता है तो वह केवल अपने लिए नहीं चलता। उसका साहस दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन जाता है। एक पिता की मेहनत बच्चों के सपनों को जन्म देती है। एक शिक्षक का संघर्ष अनेक विद्यार्थियों का भविष्य बदल देता है। एक महिला का धैर्य पूरे परिवार को टूटने से बचा लेता है।

वास्तव में हर समय तेज गति से दौड़ना आवश्यक नहीं है। जीवन में कभी-कभी धीरे चलना भी जरूरी होता है। थकान होने पर थोड़ी देर रुकना गलत नहीं, लेकिन स्वयं को पूरी तरह ठहरा देना खतरनाक है। मनुष्य को जीवन में विश्राम लेना चाहिए, पर हार मानकर बैठ नहीं जाना चाहिए, क्योंकि जो व्यक्ति भीतर से रुक जाता है, वह धीरे-धीरे सपने देखना भी छोड़ देता है। जीवन का सबसे सुंदर सत्य यही है कि जब तक मनुष्य के भीतर आगे बढ़ने की इच्छा बची हुई है, तब तक कोई भी अंधेरा स्थायी नहीं हो सकता। हर संघर्ष मनुष्य को थोड़ा और परिपक्व बनाता है। चलना केवल आगे बढ़ना नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व को स्वीकार करना है। यह स्वीकार करना है कि हमारे भीतर अभी भी उम्मीद बची हुई है, अभी भी सपने जीवित हैं और अभी भी जीवन को सुंदर बनाने की संभावना बाकी है।

बलिदान दिवस पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने जगजीवन नगर स्थित आवासीय कार्यालय में महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं राष्ट्रीय एकता व अखंडता के सशक्त पुरोधा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

डॉ. मुखर्जी का राष्ट्रनिष्ठ जीवन, सांस्कृतिक चेतना एवं अखंड भारत के प्रति उनका समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। राष्ट्रहित सर्वोपरि की उनकी विचारधारा सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी। इस अवसर पर सदर मंडल अध्यक्ष राजा राम दत्ता, सरायढेला मंडल अध्यक्ष बसंती देवी, रीता प्रसाद, सत्येंद्र मिश्रा, निर्मल प्रधान सदर मंडल महामंत्री, अखिलेश झा सहित भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं साथीगण उपस्थित रहे।

राजगंज (सासे) : राजगंज मंडल के महामंत्री बैठक की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष मनोज गौतम कुमार साव के आवासीय कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया तथा राजगंज मंडल के सभी शक्ति केंद्र का बैठक भी हुआ है। इस बलिदान दिवस ओर

कुमार महतो ने किया तथा संचालन मंडल के महामंत्री गौतम कुमार साव एंव धन्यवाद ज्ञापन मंडल के उपाध्यक्ष अजय राम माहुरी ने किया।

भाजपा नेता नीलकंठ रवानी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान और जीवनी के बारे मे विस्तृत रुप से विचार व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल यदि भारत में हैं तो इसमे डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी का देन हैं बिना परमिट में कश्मीर जाने की प्रथा को हटाने का काम भी इसी महापुरुष का देन हैं इन्ही का सिद्धांत था एक देश, एक संविधान, एक निशान। हम सबों को डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पद चिन्ह पर चलने का आह्वान किये।

इस कार्यक्रम में जनसंघ के नेता नार्गेंद्र प्रसाद साव, सूरज सोनी, सुनील साव, उपमुखिया चंदन भारती सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

सिन्दरी (सासे) : भाजपा के शहरपुरा कार्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर धनबाद जिला ग्रामीण भाजपा के निवर्तमान जिला महामंत्री मनोज मिश्रा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान भारतीय राष्ट्रवाद की अमूल्य धरोहर है। उनके विचार

आज भी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं। पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय सिंह ने उनके जीवन को त्याग, राष्ट्रभक्ति और साहस का प्रतीक बताया।

कार्यक्रम में रवि कुमार, राजेश चौधरी, सूरज सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। अंत में सभी ने उनके आदर्शों पर चलने और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

सीएम 3 को करेंगे दुमकामोविंदपुर संचरण लाइन का लोकार्पण

धनबाद (कासं) : मुख्यमंत्री झारखंड, हेमंत सोरेन के करकमलों द्वारा आगामी ३ जुलाई को दुमका-गोविंदपुर संचरण लाइन का लोकार्पण किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड के पूरे कर लिए गए ग्रिड सबस्टेशन एवं संचरण लाइनों का लोकार्पण ३ जुलाई को रांची के प्रोजेक्ट भवन से ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। इस क्रम में मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा २२० के.वी. दुमकामोविंदपुर संचरण लाइन का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि २२० के.वी. दुमका-गोविंदपुर संचरण लाइन के लोकार्पण से दुमका, गोड्डा, पाकुड़, देवघर, धनबाद एवं इसके आसपास के क्षेत्र गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति से लाभान्वित होंगे। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री के करकमलों द्वारा उसी दिन १३२/३३ के.वी. ग्रिड सबस्टेशन अमड़ापाड़ा (जियापानी) जिला पाकुड़, १३२/३३ के.वी. ग्रिड सबस्टेशन, सुरदा, जिला पूर्वी सिंहभूम एवं १३२/३३ के.वी. ग्रिड सबस्टेशन, नारायणपुर, जिला जामताड़ा का भी लोकार्पण किया जाएगा।

विश्व ओलंपिक दिवस पर पर्यावरण बचाओ अभियान शुरू

धनबाद (कासं) : विश्व ओलंपिक दिवस के मौके पर धनबाद जिला ओलंपिक संघ ने एक अनोखी पहल की शुरुआत की है। खेल के साथसाथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से संघ ने पर्यावरण बचाओ अभियान शुरू किया है। यह अभियान अगले पांच दिनों तक चलेगा, जिसके तहत पूरे धनबाद जिले में लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान की शुरुआत धनबाद के सिटी सेंटर से की गई, जहां ओलंपिक संघ के पदाधिकारी और खिलाड़ियों ने रैली निकाली। रैली सिटी सेंटर से होते हुए रणधीर वर्मा चौक तक पहुंची। इस दौरान खिलाड़ियों और पदाधिकारियों ने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की। धनबाद ओलंपिक संघ ने अभियान के तहत जिले में सौ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। साथ ही शहरवासियों से हर घर एक पौधा लगाने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अपना योगदान देने का आह्वान किया गया। ओलंपिक दिवस पर शुरू हुआ यह अभियान खेल भावना के साथसाथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहा है। संघ का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुड़कर हरियाली बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं।

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच व जिज्ञासा को बढ़ावा दें : डीइओ

गोविंदपुर (सासे) : राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में संचालित गणित एवं विज्ञान क्लबों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारती एयरटेल फाउंडेशन एवं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गोविंदपुर में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के लगभग १३७ गणित एवं विज्ञान शिक्षक एवं बीआरपी ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान गतिविधिआधारित शिक्षण, गणित एवं विज्ञान क्लबों के प्रभावी संचालन तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, रचनात्मकता एवं तार्किक चिंतन विकसित करने पर विशेष बल दिया गया।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालयों में गणित एवं विज्ञान क्लबों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए शिक्षकों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा एवं प्रयोगधर्मिता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सहायक जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आशीष कुमार एवं सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी शंभु मिश्रा भी उपस्थित रहे। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गोविंदपुर के प्राचार्य जगरनाथ लोहरा के मार्गदर्शन एवं उपप्राचार्य ओम प्रकाश के सक्रिय समन्वय में कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संकाय सदस्य मिनिता प्रसाद, सुनील कर्मकार, लिपिक सुभाष चंद्र ठाकुर तथा एम.डी. ताहिर अली का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भारती एयरटेल फाउंडेशन की ओर से राज्य साझेदारी प्रबंधक बंधव कुमार, परियोजना समन्वयक हीरा पाठक तथा प्रवेश कुमार, अभिषेक कुमार एवं शाश्वत कुमार उपस्थित रहे।

डीसी ने किया सर्किट हाउस का औचक निरीक्षण

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने सर्किट हाउस का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उसके कायाकल्प के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्किट हाउस के सौंदर्यकरण तथा भवन के रखरखाव के लिए कई दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सर्किट हाउस के कमरों, लॉबी और वीआईपी सुइट्स का भी निरीक्षण किया। उपायुक्त ने परिसर को आकर्षक बनाने के लिए बगीचों को व्यवस्थित करने, नए पौधे लगाने और हरियाली बढ़ाने पर जोर दिया। साथ में पूरे परिसर, विशेषकर किचन और डाइनिंग एरिया में उच्च स्तरीय साफसफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि सर्किट हाउस जिले की छवि को दर्शाता है, क्योंकि यहां कई महत्वपूर्ण अतिथि और अधिकारी ठहरते हैं। इसके सौंदर्यीकरण और रखरखाव में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर एनडीसी दीपक कुमार दुबे, जिला नाजिर आनंद कुमार, भवन प्रमंडल, पथ निर्माण व अन्य विभागों के अभियंता उपस्थित थे।

ग्रामीण समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित

चेन्दुआ (सासे) : झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के बैनर तले ईस्ट बसेरिया में ग्रामीणों एवं श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अभिषेक कुमार ने किया। मुख्य अतिथि अजय रवानी, एवं विशिष्ट अतिथि अरविंद नोनिया एवं अजीत चौहान उपस्थित थे। ग्रामीणों ने फूलमाला पहनकर अतिथियों का स्वागत किया। बैठक में ग्रामीणों ने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं जैसे पेयजल, बिजली, प्रदूषण एवं विस्थापन के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से इन समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण आम लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य अतिथि अजय रवानी ने अपने संबोधन में कहा कि कुसुंडा क्षेत्र संख्या६ के अंतर्गत आने वाली विभिन्न कोलियरियों में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीसीसीएल प्रबंधन ग्रामीणों, मजदूरों एवं रैयतों के प्रति उपेक्षित रवैया अपना रहा है, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अपनी कार्यशैली में शीघ्र सुधार नहीं किया गया और जनसमस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन पूरे बीसीसीएल क्षेत्र संख्या६ में चक्का जाम आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।बैठक में ईस्ट बसेरिया कोलियरी शाखा समिति के गठन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने क्षेत्र के विकास, श्रमिकों एवं ग्रामीणों के हितों की रक्षा तथा समस्याओं के समाधान के लिए जल्द से जल्द शाखा समिति के गठन पर सहमति व्यक्त किया। बैठक में मानिक बाउरी, रवि कुमार, संतोष बारस, ललन कुमार, रौशन कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, उपस्थित थे।

राजकीय पॉलिटेक्निक में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ

धनबाद (कासं) : इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) अकादमी के अंतर्गत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत सैडिक, पटना द्वारा राजकीय पॉलिटेक्निक धनबाद में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों, प्रशिक्षकों और मार्गदर्शकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) तथा आईसीटी के उभरते क्षेत्रों में दक्ष बनाना है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रोफेसरों, फैकल्टी सदस्यों, प्रशिक्षकों एवं मार्गदर्शकों के ज्ञान, कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ावा देना है, ताकि वे आधुनिक तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप स्वयं को विकसित कर सकें।

उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला २७ जून तक प्रतिदिन सुबह १० बजे से शाम ५ बजे तक राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर में आयोजित की जा रही है। इसमें धनबाद, भागा एवं निरसा के राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों के अलावा आईटीआई धनबाद, पी.के. राय मेमोरियल कॉलेज, गुरु नानक कॉलेज तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

कार्यशाला में सैडिक, पटना के वैज्ञानिक 'बी' रंजन कुमार, वरिष्ठ परियोजना अभियंता हृदय राम वर्मा तथा परियोजना अभियंता आदित्य शर्मा द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं आईसीटी से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुनीता तुलसियान भी उपस्थित रहीं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को नई तकनीकों की जानकारी देने के साथसाथ शिक्षा एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में आधुनिक डिजिटल तकनीकों के प्रभावी उपयोग के लिए भी तैयार किया जा रहा है।

बीसीसीएल के पीएपी छात्रों के लिए आईएसएम में विशेष कक्षाएं जारी

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल के प्रोजेक्ट अफेक्टेड पर्सन्स यानि खनन परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों के बच्चों तथा अन्य वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के बीच स्टेम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथेमेटिक्स) शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आईएसएम धनबाद द्वारा विशेष कक्षाओं का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बीसीसीएल की सीएसआर पहल के तहत चल रही नियमित स्टेम शिक्षा परियोजना का हिस्सा है। डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के प्रो. रश्मि सिंह और प्रो. नीलाद्रि दास के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल के तहत डी पीएलएमए +२ हाई स्कूल, नावागढ़ तथा एच.एस. भूली नगर के छात्रों को विज्ञान और गणित की अवधारणाओं को सरल एवं रोचक तरीके से समझाया गया।

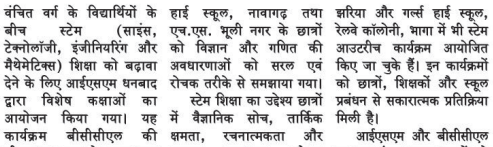

स्टेम शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक क्षमता, रचनात्मकता और समस्या समाधान कौशल विकसित करना है। इसके लिए इंटरैक्टिव, छात्रकेंद्रित एवं अनुभव आधारित शिक्षण पद्धतियों का उपयोग किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले आईएसएम धनबाद द्वारा भगीरथ ब्रह्मचारी हाई स्कूल, केजीबीवी झरिया और गर्ल्स हाई स्कूल, रेलवे कॉलोनी, भागा में भी स्टेम आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों को छात्रों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

आईएसएम और बीसीसीएल का यह संयुक्त प्रयास छात्रों को उच्च शिक्षा और स्टेम क्षेत्रों में बेहतर करियर अवसरों के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कतरी नदी पर बने अवैध पुल से पाइप हटाया गया

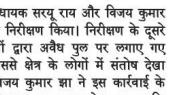

कतरास (सासे) : बीसीसीएल एरिया४ अंतर्गत संचालित डेकोआउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा परियोजना से ओबी (ओवरबर्डन) डंपिंग के लिए कतरी नदी पर कथित रूप से अवैध पुल का निर्माण किया गया था। इस मामले की जानकारी वार्ड संख्या५ की नवनिर्वाचित पार्षद निरुपमा देवी ने जमशेदपुर पश्चिम के विधायक तथा विधाडा के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार झा को दी।

जानकारी मिलने के बाद विधायक सरयू राय और विजय कुमार झा व निरुपमा देवी ने स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दूसरे ही दिन बीसीसीएल अधिकारियों द्वारा अवैध पुल पर लगाए गए पाइपों को हटा लिया गया, जिससे क्षेत्र के लोगों में संतोष देखा गया। विधाडा के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार झा ने इस कार्रवाई के लिए विधायक सरयू राय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कतरी नदी के अस्तित्व और पर्यावरण संरक्षण के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन से यह भी आग्रह किया कि आरके आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा कतरी नदी में किए गए कथित अवैध पुल निर्माण को भी अविलंब ध्वस्त किया जाए, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

वहीं, वार्ड संख्या५ की पार्षद निरुपमा देवी ने इस कार्रवाई पर क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास और सहयोग से पर्यावरण एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाया जाएगा तथा भविष्य में भी ऐसे अवैध कार्यों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

धनबाद मंडल में चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : धनबाद रेल मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिनसत चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप ६६३ यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे ६.३२ लाख जुमनि के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़े गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

जनता दरबार में ऑन द स्पॉट समस्यायों का किया गया निष्पादन

धनबाद (कासं) : जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। आम जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निवारण के लिए आयोजित इस जनता दरबार में जिले के विभिन्न दूरदराज के क्षेत्रों से आए दर्जनों ग्रामीणों एवं फरियादियों ने अपनीअपनी समस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए।

जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने संवेदनशीलता के साथ एकएक कर सभी फरियादियों की शिकायतों और समस्याओं को सुना। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, राशन कार्ड में नाम जोड़ने/संशोधन, वृद्धावस्था एवं दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, अबूआ आवास, हॉस्टल में नामांकन नहीं होने, दाखिलखारिज को रद्द करने, गैरआबाद तालाब की जमाबंदी रद्द करने, मुआवजा, वित्तीय और बैंक संबंधी मामले, सड़क व नाली निर्माण, धोखाधड़ी और प्रताड़ना के मामले, राजस्व, पेयजल, आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। मामलों की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को फोन पर एवं मौके पर ही त्वरित कार्रवाई करने के लिए सख्त निर्देश दिए। जनता दरबार में उपस्थित कई मामलों का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया, जिससे कई नागरिकों को तुरंत राहत मिली। जिन आवेदनों का तत्काल निष्पादन संभव नहीं था, उनके लिए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को एक निश्चित समय सीमा (टाइमलाइन) के भीतर जांच कर रिपोर्ट सौंपने और गुणवत्तापूर्ण निवारण सुनिश्चित करने का आदेश दिया। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बिना किसी बाधा के पहुंचे।

बीएसएल दे रहा सर्कुलर इकोनॉमी को नई गति

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने भारत सरकार की सर्कुलर इकोनॉमी की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के दौरान संसाधनों के कुशल उपयोग, अपशिष्ट न्यूनीकरण तथा सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयंत्र द्वारा संचालित विभिन्न वेस्ट टू वेल्थ (अपशिष्ट से संपदा) पहलों के माध्यम से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हैं। इन प्रयासों ने न केवल आर्थिक लाभ सृजित किया है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

बीएसएल ने पहली बार बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीओएफ) स्लज का सिंटर प्लांट में सफलतापूर्वक उपयोग किया है, जिससे लौह अयस्क फाइन्स की खपत में कमी आई है। इसी प्रकार, डीकैंटर टार स्लज का मिश्रित कोयले में पुनर्चक्रण कर उत्पादन लागत को कम करने के साथ-साथ ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी कमी लाने में सफलता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त, अपशिष्ट लाइमस्टोन फाइन्स के सिंटर निर्माण में प्रभावी उपयोग से उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित हुई है तथा फ्लक्स की खरीद पर होने वाले व्यय में भी कमी आई है। बीएसएल ने ब्लास्ट फर्नेस स्लैग का ग्रेनुलेशन सुनिश्चित करते हुए सीमेंट उद्योग को बड़े पैमाने पर इसकी आपूर्ति की है। इससे सीमेंट निर्माण में क्लिंकर की खपत कम हुई है, जिसके परिणामस्वरूप कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। संयंत्र ने प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) एलडी स्लैग का भी लगभग पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया है। इसका उपयोग सिंटर निर्माण, इस्पात उत्पादन में बॉक्साइट एवं अन्य फ्लक्सों के विकल्प के रूप में, संयंत्र के लगभग २५० किलोमीटर लंबे आंतरिक रेलवे नेटवर्क में रेलवे बैलास्ट के रूप में तथा सड़क निर्माण परियोजनाओं में किया गया है।

इसके अतिरिक्त, संयंत्र ने मिल स्केल, ब्लास्ट फर्नेस फ्ल्यू डस्ट, ईएसपी डस्ट, कोक ब्रीज तथा फेरस स्लज जैसे उपोत्पादों और अपशिष्ट सामग्रियों का पुनर्चक्रण कर उन्हें मूल्यवान द्वितीयक (सेकेंडरी) कच्चे माल के रूप में उपयोग में लाया है। इन पहलों ने संसाधनों की पुनर्प्राप्ति को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्राथमिक कच्चे माल पर निर्भरता को भी कम किया है। बोकारो इस्पात संयंत्र ने ब्लास्ट फर्नेस ग्रेनुलेटेड स्लैग, कास्ट हाउस ग्रेनुलेटेड स्लैग, कोल टार, अमोनियम सल्फेट, पिच, नैफ्थलीन उत्पाद, मिल स्केल स्लज, प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) स्लैग तथा पिग आयरन जैसे बाइ-प्रोडक्ट्स की बिक्री के माध्यम से भी उल्लेखनीय आर्थिक मूल्य सृजित किया है। जो सामग्री कभी अपशिष्ट मानी जाती थी, वही आज राजस्व सृजन के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों को किफायती द्वितीयक (सेकेंडरी) कच्चा माल उपलब्ध करा रही है।

संयंत्र के इन पहलों के परिणामस्वरूप अपशिष्ट उत्पादन तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आई है, वहीं विभिन्न डाउनस्ट्रीम उद्योगों को किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण सेकेंडरी कच्चा माल उपलब्ध कराने में भी सहायता मिली है। निरंतर नवाचार, संसाधन संरक्षण और अपशिष्ट के प्रभावी पुनःउपयोग के माध्यम से बोकारो इस्पात संयंत्र सतत इस्पात निर्माण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है तथा भारत को लो-कार्बन और संसाधन-कुशल अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्तीय वर्ष २०२५-२६ की ये उपलब्धियां सर्कुलर इकोनॉमी, 'वेस्ट टू वेल्थ' तथा सतत विकास के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती हैं। नवाचार, संसाधन दक्षता एवं बाइ-प्रोडक्ट्स के अधिकतम उपयोग के माध्यम से बीएसएल राष्ट्र के लिए आर्थिक एवं पर्यावरणीय दोनों प्रकार के मूल्य सृजन की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

सतग्राम क्षेत्र में भामस की सभा

संकटोडिया (ससे): सतग्राम-श्रीपुर क्षेत्र के निमचा कोलियरी में खान श्रमिक कांग्रेस (भारतीय मजदूर संघ) की गेट सभा का २६ जून को आयोजन किया गया। अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के उपाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि , कोयला उद्योग में भारतीय मजदूर संघ जिस तरह से कामगारों को सम्मान जनक ग्यारहवां वेतन समझौता दिलाया है, ठीक उसी प्रकार बारहवां वेतन समझौता के लिए भारतीय मजदूर संघ दृढ़ संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले अखिल भारतीय खदान मजदूर (भारतीय मजदूर संघ) के महामंत्री सुजीत सिंह जी ने कोयला मंत्री एवं कोल इंडिया चेयरमैन को पत्र के माध्यम से यह मांग किया था कि जल्द १२ वे जेबीसीसीआई का गठन किया जाए। लेकिन कोल इंडिया प्रबंधन सकारात्मक रवैया नहीं होने के कारण महासंघ के निर्देश के अनुसार भारतीय मजदूर संघ कोयला उद्योग में २५ जून से ३० जून २६ तक सभी युनिट, एवं कार्य स्थान पर जन जागरण के माध्यम से आंदोलन करने का निर्णय लिया है।

वहीं खान श्रमिक कांग्रेस के महामंत्री मृत्युंजय सिंह ने कहा कि अगर कोल इंडिया प्रबंधन का सकारात्मक रवैया नहीं रहा तो भारतीय मजदूर संघ, धरना प्रदर्शन के माध्यम से पूरे कोयला उद्योग में प्रदर्शन एवं आंदोलन जारी रहेगा, आवश्यकता हुई तो कोल इंडिया प्रबंधन का घेराव भी भारतीय मजदूर संघ करेगा। भारतीय मजदूर संघ अकेले ही २५ जून से ३० जून २०२६ तक आंदोलन करने का निर्णय लिया है।

सभा में उपस्थित थे अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के उपाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार सिंह, खान श्रमिक कांग्रेस के अध्यक्ष विनोद सिंह, महामंत्री मृत्युंजय सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष मनोज चौबे, अर्जुन तिवारी, महेंद्र सिंह, सुदर्शन नायक तथा सैकड़ों कार्यकर्ता एवं माताएं बहनें उपस्थित थीं।

जैन हाई स्कूल के जय एवं बाबूलाल में बने अग्निवीर

डुमरी (ससे): प्रत्येक वर्ष करियर के हर क्षेत्र में पीएनडी जैन उच्च विद्यालय के कई छात्र-छात्रा सफलता के मुकाम को प्राप्त करते रहे हैं।दर्जनाधिक बच्चे इस विद्यालय से डाक्टर,इंजीनियर,आर्मी के क्षेत्र में जा चुके हैं।इसी कडी में इस वर्ष कसमाकुरहा गांव के किसान पुत्र जय कुमार पिता शंकर शरण महतो और माता गिरजा देवी का सेना में चयन हुआ है।२०२२ में जय ने विद्यालय से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की,इंटर की परीक्षा पास करने के बाद सेना की तैयारी किया और अंतिम रुप से सेना में अग्निवीर के रूप में चयनित हुआ।धावाटांड निवासी चुडका सोरेन और शुकरमुनी देवी का होनहार पुत्र बाबुलाल सोरेन ने अभावों के बीच सेना में भर्ती के लिए अथक प्रयास किया और अग्निवीर बना।

एक आदिवासी छात्र बाबुलाल सोरेन का सेना में चयन से आदिवासी समाज में खुशी व्याप्त है।प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन ने बताया कि सैकडों बच्चे अब तक सेना में नौकरी पाकर करियर के साथ अनुशासन बद्ध जीवन व्यतीत कर रहे हैं।जैन ने कहा कि विद्यालय में एनसीसी विंग का होना ऐसे विद्यार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ है।प्रेरक सह विज्ञान शिक्षक देवेश कुमार देव सदैव से विद्यार्थियों को उनकी योग्यता और इच्छा के आधार पर करियर चुनने में हर संभव सहायता करते रहते हैं।

वरिष्ठ शिक्षिका संगीता जैन वरीय शिक्षक डा श्याम कुमार सिंह,देवेश कुमार देव,रजत जैन,रूपलाल प्रसाद मंडल,सुब्रत कुमार सामंत,दयानन्द कुमार,डा विवेक जैन,वैभव रानी,नैना सिन्हा सहित शिक्षाविद प्रो मोहन लाल प्रसाद प्रमुख उषा देवी अधिवक्ता इन्द्रजीत जायसवाल,अशोक जैन भाजपा नेता प्रदीप कुमार साहू पूर्व प्रमुख यशोदा देवी झाएकिमयू केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो,लालमणि साव खेल कोच युगल,बाबूराम हेम्ब्रम इत्यादि ने दोनों सफल अग्निवीरों को बधाई दी है।

दानापुर मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन

हाजीपुर (ससे): महेन्द्रूघाट, पटना में दानापुर मंडल की 'मंडल संसदीय समिति' की बैठक का आयोजन किया गया । इस बैठक में दानापुर मंडल क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदगण ने भाग लिया । बैठक की अध्यक्षता नालंदा के माननीय सांसद कौशलेन्द्र कुमार द्वारा की गयी । सभी माननीय सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार सहित मुख्यालय एवं दानापुर मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे ।

आज की इस बैठक में राज्यसभा के सांसद शिवेश कुमार एवं शंभु शरण पटेल तथा आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह, गाजीपुर के सांसद अफजल अंसारी, नवादा के सांसद विवेक ठाकुर उपस्थित थे । इनके अलावा सांसद नीतीश कुमार के प्रतिनिधि के रूप में विधायक ललन कुमार, वस्त्र मंत्री, भारत सरकार गिरिराज सिंह के सांसद प्रतिनिधि कुंदन भारती, माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार श्री जीतन राम मांझी के सांसद प्रतिनिधि डॉ. मोहम्मद सिबगतुल्लाह खान, माननीय सांसद श्री खीरू महतो के प्रतिनिधि श्री पिंटू कुमार सिंह, माननीय सांसद डॉ. भीम सिंह के सांसद प्रतिनिधि श्री इन्द्रजीत कुमार, सांसद रवि शंकर प्रसाद के सांसद प्रतिनिधि श्री रामजी सिंह, माननीय सांसद श्री वीरेन्द्र सिंह के सांसद प्रतिनिधि श्री संतोष कुमार यादव, सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव के प्रतिनिधि मोहम्मद शाहनवाज, सांसद श्री अरुण भारती के प्रतिनिधि श्री अरविंद कुमार उपस्थित थे ।

बैठक में सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। माननीय सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया । साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई ।

इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने माननीय सांसदगण एवं माननीय सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत किया । महाप्रबंधक ने अपने स्वागत संबोधन में दानापुर मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से माननीय सांसदगण को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि दानापुर मंडल अपने ऐतिहासिक स्थापना एवं निरंतर यात्री सेवा के स्वर्णिम उपलब्धियों के साथ विगत वर्ष २०२५ में शताब्दी वर्षगांठ मनाते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

नशा मुक्ति को लेकर महिलाओं ने हाथों में लिख अभियान को दी गति

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह प्रखंड के भलमारा कलस्टर अंतर्गत बरई ग्राम संगठन समुह की महिलाओं की एक बैठक रेखा देवी की अध्यक्षता में की गई । बैठक में मुख्य रुप से नशा मुक्ति पर चर्चा करते हुए समाज को नशा मुक्त बनाने पर विचार विमर्श की गई । यहां जेंडर सीआरपी संजू देवी ने वर्तमान समय में नशा मुक्ति की जरुरत, नशा से मानव शरीर में होने वाले नुकसान आदि की जानकारी दी । साथ ही लोगों को नशा से दूर करने के लिए यह अभियान अपने अपने घरों में पहले प्रारंभ करने की बात कही। यहां महिलाओं ने हाथों में महेंदी से नशा मुक्ति अभियान लिखकर अभियान को सफल बनाने की शपथ ली। साथ ही घरों में खुशहाली लाने को यह मुहिम को गति देने की बात कहीं । ब्लॉक रिसोर्स पर्सन दीपू अग्रवाल ने कहा कि पलाश की ओर से सभी ग्राम संगठन में नशा छोड़ो अभियान चलाया जाएगा । यह अभियान तब तक निरंतर चलेगा, जब तक घरों में खुशियां नहीं लौट जाती ।

यहां बसंत कुमार, पुष्पा देवी, अंजु देवी, चम्पा देवी, ललिता देवी, सुनीता देवी, शहनाज खातून, सोनिया महतो, अनीता देवी, नेहा कुमारी, रुपा देवी आदि उपस्थित थे ।

मेगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

संकटोडिया (ससे): डिजिटल परिवर्तन, तकनीकी नवाचार और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), दुर्गापुर के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के सहयोग से ५०० अधिकारियों के लिए व्यापक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (-ख) एवं मशीन लर्निंग (चङ) प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया है।

कोयला उद्योग में तकनीक-आधारित परिवर्तन के नए युग का सूत्रपात करने वाली यह महत्वाकांक्षी पहल ईसीएल की नवाचार, परिचालन उत्कृष्टता औरसंगठनात्मक आधुनिकीकरण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह कार्यक्रम कोल इंडिया लिमिटेड की उस दूरदर्शी रणनीति के अनुरूप है, जिसके तहत उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के माध्यम से दक्षता, पारदर्शिता और डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन २२ जून २०२६ को ईसीएल के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) केंद्र में श्री गुंजन कुमार सिन्हा, निदेशक (मानव संसाधन), ईसीएल द्वारा किया गया था। यह पहल विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित परियोजनाओं और स्मार्ट निगरानी प्रणालियों को संगठन की कार्यप्रणाली में समाहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी।

प्रशासनिक, परिचालन, वित्तीय, मानव संसाधन एवं तकनीकी क्षेत्रों में एआई एवं एमएल की बढ़ती भूमिका को देखते हुए, ईसीएल ने अपने अधिकारियों को अत्याधुनिक तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और नवोन्मेषी सोच से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस व्यापक क्षमता-विकास अभियान की शुरुआत की है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संगठन में डेटा-संचालित निर्णय-निर्माण, प्रक्रिया अनुकूलन, पूर्वानुमान आधारित विश्लेषण तथा नवाचार की संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

ईसीएल के एचआरडी विभाग एवं एनआईटी दुर्गापुर के विशेषज्ञ संकाय सदस्यों के संयुक्त प्रयास से संचालित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम २२ जून २०२६ से चरणबद्ध तरीके से चल रहा है। इसके अंतर्गत कुल १० प्रशिक्षण बैचों की योजना बनाई गई है, जिनमें प्रत्येक बैच के लिए दो दिवसीय गहन प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे। इनमें से छह बैचों में ईसीएल मुख्यालय, सोदपुर क्षेत्र, बंकोला क्षेत्र, सालानपुर क्षेत्र, एस.पी. माइंस क्षेत्र, राजमहल क्षेत्र तथा सतग्राम-श्रीपुर क्षेत्र के अधिकारी एचआरडी केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। वहीं शेष चार बैचों के अधिकारी, जो सोनेपुर बाजारी, कुनुस्तोरिया, केंदा, पांडवेश्वर, झांझरा तथा काजोरा क्षेत्रों से संबंधित हैं, उन्हें सोनेपुर बाजारी प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित किया जाएगा।

ईसीएल के डिजिटल नेतृत्व को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से ई-८ ग्रेड एवं उससे ऊपर के वरिष्ठ अधिकारियों, जिसमें निदेशकगण तथा अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, ईसीएल भी शामिल हैं, के लिए एक विशेष एकदिवसीय एआई एवं एमएल नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। यह विशेष सत्र ३ जुलाई एवं ६ जुलाई २०२६ को एनआईटी दुर्गापुर में संपन्न होगा। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री गुंजन कुमार सिन्हा, निदेशक (मानव संसाधन), ईसीएल ने कहा कि वर्तमान दौर में तकनीकी परिवर्तन की गति अभूतपूर्व है और ऐसे समय में निरंतर सीखना तथा नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना सफलता की कुंजी बन चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी परिवर्तनकारी तकनीकें ईसीएल की परिचालन दक्षता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने, निर्णय-निर्माण प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा सतत एवं समावेशी विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

इस दूरदर्शी पहल के माध्यम से ईसीएल ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह केवल ऊर्जा उत्पादन में ही नहीं, बल्कि तकनीकी नवाचार, डिजिटल उत्कृष्टता और भविष्य की कार्यसंस्कृति के निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। एआई-सक्षम भविष्य की ओर बढ़ता यह कदम न केवल ईसीएल, बल्कि संपूर्ण कोयला उद्योग के लिए परिवर्तन और प्रगति का एक नया अध्याय लिखने जा रहा है।

भाजपा ने मनाया श्यामा प्रसाद का बलिदान दिवस

डुमरी (ससे): जनसंघ के संस्थापक,महान राष्ट्रवादी चिंतक, प्रखर देशभक्त डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का ४३वां बलिदान दिवस (पुण्यतिथि) मंगलवार को भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल के वनांचल चौक समीप स्थित आवासीय कार्यालय में मनाया गया।

इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने डॉ मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों,राष्ट्रवाद और अखंड भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

विद्यार्थी लोकहित, समाजहित व राष्ट्रहित में करें अपने ज्ञान का उपयोग : उपायुक्त

बोकारो (ससे): आपका ज्ञान और आपकी शिक्षा तभी सार्थक है जब यह लोकहित में काम आए। विद्यार्थी स्वयं पर भरोसा रखते हुए अपनी पढ़ाई पर फोकस करें और अपने ज्ञान का सदुपयोग लोकहित, समाजहित और राष्ट्रहित में करें। १०वीं कक्षा के बाद यही वह समय है, जहां से उन्हें लंबी छलांग लेनी है। ऐसे में अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए केवल अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें।

ये बातें जिले के उपायुक्त अजय नाथ झा (भाप्रसे) ने मंगलवार को दिल्ली पब्लिक (डीपीएस) बोकारो में ११वीं कक्षा के नव-नामांकित विद्यार्थियों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जब आप अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए अपने लक्ष्य व प्रदर्शन पर फोकस करेंगे तो पढ़ाई में तनाव नहीं आएगा। कक्षा १०वीं तक की पढ़ाई आपके लिए ताउम्र काम आएगी। उन्होंने एनसीईआरटी पुस्तकों की भूमिका भी इस दिशा में महत्वपूर्ण बताई।

आज की नौजवान पीढ़ी को नशापान से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि यह ऐसा कदम है, जो आपके पूरे जीवन को बर्बाद कर सकता है और तमाम सपने चूर-चूर हो सकते हैं। कभी-कभी उत्साह दुस्साहस में बदल जाता है। ऐसे में अपना निर्णय एवं उद्देश्य मजबूत रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा - हमारा समय कंप्यूटर से एआई तक आया और आपका जमाना एआई से शुरू हो रहा है। समय के साथ चलें। आगे काफी बदलाव होंगे। मूल्यों को बनाए रखते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और परिश्रम से पढ़ाई पर ध्यान दें। मोबाइल के संतुलित इस्तेमाल पर भी उन्होंने बल दिया। बेटियों को प्रोत्साहित करते हुए उपायुक्त श्री झा ने कहा कि महिलाएं सदैव इतिहास बदलने का हिस्सा रही हैं। कई कुरीतियां टूटी हैं, इसलिए बेटियां अपने-आप को भी बिखरने न दें। आप इतिहास बदलने के लक्ष्य से आगे बढ़ें। उन्होंने डीपीएस बोकारो के छात्र आदित्य मिश्रा के १२वीं बोर्ड में नेशनल टॉपर बनने पर बधाई दी तथा विद्यालय के शैक्षणिक प्रदर्शन की भूरि-भूरि सराहना की।

कार्यक्रम में उपस्थित जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीणा (भापुसे) ने पढ़ाई के मामले में डीपीएस बोकारो के गौरवपूर्ण प्रदर्शन की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य स्वयं तय करने तथा इसके लिए निरंतरता बरकरार रखना की प्रेरणा दी। कहा कि सफलता आपके पास खुद चलकर नहीं आएगी, बल्कि मेहनत के रास्ते आपको सफलता तक पहुंचना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हर बच्चा खास है, सभी में अपनी विशिष्ट प्रतिभा है। कोई अपने-आप को नजरअंदाज न करें। एसपी श्री मीणा ने इस दौरान विद्यार्थियों को पोक्सो एक्ट, साइबर सुरक्षा, मोबाइल के सतर्कतापूर्ण एवं संतुलित उपयोग तथा ट्रैफिक नियमों के अनुपालन से संबंधित बातें भी बताईं।

इस अवसर पर साइकोग्राफिक सोसाइटी, रांची के संस्थापक एवं निदेशक तथा जाने-माने काउंसलर विकास कुमार ने विद्यार्थियों को करियर के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने आईआईटी-जेईई, नीट के साथ-साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं वित्त के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न परीक्षाओं, उनके कट-ऑफ, अहर्ताओं एवं अन्य आवश्यक पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। कहा कि आगामी परीक्षाओं में अच्छे प्रदर्शन के लिए अभी से ही पूरी निष्ठा के साथ लग जाएं। डीपीएस बोकारो की शैक्षणिक गरिमा अपने-आप में ऐतिहासिक रही है और आदित्य मिश्रा की सफलता के साथ एक बार पुनः इतिहास रच गया है। उन्होंने विद्यार्थियों को डीपीएस बोकारो को कल्पवृक्ष के समान बताते हुए इसकी छत्रछाया में अपना करियर संवारने का संदेश दिया।

इसके पूर्व, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों का स्वागत करते हुए छात्र-छात्राओं के समग्र विकास की दिशा में डीपीएस बोकारो के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियां रेखांकित करते हुए इसकी गरिमा बनाए रखने हेतु बच्चों से पूरी ईमानदारी, मेहनत, निष्ठा, अनुशासन व नैतिक मूल्यों के साथ पढ़ाई करने की अपील की। कहा कि ये चीजें ही विद्यार्थियों की असल पूंजी हैं, जो जीवन में उन्हें आगे बढ़ाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल से परहेज करने पर भी बल दिया।

समारोह के दौरान सीबीएसई १२वीं बोर्ड परीक्षा में साइंस स्ट्रीम के नेशनल टॉपर आदित्य मिश्रा को सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंटकर विद्यालय की ओर से समस्त विद्यार्थियों व अभिभावकों के समक्ष सम्मानित किया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

साइबर फ्रॉड व रिटायरमेंट प्लानिंग पर जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद के पेनमैन ऑडिटोरियम में एक्सिस बैंक की ओर से साइबर वित्तीय धोखाधड़ी, रिटायरमेंट फाइनेंशियल प्लानिंग और आधुनिक बैंकिंग सेवाओं पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान के कर्मचारियों और उनके परिजनों को वित्तीय मामलों के प्रति जागरूक बनाना और डिजिटल दौर में सुरक्षित वित्तीय लेनदेन की जानकारी देना था।

कार्यक्रम में आईआईटी-आईएसएम के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा, दीप्ति लेडीज क्लब की अध्यक्ष सकुंतला मिश्रा, उप निदेशक प्रो. धीरज कुमार, डीन (कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) प्रो. रजनी सिंह, डीन (इन्फ्रास्ट्रक्चर) प्रो. अमित राय दीक्षित तथा रजिस्ट्रार प्रबोध पांडेय मौजूद थे।

एक्सिस बैंक की टीम का नेतृत्व सर्किल हेड विपाशा चौधरी ने किया। उनके साथ क्लस्टर हेड मनोज तिवारी, सिटी सेंटर शाखा के ब्रांच हेड नारायण घोष तथा टीएएसी रिलेशनशिप मैनेजर कुँवर प्रताप सिंह भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान बैंक के विशेषज्ञों ने साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों, ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों और उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। सत्र के बाद प्रश्नोत्तर कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने डिजिटल बैंकिंग सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे। एक अन्य सत्र में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से जुड़े कर्मचारियों पर विशेष फोकस करते हुए रिटायरमेंट फाइनेंशियल प्लानिंग की जानकारी दी गई।

वक्ताओं ने दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा, निवेश की रणनीतियों और पेंशन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान एक्सिस फॉरेक्स कार्ड, रुपे क्रेडिट कार्ड और सैलरी अकाउंट से जुड़ी सेवाओं की भी जानकारी दी गई। कर्मचारियों और उनके जीवनसाथियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन सहभागिता सत्र और एक्सिस बैंक द्वारा आयोजित जलपान के साथ हुआ।

हनुमान मंदिर में अखण्ड हरिकीर्तन शुरू

केंदुआ (ससे) : केंदुआपुल स्थित श्रीश्री हनुमान मंदिर में चार दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन २४ घंटा अखण्ड हरिकिर्तन का शुभारंभ हुआ। मंदीर के पुजारी श्रीकांत पांडेय के द्वारा विधिविधान से पूजा अर्चना कर किया। पुजारी श्रीकांत पांडेय ने बताया कि सुबह से २४ घंटे का अखंड हरिकीर्तन शुरू हुआ है। जिसका समापन बुधवार को किया जाएगा। उसके उपरांत भंडारा का आयोजन किया जाएगा। गुरुवार को देवघर की कलाकार पहुंचे झा एंड टीम जागरण का आयोजन होगा। इस अनुष्ठान को सफल बनाने में स्थानीय चालक संघ एवं दुकानदारों का सराहनीय योगदान है।

15 आश्रितों के बीच अनुकंपा नियुक्ति पत्र वितरित

जोड़ापोखर (ससे) : बस्ताकोला क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के तहत कुल १५ आश्रितों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री एस के गायेकवाड के करकमलों द्वारा चयनित आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें कंपनी परिवार का हिस्सा बनने पर शुभकामनाएं दी गई।

महाप्रबंधक ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति योजना का उद्देश्य दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को आर्थिक एवं सामाजिक संबल प्रदान करना है, जिससे उनके परिवारों को कठिन परिस्थितियों में सहायता मिल सके। उन्होंने सभी नव-नियुक्त कर्मियों से ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले आश्रितों एवं उनके परिजनों ने कंपनी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी १५ आश्रितों के चेहरे पर नई आशा एवं उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया तथा उन्होंने कंपनी की प्रगति में योगदान देने का संकल्प लिया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग

कतरास (ससे) : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) बाघमारा प्रखंड समिति की बैठक कतरास स्थित पार्टी कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष धीरेन रवानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बूथ लेवल एजेंट (बीएलए२) की भूमिका और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से अविलंब बीएलए२ फॉर्म जमा करने का आग्रह किया गया। बैठक के दौरान राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में झारखंड आंदोलन के महानायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। कार्यकर्ताओं ने इसके लिए भारत सरकार का आभार जताया। वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन ने आदिवासी समाज के अधिकारों, सामाजिक न्याय तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया और उनके योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। इस अवसर पर झामुमो के वरिष्ठ नेता रतिलाल टुडू ने कहा कि पद्म भूषण सम्मान मिलने से पूरे झारखंड में खुशी का माहौल है, लेकिन राज्य की जनता और शिबू सोरेन को चाहने वाले लोग उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग लंबे समय से करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन और समाज के प्रति उनके असाधारण योगदान को देखते हुए भारत सरकार को उन्हें भारत रत्न प्रदान करना चाहिए। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई। मौके पर प्रफुल्ल मंडल, रौनक सिन्हा, वकील अंसारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिंदरी विधायक के हड़का जाम के आगे झुका डीवीसी प्रबंधन

सिंदरी (ससे) : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन (भाकपा माले) सिंदरी नगर कमेटी एवं बलियापुर कमिटी के द्वारा पाथरडीह स्थित १३२ केवी डीवीसी ग्रिड सबस्टेशन पर आयोजित एकदिवसीय हुड़का जाम और धरनाप्रदर्शन ऐतिहासिक रहा। स्थानीय लोकप्रिय विधायक चंद्रदेव महतो एवं भाकपा माले के नेतृत्व में जुटे हजारों ग्रामीणों के भारी आक्रोश के आगे आखिरकार डीवीसी प्रबंधन को झुकना पड़ा। विधायक और पार्टी के नेतृत्व में उमड़ा जनसैलाब डीवीसी प्रबंधन की मनमानी और अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ पार्टी के आह्वान पर हजारों की संख्या में वामपंथी कार्यकर्ता, कॉम. साथी और आम ग्रामीण सबस्टेशन पर एकत्रित हुए।

आंदोलनकारियों के भारी हुजूम और जोरदार नारेबाजी को देखकर प्रबंधन में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीवीसी प्रबंधन ने तत्काल सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो से हस्तक्षेप करने और वार्ता की मेज पर आने का आग्रह किया।

विधायक चंद्रदेव महतो के नेतृत्व में डीवीसी प्रबंधन व स्थानीय प्रशासन के साथ वार्ता करने गए मुख्य प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से भाकपा माले के नगर सचिव राजीव मुखर्जी, विधायक प्रतिनिधि देवाशीष पांडे, विधायक प्रतिनिधि सह मीडिया प्रभारी शीतल दत्ता, विधायक प्रतिनिधि हीरालाल मोदक, मुखिया प्रतिनिधि सुनील महतो, प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक, मुखिया राजाराम रजक, जीतू सिंह शामिल थे। स्थानीय प्रशासन की ओर से पुलिस अधिकारी शंभुनाथ सिंह और डीवीसी के मुख्य प्रबंधक अमित चौधरी की मौजूदगी में हुई यह त्रिपक्षीय वार्ता पूरी तरह सफल रही। भाकपा माले के सिंदरी नगर सचिव राजीव मुखर्जी द्वारा सौंपे गए आधिकारिक पत्र पर प्रबंधन ने रिसीव्ड की मुहर लगाकर सभी मांगों पर शत-प्रतिशत अमल करने का लिखित भरोसा दिया।

बिजली कटौती पर तत्काल रोक, जनहित की समस्याओं को देखते हुए आगामी दो महीने (१७ सितंबर तक) मेंटेनेंस के नाम पर होने वाली हर तरह की बिजली कटौती पूर्ण रूप से बंद रहेगी। बिजली से जुड़े सभी विभिन्न मुद्दों और स्थानीय समस्याओं के समाधान पर डीवीसी प्रबंधन ने सकारात्मक पहल करने का वादा किया है। इस विशाल आंदोलन और हुड़का जाम को जमीन पर सफल बनाने में मुख्य रूप से मंगल महतो, विमल रवानी, बिरिंची महतो, शुभम सिंह, रोहित महतो सहित हजारों कार्यकर्ताओं ने सक्रिय योगदान दिया। विधायक चंद्रदेव महतो और भाकपा माले सिंदरी कमिटी ने इस ऐतिहासिक जीत को क्षेत्र की जनता की एकजुटता की जीत बताया है और सभी आंदोलनकारियों का आभार व्यक्त किया है।

पैरा मेडिकल व अन्य कर्मियों की नियुक्ति सूची प्रकाशित

धनबाद (कासं) : जिला स्वास्थ्य समिति के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत संविदा के आधार पर पैरा चिकित्सा एवं अन्य कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। प्राप्त सभी आवेदनों की कंप्यूटर प्रविष्टि एवं गठित समिति द्वारा स्क्रूटनी की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसके बाद योग्य एवं शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों की सूची जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट तथा सिविल सर्जन कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्रकाशित की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने बताया कि अभ्यर्थी सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

यदि किसी अभ्यर्थी को सूची में दर्ज विवरणों को लेकर कोई आपत्ति या संशोधन कराना है, तो वे संबंधित प्रमाण पत्रों एवं प्रतिवेदन के साथ अपना आवेदन सिविल सर्जन कार्यालय, धनबाद में जमा कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपत्तियां जमा करने की अंतिम तिथि २ जुलाई शाम ५ बजे निर्धारित की गई है। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त किसी भी आवेदन या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। सिविल सर्जन ने विशेष रूप से एएनएम एवं स्टाफ नर्स (एसएन) पद के अभ्यर्थियों को निर्देश दिया है कि यदि उन्होंने नर्सिंग प्रशिक्षण के दोनों वर्षों तथा एसएन पद के लिए आवश्यक तीन वर्षों के प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जमा नहीं किए हैं, तो वे अपने सभी आवश्यक प्रमाण पत्रों की प्रतियां अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

जिला स्वास्थ्य समिति ने सभी अभ्यर्थियों से समय रहते सूची का अवलोकन करने तथा आवश्यक होने पर निर्धारित अवधि के भीतर अपनी आपत्तियां दर्ज कराने की अपील की है, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से अंतिम रूप दिया जा सके।

बीएलओ व पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण संपन्न

धनबाद (कासं) : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ३० जून से प्रारंभ होने वाले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से धनबाद जिला के सभी विधानसभा क्षेत्रों में ईआरओएस एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों द्वारा बूथ लेवल ऑफिसर एवं सुपरवाइजरों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, समयसीमा, प्रपत्रों के संधारण, घरघर सत्यापन तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई। बीएलओ प्रशिक्षण में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत ३० से २९ जुलाई के दौरान प्रत्येक मतदाता का सत्यापन गणना प्रपत्र के माध्यम से किया जाएगा।

सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में घरघर जाकर मतदाताओं से संपर्क स्थापित करेंगे तथा पूर्व मुद्रित गणना प्रपत्रों की वितरण करेंगे। तत्पश्चात मतदाता द्वारा भरा हुआ ईएफ को इसी अवधि में वापस संग्रहण ईएफ गणना प्रपत्र एक बार ही दिया जाएगा कृपया इसमें त्रुटि न करे न ही इसे खराब करें। सभी को निर्देश दिया गया कि प्राप्त गणना प्रपत्रों का समुचित संधारण करें तथा प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं। सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं। जिला प्रशासन ने मतदाताओं से भी अपील की है कि वे बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करें ताकि पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

धनबाद पुलिस ने पासपोर्ट सत्यापन में लाई तेजी

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस आम नागरिकों को समय पर पासपोर्ट उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले के सभी थाना एवं ओपी क्षेत्रों में पासपोर्ट सत्यापन कार्य को प्राथमिकता देते हुए तेजी से निष्पादित किया जा रहा है। मई माह के दौरान धनबाद पुलिस को पासपोर्ट सत्यापन से संबंधित कुल १९४८ आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से ११५२ आवेदनों का सफलतापूर्वक सत्यापन कर निष्पादन किया गया, जबकि ७९६ आवेदन विभिन्न कारणों से लंबित रहे। लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित थाना प्रभारियों एवं जांच पदाधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए हैं, ताकि सत्यापन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो।एसएसपी प्रभात कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि पासपोर्ट सत्यापन कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। इसके लिए सभी पुलिस पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित भौतिक सत्यापन कर निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया है। साथ ही लंबित मामलों की नियमित समीक्षा भी की जा रही है।धनबाद पुलिस का उद्देश्य है कि नागरिकों को पासपोर्ट सत्यापन के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े और उन्हें समय पर पुलिस सत्यापन रिपोर्ट उपलब्ध हो सके। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पूरे जिले में सत्यापन कार्य को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है तथा लंबित आवेदनों का जल्द से जल्द निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

धनबाद ननि व बैंक मोड़ चैंबर के संयुक्त कैम्प में किया 2.77 लाख राजस्व संग्रह

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम एवं बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विशेष राजस्व संग्रहण शिविर में नागरिकों और व्यवसायियों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। शिविर के दौरान ट्रेड लाइसेंस, होल्डिंग टैक्स एवं वाटर टैक्स मद में कुल २.७७ लाख का राजस्व संग्रह किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेड लाइसेंस से ६५,९४०, होल्डिंग टैक्स से १,९१,१२४ तथा वाटर टैक्स से २०,५०८ की राशि जमा हुई। हालांकि, कई आवेदकों के ट्रेड लाइसेंस और होल्डिंग टैक्स का नवीनीकरण तकनीकी त्रुटियों, होल्डिंग नंबर संबंधी समस्याओं तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग जुमिने के कारण नहीं हो सका। शिविर के दौरान करीब ४० आवेदन निगम की टीम द्वारा प्राप्त किए गए, जिनमें मौजूद त्रुटियों को सुधारकर जल्द ही जमा कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चैंबर के पदाधिकारियों ने बताया कि कुछ अव्यावहारिक नियमों और तकनीकी खामियों के कारण अब भी ट्रेड लाइसेंस एवं होल्डिंग टैक्स जमा करने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नगर आयुक्त द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुरूप इन समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा, जिससे नागरिकों को सुविधा मिलेगी और निगम के राजस्व में भी वृद्धि होगी। साथ ही जानकारी दी गई कि अगले सप्ताह पुनः इसी प्रकार का शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नगर निगम की ओर से विशाल सिन्हा, संदीप सोनी, उदय पांडे, अशोक यादव, प्रीतेश कुमार, नारायण साव एवं सुल्तान उपस्थित रहे। वहीं बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से अध्यक्ष प्रमोद गोयल, सचिव लोकेश अग्रवाल, सुरेन्द्र अरोड़ा, सुदर्शन जोशी, प्रभात सुरोलिया, संदीप मुखर्जी, विकास पटवारी, नीरज अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया।

बीसीसीएल प्रोजेक्ट स्कूलों में क्लीन एंड ग्रीन इंडिया विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता

धनबाद (कासं) : कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बीसीसीएल में १६ से ३० जून तक आयोजित किए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा' के तहत आज कंपनी के विभिन्न परियोजना विद्यालयों (प्रोजेक्ट स्कूलों) में 'क्लीन एंड ग्रीन इंडिया' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा जल एवं ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से स्वच्छ भारत के संदेश को प्रसारित करना था।

मुख्य कार्यक्रम बीसीसीएल वेलफेयर विभाग के सौजन्य से डीएवी स्कूल, कोयला नगर में आयोजित हुआ, जिसमें नर्सरी से कक्षा १२ तक के लगभग ३०० विद्यार्थियों ने छह समूहों में भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती डोलन चंपा बनर्जी, महाप्रबंधक (श्रमशक्ति नियोजन) अर्पण घोष, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) शोभा जे. कुजूर, विभागाध्यक्ष (कल्याण) किरण रानी नायक सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं बीसीसीएल के अधिकारीकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी समूहों के विजेता प्रतिभागियों को बीसीसीएल अधिकारियों ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

इसी क्रम में डीएवी लोदना, डीएवी दुग्दा (वाशरी डिवीजन), डीएवी अलकुसा (पीबी क्षेत्र) तथा पीसीएमएस संस्कृति विद्या मंदिर, डिगवाडीह (पूर्वी झरिया क्षेत्र) सहित कंपनी के अन्य परियोजना विद्यालयों में भी चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वच्छता, हरित राष्ट्र, जल एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रस्तुति अभिव्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान संबंधित क्षेत्रों के अधिकारियों, विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल में १६ जून से प्रारंभ 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत अब तक स्वच्छता शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम, चिकित्सालयों में विशेष स्वच्छता अभियान, तालाबों, जल स्रोतों एवं कॉलोनियों की साफसफाई, झाड़ियों एवं अनावश्यक वनस्पतियों की कटाई, वर्षा जल संचयन प्रणालियों का निरीक्षण, सिग्नेचर अभियान तथा सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान जैसी विभिन्न गतिविधियां सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं। इसी क्रम में आज कंपनी के प्रोजेक्ट स्कूलों में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी की भावना को सुदृढ़ किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आगामी दिनों में स्वच्छता प्रशिक्षण कार्यशाला, पौधारोपण अभियान, साइबर स्वच्छता जागरूकता सत्र, स्वच्छता रैली तथा धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल

बलियापुर (ससे) : पतलाबाड़ी रोड पर दुधिया पेट्रोल पंप के पास शाम दो बाइकों के बीच हुई टक्कर में दोनों बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त होकर बुरी तरह घायल हो गए। अगलबगल के लोगों ने दोनों को उठाकर बलियापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने धनबाद ने दोनों घायलों को धनबाद रेफर कर दिया। दुर्घटना में घायल दोनों युवकों को रेफर किए जाने के दौरान स्वास्थ्य केंद्र में कोई वाहन मौके पर उपलब्ध नहीं होने से घायलों के साथ आए लोगों ने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में काफी हो हंगामा किया। इस दौरान मरीज की ओर से लोगों ने प्राइवेट वाहन बुलाकर दोनों को धनबाद भेजा गया। मौके पर स्वास्थ्य केंद्र में कोई वाहन उपलब्ध नहीं होने से लोगों में काफी रोष देखा गया। दोनों घायल बाइक सवारों में दुधिया निवासी २० वर्षीय अमित सहिस एवं सालुकचौपड़ा गांव का सुमित योगी है। दोनों की हालत गंभीर बताई जाती है।

संविदा पर नियुक्त 32 कर्मियों का स्थानांतरण

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सश्री राज ने मनरेगा अधिनियम, २००५ के अन्तर्गत संविदा के आधार पर नियुक्त एवं विभिन्न प्रखण्डों में कार्यरत १७ प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, १ तकनीकी सहायक (सहायक अभियंता के समकक्ष), ४ तकनीकी सहायक (कनीय अभियंता के समकक्ष), ६ लेखा सहायक एवं ४ कम्प्यूटर सहायक सहित ३२ कर्मियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण किया है। उन्होंने एगारकुंड, बाघमारा, धनबाद, निरसा, बलियापुर, कलियासोल, गोविंदपुर, तोपचांची, टुंडी एवं पूर्वी टुंडी के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, गोविंदपुर, टुंडी, कलियासोल, तोपचांची, बाघमारा एवं निरसा के लेखा सहायक, एगारकुंड, धनबाद, बलियापुर एवं बाघमारा के तकनीकी सहायक (कनीय अभियंता के समकक्ष), तोपचांची, बलियापुर, बाघमारा एवं कलियासोल के कंप्यूटर सहायक तथा पूर्वी टुंडी के तकनीकी सहायक (सहायक अभियंता के समकक्ष) का अन्य प्रखंड में स्थानांतरण किया है।

दो गुटों की मारपीट में कई घायल

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के पहला नम्बर बस्ती में सोमवार की देर शाम को मोटरसाइकिल से कीचड़ का छिटा पड़ने के मामूली विवाद को लेकर क्षेत्र के दो दबंग गुट बेलाल खान एवं लड्डन खान के समर्थकों में पुरानी रंजिश में जमकर मारपीट की घटना हो गई, जिसमें दोनों पक्ष से लगभग पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। घटना के दौरान घटनास्थल एवं थाना परिसर में भी दोनों पक्षों के बीच पुलिस के सामने मारपीट की घटना होने के बाद मामले को नियंत्रण करने को पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इस दौरान पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। घटना के बाद से क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच व्याप्त तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पुलिस बल को तैनात किया गया है। हालांकि थाना प्रभारी की तत्परता के चलते क्षेत्र में एक बड़ी घटना टल गई है।

मालूम हो कि लोजपा नेता बेलाल खान एवं रघुकुल समर्थक लड्डन खान के बीच वर्षों से पुरानी रंजिश है। दोनों गुटों के बीच कई बार मारपीट तथा गोली बारी की घटना हो चुकी है। इसी क्रम में शाम को बेलाल के रिश्तेदार सलमान खान का दोस्त हरप्रीत सिंह बारिश के बाद सलमान के घर से अपने मोटरसाइकिल से जा रहा था। इस दौरान लड्डन के समर्थक जुबैर अंसारी अपने घर के पास खड़ा था तभी हरप्रीत कीचड़युक्त पानी से बचने के लिए अपनी मोटरसाइकिल को जुबैर में सटाकर पार करने पर जुबैर ने हरप्रीत के हरकतों का विरोध किया।

तभी जुबैर और हरप्रीत में गाली गलौज होने लगी, जिसे सुनकर हरप्रीत सिंह का दोस्त सलमान एवं उसका चाचा पप्पू खान मौके पर पहुंचा, जिसे देखकर बेलाल का धुर विरोधी लड्डन खान एवं जुबैर का भाई फिरोज अंसारी भी अपने भाइयों के साथ घटनास्थल पर पहुंचा। दोनों पक्षों के बीच बहसा बहसी होते होते मारपीट होने लगी। इस क्रम में घटना की सूचना पर बेलाल खान के आधा दर्जन भाई बंधु के पहुंचने के बाद दोनों गुटों की ओर से जमकर लाठी डंडा, तलवार, रॉड का एक दूसरे पर खुलकर प्रयोग करते हुए मारपीट की घटना होने लगी। इसी बीच घटनास्थल से कुछ दूरी पर मुहर्रम को लेकर क्षेत्र में गश्ती कर रहे थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण करने में जुटे, मगर दोनों गुटों की दबंगई के आगे प्रभारी बेबस हो गई। तभी प्रभारी ने थाना से पुलिस बल को बुलाया जिसके बाद घटना को नियंत्रण में किया और दोनों पक्षों को थाना लाया। ज्ञात हो कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश इतनी गहरी है कि दोनों गुट थाने में ही पुलिस के सामने ही भीड़ गए जिससे थाना परिसर में भगदड़ मच गई।

तभी प्रभारी तथा पुलिस कर्मियों ने हल्का बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रण में कर सलमान के पिता मनौव्वर अंसारी, लड्डन खान एवं फिरोज अंसारी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मारपीट की घटना में बेलाल के रिश्तेदार सलमान खान का सर फट गया है जिसे एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जबकि हरप्रीत सिंह को आंशिक चोटें लगी है। वही घटना में लड्डन खान, फिरोज अंसार, अनीस खान भी गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसे पुलिस हिरासत में चासनाला अस्पताल में इलाज के बाद उसे भी एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया गया है मगर पुलिस थाने में लकून और फिरोज से हिरासत में लेकर गंभीरता से पूछताछ कर रही है। मामले को लेकर हरप्रीत सिंह ने लड्डन खान, जुबैर अंसारी, मोनू अंसारी, सजूबा खान, मो बोना व अन्य पर बेवजह मारपीट करने तथा मारपीट के क्रम में आरोपियों द्वारा सरदार को सबक सिखाने की बात करते हुए उसके पगड़ी नोच कर फेंकने एवं दाढ़ी नोचने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कड़ी कार्रवाई करने की मांग किया है। वही दूसरे पक्ष के लड्डन खान एवं जुबैर की ओर से समाचार लिखे जाने तक लिखित शिकायत नहीं की गई है। घटना को लेकर थाना प्रभारी ने धनबाद से अतिरिक्त पुलिस बल मंगाकर क्षेत्र में सघनता से गश्ती कर रही है।

सत्यम भारद्वाज गोविन्दपुर अंचल निरीक्षक का पदभार संभाला

गोविंदपुर (ससे) : झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देश पर कुमार सत्यम भारद्वाज ने गोविंदपुर अंचल निरीक्षक का पदभार फिर से संभाला। लातेहार जिला के बालूमाथ अंचल में पदस्थापन के दौरान एक मामले में भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग ने विगत २४ फरवरी २०२६ को विभागीय कार्रवाई करते हुए उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी थी। श्री भारद्वाज ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपी को गलत ठहराते हुए झारखंड उच्च न्यायालय में विभागीय आदेश को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने इस मामले पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए विभाग के आदेश को निरस्त कर दिया और उन्हें पुनः पदस्थापित होने का आदेश जारी कर दिया।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा गया है कि श्री भारद्वाज को बिना प्रमाण दंडित किया गया और विभाग द्वारा उन्हें तंग किया गया। उन पर लगे आरोपों पर किसी से गवाही नहीं ली गई थी। कोर्ट के आदेश के बाद श्री भारद्वाज गोविंदपुर अंचल कार्यालय पहुंचे और अंचल निरीक्षक का पदभार संभाला. अंचल कार्यालय के प्रधान सहायक उपेंद्र कुमार, अंचल कर्मियों और राजस्व उपनिरीक्षकों ने श्री भारद्वाज का स्वागत किया।

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनी

झरिया (ससे) : भारतीय जनता पार्टी झरिया नगर अध्यक्ष अवधेश साव अध्यक्षता में चार नम्बर फतेहपुर लेन में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी बलिदान दिवस मनाया गया। डॉ. मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए समर्पित रहा। एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उनका संकल्प आज भी प्रत्येक देशवासी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा देता है।

उनकी देशभक्ति, त्याग और अटल संकल्प हम सब भाजपा कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा स्रोत है। प्रखर राष्ट्रवादी, महान शिक्षाविद, स्वतंत्र भारत के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म ६ जुलाई १९०१ को कोलकाता में हुआ था। वे कम आयु में ही शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध हो गए और ३३ वर्ष की आयु में यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता के सबसे युवा कुलपति बने। स्वतंत्रता के बाद वे भारत सरकार के प्रथम मंत्रिमंडल में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री रहे, लेकिन राष्ट्रीय मुद्दों पर मतभेद के चलते उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

वर्ष १९५१ में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसने आगे चलकर भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया।

१९५३ में जम्मू-कश्मीर में प्रवेश के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। नजरबंदी के दौरान २३ जून १९५३ को रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया।

उनके समर्थक इसे राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान मानते हैं। डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा, शिक्षा, सांस्कृतिक चेतना और उनके विचार और आदर्श आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरित करते हैं। उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। उन्हें शत-शत नमन। कार्यक्रम में शामिल हुए थे हरीश जोशी, राजकुमार अग्रवाल, श्याम सुंदर स्वर्णकार, अरिंदम बनर्जी, शरण राम चंद्रवंशी, संजय वर्मा, राजा सिंह, अजय वर्मा, विशाल जायसवाल आदि सैकड़ों लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित की।

बलियापुर (ससे) : पहाड़पुर में पूर्व विधायक इन्द्रजीत महतो के आवास में मंगलवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनायी गयी। मौके पर भाजपा नेत्री तारा देवी, भाजपा जिला मंत्री डॉ निशि महतो, मुखिया दिलीप कुमार महतो आदि मौजूद थे।

भाजपा पूर्वी मंडल कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनायी गयी। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष डॉ विद्युत चक्रवर्ती ने किया।

मौके पर भाजपा भाजपा नेत्री तारा देवी, पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, जिला महामंत्री आशीष मुखर्जी, मंडल अध्यक्ष सुनील मोदक, रामदेव पांडेय, मुखिया उत्तम चौबे, खगेन पांडेय,बिनय मुखर्जी, राजेश मुखर्जी, गोउर मंडल, श्रीराम गोराई, गौरांग मंडल, गौतम चौबे, पूरन मिश्रा, गुहीराम पाल, दीपक गोप, पिंटू मंडल, चंडी चरण पांडेय, जय बनर्जी, रमेश रजवार आदि थे।

पूजा देवी जियलगढ़ा ग्राम पंचायत की मुखिया बनी

गोविंदपुर (ससे) : जिला पंचायती राज पदाधिकारी के निर्देश पर पूजा देवी गोविंदपुर प्रखंड के जियलगढ़ा ग्राम पंचायत की नई मुखिया बनी है। गोविंदपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी जहीर आलम ने पूजा देवी को जियलगढ़ा ग्राम पंचायत के मुखिया पद की जिम्मेदारी सौंपी। सहायक आचार्य पद पर नियुक्ति के पहले मुखिया रेशम कुमारी ने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को त्यागपत्र सौंप दिया था। इसके बाद पंचायत में मुखिया का पद रिक्त था।

झारखंड पंचायती राज अधिनियम के तहत उपायुक्त के अनुमोदन के बाद जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने उप मुखिया पूजा देवी को मुखिया पद की सभी शक्तियों, सभी कार्यों के निष्पादन एवं सभी कर्तव्यों के निर्वहन की जिम्मेदारी सौंपी। मुखिया के प्रभार लेने के दौरान प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह, पूर्व प्रमुख डीएन सिंह, पूर्व मुखिया सुभाष गिरि, शिवपूजन गोप, गौतम गोप, अशोक भारती, काली गोप, कीरिटी भूषण गोप, सदाशिव भारती आदि शामिल थे। प्रमुख एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आशा जताई कि बीए बीएड योग्यताधारी मुखिया पूजा देवी अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगी और पंचायत का विकास होगा।

नशा मुक्ति को ले संगोष्ठी का आयोजन

बलियापुर (ससे) : पर्जन्य बीएड कॉलेज पहाड़पुर, बलियापुर में नशामुक्त युवा, सशक्त भारत शीर्षक पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठि का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डा० सजल बनर्जी के द्वारा किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने युवा वर्ग से नशा से दूर रहने की अपील की। जिससे हमारा देश सशक्त एवं प्रगतिशील बना रहे। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के सभी शिक्षक गण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

हुचुकटांड़ से मोहर्रम का पेक निकला

बलियापुर (ससे) : मुहर्रम का त्योहार को ले ब्राह्मणडीहा टोला हुचुकटांड़ में मुहर्रम कमिटी की ओर से इमाम बाड़ा से पेक निकला गया। गांव में भ्रमण के लिए विभिन्न इलाकों के निकला। मौके पर अध्यक्ष मो इदु अंसारी,सचिव मो मोहसिन अंसारी आदि शामिल थे।

एसएसपी के निर्देश पर चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया।

इस दौरान कुल ११७८ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया। इसके साथ ही चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई और उनकी पहचान का सत्यापन किया गया। एसएसपी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर नियंत्रण रखना, असामाजिक तत्वों पर नजर रखना और आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे जांच के दौरान पुलिस का सहयोग करें और सभी आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के एंटी क्राइम चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन समाप्त

नावाडीह (बेरमो) : नावाडीह थाना क्षेत्र में बढ़ती चोरी एवं आपराधिक घटनाओं के विरोध में जेएलकेएम नावाडीह प्रखंड कमेटी की ओर से थाना के समीप दिए जा रहे अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन के दूसरे दिन डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो पहुंचे और प्रखंड अध्यक्ष देवनारायण महतो, विधायक प्रतिनिधि संदीप झारखंडी, सुंदर महतो, कैलाश महतो, गणेश प्रसाद महतो,रंजीत महतो, दौलत महतो, चेतलाल महतो, हरेंद्र महतो, मनोज महतो एवं अलकमा शिबली आदि से पूरी जानकारी ली । बाद में बेरमो सर्किल के पुलिस इंस्पेक्टर अरविंद कुमार, नावाडीह थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी भी पहुंचे और धरना में शामिल लोगों से डुमरी विधायक के समक्ष वार्ता की । यहां धरना दे रहे लोगों ने क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी, असुरक्षा और आम जनता की परेशानियों को मजबूती से रखा।

झारखंड एकाडेमी स्कूल में सम्मान समारोह

बलियापुर (ससे) : करमाटांड़ स्थित झारखंड एकाडमी स्कूल में इस मैट्रिक की परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में स्कूल प्रांगण में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र अनिकेत कुमार, षिका कुमारी, अनोखा कुमारी, आशा कुमारी, मानस रंजन, पायल कुंभकार, पिंकी कुमारी, काजल कुमारी आदि को सम्मानित किया गया।

मौके पर स्कूल के प्राचार्य पिंटू सिंह ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। समारोह में शिक्षक संजय कुमार मंडल, अमरजीत वर्मा, सुरेश चन्द्र मंडल, सुनील मुखर्जी, सोनम कुमारी, सुरेन्द्र पासवान, चांदनी वर्मा आदि थे।

रामकनाली ओपी में शांति समिति की बैठक

कतरास (ससे) : स्थित रामकनाली ओपी परिसर में मोहर्रम को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। ओपी प्रभारी अलीशा अग्रवाल ने जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने, तय रूट से ही जुलूस निकालने, डीजे पर प्रतिबंध तथा सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट से बचने की अपील की। बैठक में शांति समिति, अखाड़ा समिति के सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, बोकारो

वाहनों की आवाजाही के लिए क्षतिग्रस्त पथ को बन्द करने की अत्यावश्यक सूचना

एतद् द्वारा आम जनता, परिवहन ऑपरेटरों, चालको और सभी संबंधित लोगो को सूचित किया जाता है कि चन्द्रपुरा–भण्डारीडीह–फुसरो रेलवे क्रॉसिंग नं0 4 – कथारा – गोमिया पथ के 14वें कि0मी0 में पथ के समीप भूमिगत कोयला खदान में लगी आग के कारण पथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त और आंशिक रुप से ढ़ह गया है। उक्त सड़क पर सभी प्रकार के वाहनों के असुरक्षित आवागमन को देखते हुए तत्काल प्रभाव से इस पथ पर वाहनों के परिचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाती है।

सभी वाहन मालिको, ट्रांसपोर्टरो और यात्रियों को सलाह दी जाती है कि जब तक क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मति नहीं हो जाती और इसे यातायात के लिए सुरक्षित घोषित नहीं किया जाता, तब तक वे आवागमन और यात्रा के लिए तय "वैकल्पिक मार्गो यात्री वाहनों के लिए फुसरो बाजार होते हुए कथारा – गोमिया मार्ग तथा भारी मालवाहक वाहनों के लिए पिलपिलो मोड़–पलामू–सारुबेड़ा मार्ग होते हुए डुमरी जैनामोड़ मार्ग" का इस्तेमाल करे।

असुविधा के लिए खेद है। सुरक्षा के हित मे आम जनता और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरो से इस प्रतिबंध का पालन करने में सहयोग का अनुरोध किया जाता है।

आदेशानुसार
कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, बोकारो

PR 383025 Road (26-27)_D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना अल्पकालिन
(प्रथम आमंत्रण)

ई–निविदा सूचना संख्या - (धनबाद) 06/2026-27 तिथि – 20.06.2026

1	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	:-	02-07.2026 समय 04.00 बजे अपराहन् तक
2	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	:-	17-07.2026 समय 04.00 बजे अपराहन् तक
3	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस, झारखंड मंत्रालय के ज्ञापांक–120 दिनांक–03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन का राशि ऑनलाईन जमा करने का अंतिम तिथि एवं समय	:-	18-07.2026 समय 04.00 बजे अपराहन् तक
4	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	:-	18-07.2026 समय 04:00 बजे अपराहन्
5	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	:-	अधीक्षण अभियंता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता यांत्रिक अंचल, दुमका।
6	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम	:-	ई0 मयंक कुमार भगत, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता यांत्रिक प्रमंडल, धनबाद।
7	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0	:-	0326-2308988
8	ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0	:-	0651-480345

	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Rural Water Supply Scheme with 1.0 HP DC Solar motor pump complete set & HYDT of 200/165mm Dia, 180 mtrs depth with 5 Years OM in Patlabari village Beech Tola Kaliasol Block to supply water 2000LPH at least 15/30 year for 24 x 7 supply under D.W. & S. Mechanical Division Dhanbad	10,89,723.00	22,000.00	2,500.00	05 वर्ष

नोट – केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
उपरोक्त किसी तिथि को अवकाश घोषित होने पर अगले कार्य दिवस की तिथि को माना जायेगा।
ऐसे संवेदक जिन्हें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड सरकार का निबंधन प्राप्त नहीं है वे भी निविदा में भाग ले सकते है बशर्ते कि वैसे सफल निविदादाता को एकरारनामा के पूर्व पेयजल एवं स्वच्छता विभाग,झारखण्ड, में निबंधन पत्र प्राप्त कर लेना होगा।
निविदा की सूचना तथा नियम शर्ते की जानकारी प्रमंडलीय तथा अंचल कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा की जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtender.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वचछता यांत्रिक प्रमंडल,धनबाद

PR 383041 Drinking Water and Sanitation(26-27).D

Government of Jharkhand
Urban Development and Housing Department
Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

e-Procurement Re Tender Notice No. DMC/18/2026-27

NIT No.- DMC/18/2026-27 Date :- 23.06.2026

1.	Name of the work	Rejuvenation of Ranibandh Talab Under DMC, Dhanbad
2.	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 4,16,37,000.00
3.	Tender Fee and Bid Security	Tender document fee: - INR 10,000/- (Ten Thousand Only) Non-Refundable. Bid Security: Rs 416370.00 (Rupees Four Lakh Sixteen Thousand Three Hundred & Seventy Only).
4.	Time of Completion	330 Days
5.	Date / Time of Publication of Tender on Website	27.06.2026 at 03:00 PM
6.	Start Date of Submission of Bids	27.06.2026 at 03:00 PM
7.	Last Date / Time for receipt of bids Online	17.07.2026 (On line) till 03:00 PM
8.	Date and Time of Technical Bid Opening Online.	18.07.2026 (On line) from 03:00 PM
9.	Name & address of office Inviting tender	Chief Executive Officer, Dhanbad Municipal corporation,Dhanbad.
10.	Helpline number of e-Procurement cell	8986892064
11.	e-mail id	dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

NOTE:- (i) Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://www.jharkhandtenders.gov.in.
(ii) Contractor should be registered in Class (I) First class as per NIT
(iii) Estimated Cost / Quantity May Vary
(iv) Any Change/Information can be seen on Website on http://www.jharkhandtenders.gov.in

S/d-
Executive Engineer,
Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

PR 383078 (Urban Development and Housing) 26-27 (D)

जिला परिषद, धनबाद

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–14/2026-27/DE/ZPDH/DHANBAD
मद : 15वें वित्त आयोग (आबद्ध) निधि

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
1	तोपचाँची	दुमदुमी पंचायत वार्ड सं0 8 हनुमान मन्दिर के बगल पुराने बोरिंग में सोलर जलमीनार का अधिष्ठापन (2) पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुमदुमी में वाटर कूलर का अधिष्ठापन (3) टीएपी हाई स्कूल में वाटर कूलर का अधिष्ठापन (4) उत्क्रमित उच्च विद्यालय खारियो में वाटर कूलर का अधिष्ठापन (5) कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में वाटर कूलर का अधिष्ठापन (6) तोपचांची थाना परिसर में वाटर कूलर का अधिष्ठापन (7)तोपचांची झील स्थित सार्वजनिक शौचालय के समीप वाटर कूलर का अधिष्ठापन (8) ग्राम पंचयात दुमदुमी के छोटकी नाला में चेक डेम का निर्माण एवं नाला की सफाई	1434300	2500	B.O.Q. का 2%	3 माह
2	गोविन्दपुर	गोविन्दपुर पूर्वी पंचायत अन्तर्गत राजेश (प्रेस) के घर से नहर तक 200 फीट नाली निर्माण	343200	750	B.O.Q. का 2%	3 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक 27-06-2026
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 06-07-2026 को 5 P.M. बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक 08-07-2026 को 3:00 P.M. बजे।
4. केवल ई–निविदा (E-Tender) ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या– 9431396945
7. जिला परिषद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिषद, धनबाद।

PR 383034 (Rural Development) 26-27 (D)

कितने भरत तिवारी को मारोगे, न्याय मिलने तक जारी रहेगा आंदोलन : सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता

भोजपुर (एर्जेसी) : भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में अब सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल मिश्रा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कितने भरत तिवारी को मारोगे, न्याय मिलने तक जारी रहेगा आंदोलन।

आज अधिवक्ता अनिल मिश्रा अपने सहयोगियों के साथ भरत तिवारी के गांव बिलौटी पहुंचे और उनके परिजनों से मिले। इस दौरान परिजनों से मुलाकात कर उन्होंने इस घटना को क्लियर कट हत्या करार दिया। साथ ही पुलिस-प्रशासन और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए है।

अधिवक्ता ने कहा कि घटनास्थल और उपलब्ध परिस्थितियों को देखने से यह मामला पुलिस मुठभेड़ नहीं, बल्कि कानून के खुले उल्लंघन का प्रतीत होता है।

वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल मिश्रा ने मांग की कि एनकाउंटर में शामिल सभी पुलिसकर्मियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए और उसके बाद ही निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन दोषी पुलिसकर्मियों को बचाने की कोशिश कर रहा है। स्थानीय पुलिस अपने स्तर पर इतनी बड़ी कार्रवाई नहीं कर सकती थी, बल्कि यह किसी उच्च स्तर के निर्देश पर की गई घटना प्रतीत होती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भरत तिवारी को पहले वाहन में बैठाया गया और फिर बेहद करीब से गोली मारकर उनकी हत्या की गई।

उन्होंने कहा कि न्याय की मांग को लेकर जल्द ही क्षेत्र मंस महापंचायत आयोजित की जाएगी। साथ ही कहा कि आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को पटना और दिल्ली तक ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, लेकिन जब तक भरत तिवारी के परिवार को न्याय नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

लखनऊ आग कांडः डिप्टी सीएम पाठक का कड़ा रुख, 4 गिरफ्तार

लखनऊ,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घोषणा की कि अलीगंज इलाके में लगी भीषण आग, जिसमें १५ लोगों की जान ले ली, उसके लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि दर्दनाक घटना में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और कई अधिकारियों को निलंबित किया है। उपमुख्यमंत्री पाठक ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर मामले में सख्त कार्रवाई होगी और जवाबदेह ठहराए गए किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा।

इस बीच, कांग्रेस सांसद जेबी माथर ने ऐसी घटनाओं के बार-बार होने पर गंभीर चिंता जाहिर की है। उन्होंने जवाबदेही तय करने और सुरक्षा के बेहतर नियम लागू करने की मांग की। कांग्रेस सांसाद माथर ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी घटनाएं दिल्ली और अब लखनऊ में बार-बार सामने आ रही हैं।

सीएम सम्राट ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

पटना (एर्जेसी): पटना स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके साथ ही प्रखर राष्ट्वादी चिंतक, शिक्षाविद् एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद के जीवन, त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति को याद किया।

इस दौरान सीएम सम्राट ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने अखंड भारत, राष्ट्रीय एकता और एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे के संकल्प के लिए अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा को समर्पित कर दिया। सीएम सम्राट ने आगे कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि का उनका संदेश आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार डॉ. मुखर्जी की दूरदर्शी सोच और संकल्पों को साकार करने का कार्य कर रही है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद ३७० और ३५- को हटाना एक भारत-श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक कदम है। सीएम सम्राट ने इसे डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

मोतिहारी में दो ट्रकों में टक्कर, एक की मौत

मोतिहारी (एर्जेसी) : मोतिहारी में मंगलवार को दो ट्रकों की आमने-सामने से भीषण टक्कर हुई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रुप से घायल हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना मेहसी थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, टक्कर इतना भयावह था कि दोनों ट्रकों के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। वीडियो सामने आने पर पता चला कि घटना से ठीक पहले एक बस गुजरी थी। इसके बाद बस के पीछे चल रही एक ट्रक अचानक सामने से आ रही दूसरी ट्रक से टकरा गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं अन्य तीन लोग गंभीर रुप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और घायलों को तुरंत स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने एसकेएमसीएच रेफर कर दिया। डॉक्टरों का कहना है कि घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। मृतक की पहचान राजा कुमार (४०) के रुप में हुई है, जबकि घायलों में शामिल प्रदीप सिंह, बबलू और मतलू हैं।

तेज प्रताप ने मोतीलाल राय को किया निष्कासित

पटना (एर्जेसी): जनशक्ति जनता दल के सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने फैसला लेते हुए मोतीलाल राय को तत्काल प्रभाव से अपने पीए के पद से निष्कासित कर दिया है और मिशाल कुमार सिन्हा को पार्टी का मीडिया प्रभारी और अपना नया पीए बनाया है। इसके साथ ही पार्टी की और से सूचना जारी कर बताया गया कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश संगठन को भी भंग कर दिया गया है। तेज प्रताप ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की है।

नए सिरे से पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश संगठन का होगा गठन

अपने पोस्ट में उन्होंने एक लेटर भी पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि जल्द ही नए सिरे से पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश संगठन का गठन किया जाएगा। पार्टी की ओर से जारी बयान में आरोप लगाया गया है कि बीती देर रात पटना स्थित ४२- होर्डिंग रोड से मोतीलाल राय कथित तौर पर दीवार फांदकर फरार हो गए। बयान में दावा किया गया है कि उनके साथ कई कीमती सामान, महत्वपूर्ण दस्तावेज और २० लाख नकद राशि भी चोरी हुई है। इसी आरोप के आधार पर उन्हें राष्ट्रीय महासचिव के पद से हटाते हुए पार्टी से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया।

मिशाल कुमार सिन्हा इससे पहले भी तेज प्रताप के निजी सचिव रह चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, जुलाई २०२५ में जब सोशल मीडिया पर तेज प्रताप यादव का फोटो-वीडियो वायरल हुआ था तो उस समय तेज प्रताप ने मिशाल को अपने निजी सचिव के पद से हटा दिय़ा था। उस दौरान तेज प्रताप ने बताया था कि मिशाल सिन्हा उनके यहां रहकर कुछ काम देखा करता थे। तेज प्रताप ने मिशाल पर आरोप लगाया था कि उसने तेज प्रताप के खिलाफ षड्यंत्र किया था जिसके ऑडियो-वीडियो और अन्य दस्तावेज के खुलासे हुए थे। इसलिए तेज प्रताप ने तत्काल प्रभाव से मिशाल सिन्हा को अपने सभी कार्यों से स्थायी रूप से निलंबित कर दिय़ा था।

तेज प्रताप यादव के पूर्व पीए- की पत्नी ने दर्ज कराई एफआईआर

पटना (एर्जेसी): जेजेडी के सुप्रीमो तेज प्रताप यादव के पूर्व पीए मोतीलाल राय की पत्नी प्रीति भारती ने तेज प्रताप पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए अगमकुआं थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। प्रीती भारती ने आरोप लगाया कि उनके परिवार को लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा चार लोग उनके घर पहुंचें और खुद को उइख और एऊ से जुड़ा हुआ बताया। इसके बाद घर में घुसकर मेरे पिताजी का फोन, माताजी का फोन, मेरी दो बहनों का फोन, बहनोई का फोन और मेरा फोन कुल ६ फोन ले लिए। उनका आरोप है कि फोन लेने के बाद उनसे पासवर्ड मांगा गया और कहा गया कि बस २ मिनट कुछ देखना है, फिर आपको रिटर्न कर देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सभी छह फोन वे लोग अपने साथ ले गए।

प्रीती ने बताया कि चारों लोग अज्ञात थे। परिवार का उनसे पहले कभी कोई परिचय नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि उन लोगों का व्यवहार बेहद आक्रामक था, जिससे परिवार घबरा गया। इसे लेकर वह एफआईआर दर्ज कराई है। उनका कहना है कि शिकायत में केवल वही बातें लिखी गई हैं जो उनके साथ वास्तव में हुई। उन्होंने कहा कि वे नकदी या गहने चोरी होने जैसे झूठे आरोप नहीं लगाएंगे। प्रीती का कहना है कि पूरी घटना घर में लगे उउढ्त कैमरों में रिकॉर्ड हुई है।

दरअसल तेज प्रताप ने बीती रात अपने पूर्व पीए मोतीलाल राय पर आवास में चोरी करने का आरोप लगाते एफआईआर दर्ज कराया, जिसके बाद पुलिस देर रात ही उनके आवास पर पहुंची और जांच शुरु कर दी। उन्होंने मोतीलाल पर आरोप लगाते हुए पुलिस को बताया कि २० लाख कैश, ४ आईफोन, मैकबुक, आईपैड, सोने की चेन और अंगूठी चोरी हुई है। तेज प्रताप ने दावा किया कि उनके ड्राइवर अनिल यादव और उनके साथ रहने वाले विशाल ने पीए मोतीलाल राय को एक बैग के साथ आवास की बाउंड्री फांदकर भागते हुए देखा है। हालांकि इसके बाद पार्टी के सुप्रीमो तेज प्रताप ने फैसला लेते हुए मोतीलाल राय को तत्काल प्रभाव से अपने पीए के पद से निष्कासित कर दिया है और मिशाल कुमार सिन्हा को पार्टी का मीडिया प्रभारी और अपना नया पीए बनाया है। इसके साथ ही पार्टी ने सूचना जारी कर बताया गया कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश संगठन को भी भंग कर दिया गया है।

कोचिंग में शॉर्ट सर्किट से धुआं 100 छात्र सुरक्षित बाहर निकाले गए

आगरा,(ईएमएस): उतरप्रदेश के आगरा में मंगलवार सुबह आकाश इंस्टीट्यूट में शॉर्ट सर्किट के बाद धुआं उठने से हड़कंप मच गया। सुबह ११:१५ बजे हुई घटना के बाद कोचिंग सेंटर में मौजूद १०० से अधिक छात्र और शिक्षक घबरा गए। तुरंत ही सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बेसमेंट से अचानक धुआं निकलता देख छात्रों और शिक्षकों में अफरा-तफरी मच गई। शिक्षकों ने तत्काल सभी कक्षाओं को खाली कराया और मुख्य बिजली आपूर्ति काट दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। गनीमत रही कि लखनऊ में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड जैसी कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई, जहां कई लोगों की जान गई थी।

छात्रा ने बताया कि स्टाफ ने उन्हें फौरन बाहर निकलने को कहा था और बाद में उन्हें बेसमेंट में ट्रांसफार्मर में आग लगने की जानकारी मिली। एक अन्य छात्र ने बताया कि शिक्षकों ने आग लगने की सूचना दी और वे तुरंत आपातकालीन निकास से बाहर आ गए। उन्होंने कहा कि ज्यादा घबराहट नहीं फैली थी और धुआं भी ज्यादा नहीं दिख रहा था।

आकाश इंस्टीट्यूट की जांच के बाद, फायर अधिकारियों ने पास के जीएस कोचिंग सेंटर का भी निरीक्षण किया। वहां उन्हें आने-जाने का रास्ता बेहद संकरा और अग्निशामक यंत्र भी खाली पाए गए। अधिकारियों ने प्रबंधन को कड़ी चेतावनी देकर सुरक्षा मानकों में सुधार करने या कोचिंग खाली करने का निर्देश दिया। फायर विभाग ने दोनों कोचिंग सेंटर के मालिकों को तलब किया है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

पटना,(ईएमएस)। भोजपुर जिले के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले में जगदीशपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), शाहपुर थानाध्यक्ष समेत मुठभेड़ में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इस कार्रवाई के बाद मामले की जांच को नया मोड़ मिल गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एनकाउंटर को लेकर उठे सवालों और मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले भी इस मामले की विभिन्न स्तरों पर जांच चल रही थी और राज्य सरकार न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। गौरतलब है कि भरत तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने इसे फर्जी एनकाउंटर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

इस घटना को लेकर राज्य की राजनीति भी गर्मा गई और विभिन्न राजनीतिक दलों ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग उठाई। मृतक के भाई चंदन तिवारी ने सरकार की ओर से घोषित न्यायिक जांच पर अविश्वास जताते हुए मीडिया के समक्ष कहा, परिवार को केवल जांच नहीं, बल्कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो पूरा परिवार आत्मदाह करने को मजबूर होगा।

अयोध्याः चढ़ावे में आए पैसे गिनने वालों के कपड़ों में नहीं होगी जेब

अयोध्या,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रही विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच का असर अब मंदिर की व्यवस्थाओं पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इस जांच के बीच, बैंक प्रबंधन ने चढ़ावा गिनने वाले कर्मचारियों के लिए एक नया और सख्त ड्रेस कोड लागू कर दिया है, जिसके तहत अब गणना कर्मियों की वर्दी में कोई जेब नहीं होगी। यह कदम चढ़ावा प्रकरण की एसआईटी जांच के बीच अनुबंध के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। जांच के दायरे में आए कुछ कर्मचारियों को कार्यमुक्त भी कर दिया गया है।

राममंदिर भवन निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने एक इंटरव्यू में सीधे तौर पर बैंक प्रबंधन को इस स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया था। उनका कहना था कि जब बैंक के साथ अनुबंध में स्पष्ट नियम बनाए गए थे, तो गणना कर्मियों ने उनकी अनदेखी क्यों की। बताया जाता है कि बैंक ने बनारस की एक आउटसोर्सिंग कंपनी के जरिए श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को कर्मचारी उपलब्ध कराए थे और उनकी सैलरी भी उसी कंपनी के जरिए दिलवाई गई थी। सूत्रों की मानें तो लगभग ९० फीसदी नियुक्तियां ट्रस्ट पदाधिकारियों के प्रभाव का इस्तेमाल करके करवाई गई थीं और समय-समय पर नियमों में ढील भी इन्हीं पदाधिकारियों की शह पर मिलती रही। हालांकि, बैंक के बड़े अफसरों का कहना है कि अनुबंध दोतरफा हुआ था और बैंक ने अपनी ओर से कर्मचारी नहीं थोपे थे। कायदे से इस संवेदनशील कार्य में बैंक के नियमित कर्मचारी ही होने चाहिए थे।

अब राम मंदिर से महत्वपूर्ण जानकारियां मीडिया में लीक होने के बाद मंदिर प्रशासन इसको लेकर अत्यधिक सख्त दिखाई दे रहा है। कर्मचारियों को अब मंदिर के बारे में कोई भी जानकारी देने से मना किया गया है और मोबाइल फोन लेकर कर्मचारियों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही, कर्मचारियों के परिजनों को भी किसी से कोई बातचीत न करने की हिदायत दी गई है, जिसे एसआईटी के खौफ से जोड़कर देखा जा रहा है। पिछले कई दिनों से राम मंदिर से जुड़ी कई गोपनीय जानकारियां मीडिया को मिल रही थीं, जिसका स्रोत मंदिर प्रशासन पता नहीं कर पा रहा था। सूत्रों के मुताबिक, अब इसको लेकर मंदिर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है और कर्मचारियों को मीडिया से बातचीत करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इस कारण से राम मंदिर के बारे में कुछ भी बोलने से कर्मचारी बच रहे हैं।

पहले जो कर्मचारी कभी-कभार फोन उठा लेते थे, उन्होंने अब फोन उठाना पूरी तरह बंद कर दिया है। मीडिया से बात करने पर उन्हें खुद के एसआईटी की पूछताछ के दायरे में आने की आशंका लग रही है। दूसरी तरफ, जांच को लेकर कर्मचारियों को विभिन्न आशंकाएं सता रही हैं कि अगर वे पूछताछ के दायरे में आते हैं, तो वे किस तरह से अपना पक्ष रखें, क्योंकि इस मामले में लगातार नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं और पूर्व में कई ऐसी चीजें रही हैं जो इन कर्मचारियों की आंखों के सामने से गुजरी हैं।

कुख्यात सतपाल उर्फ सत्तू यूपी के मुजफ्फरनगर में ढेर

मुजफ्फरनगर (ईएमएस): देश के चार राज्यों में वांटेड कुख्यात सतपाल उर्फ सत्तू उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस अब उसके माफिया डॉन छोटा राजन गैंग से ताल्लुकात होने की जांच में जुटी है। सत्तू को चार राज्यों पंजाब, यूपी, चंडीगढ़ और दिल्ली पुलिस तलाश कर रही थी। यूपी के मुजफ्फरनगर में कुख्यात बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू के साथ सोमवार देर रात सिविल लाइन थाना पुलिस और एसओजी टीम की मुठभेड़ हो गई, इसी दौरान वो मारा गया। पहले पुलिस को सूचना मिली थी कि १९ जून को एक नाबालिग युवती का अपहरण कर ले जाने वाला बदमाश क्षेत्र में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इसी को लेकर पुलिस सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रुड़की रोड पर बामनहेड़ी में जब संदिग्ध वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने उसकी कार को रुकने का इशारा किया। इसी दौरान खुद को घिरता देख कार सवार बदमाश ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए जब आत्मरक्षा में ज़वाबी फायरिंग की। इसी पुलिस मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से वो घायल हो गया। इस मुठभेड़ में इस बदमाश की गोली से एक सब इंस्पेक्टर अजय गौड़ और सिपाही अंकित भी घायल हो गए।

एक ही संस्थान में दोनों ने किया काम, होने वाली थी शादी

लखनऊ,(ईएमएस)। लखनऊ के अलीगंज में इमारत में लगी भीषण आग ने सिर्फ एक इमारत को नहीं जलाया, उसने कई परिवारों के सपनों को राख में बदल दिया जिन हाथों में कुछ महीनों बाद शादी की मेहंदी सजनी थी, वे अब सूने हो चुके हैं। शादी की तारीख तय होने और नई जिंदगी की बातों का उत्साह था, वहां अब सन्नाटा और आंसू नजर आ रहे हैं। इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वालों में निलेश कुमार और अनामिका सामंत भी शामिल हैं, जिनकी प्रेम कहानी शादी तक पहुंचने से पहले ही खत्म हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निलेश कुमार (२७) और अनामिका सामंत (३०) एक ही एनीमेशन सेंटर में काम करते थे। साथ काम करते-करते दोनों के बीच दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों परिवारों ने भी इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया और शादी की तैयारियां शुरू कर दी थीं। महज कुछ दिन पहले ही अनामिका के माता-पिता पश्चिम बंगाल से लखनऊ आए थे। दोनों परिवारों की मुलाकात हुई थी और शादी को लेकर कुछ रस्में भी निभाई गई। निलेश के भाई ने बताया कि घर में बेहद खुशी का माहौल था।

सभी लोग अनामिका से मिले थे और परिवार ने उसे दिल से अपना लिया था। अब वही परिवार पोस्टमार्टम हाउस के बाहर खड़ा होकर शवों का इंतजार कर रहा है।

परिजनों के मुताबिक अगले सप्ताह निलेश के परिवार को अनामिका के घर पश्चिम बंगाल जाना था। इसके लिए ट्रेन टिकट भी बुक हो चुके थे। शादी की तारीख और आगे की तैयारियों पर चर्चा चल रही थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। निलेश अपने परिवार में तीन भाई-बहनों में दूसरे नंबर का था। परिवार का कहना है कि नीलेश इस साल प्रमोशन और सैलरी हाइक की उम्मीद कर रहे थे।

10 साल की सेवा पूरी करने वाले मनरेगा कर्मियों को मिलेगा ग्रेड-पे, विभाग एक माह में तैयार करेगा प्रस्ताव

रांची (एजेंसी): झारखंड में १० वर्ष की सेवा पूरी कर चुके मनरेगा कर्मियों को ग्रेड-पे के दायरे में लाने की दिशा में ग्रामीण विकास विभाग ने पहल तेज कर दी है। इस संबंध में ग्रामीण विकास विभाग के सचिव मनोज कुमार की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों और झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक में सहमति बनने के बाद प्रक्रिया तेज की गयी है। विभाग ने इस संबंध में सहमति पत्र भी जारी कर दिया है।

इसके तहत मनरेगा के तहत क्षेत्रीय स्तर पर / पदों पर कार्यरत ऐसे कर्मी, जिन्होंने १० वर्ष की सेवा पूरी कर ली है, उन्हें ग्रेड पे के दायरे में लाने के लिए विभागीय स्तर पर एक माह के भीतर संचिका तैयार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसके लिए ग्रामीण विकास विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। वित्त विभाग की भी सहमति ली जाएगी।

ग्रेड-पे के दायरे में आने के बाद मनरेगा के अंतर्गत कार्यरत बीपीओ, रोजगार सेवक, लेखा सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर, अभियंताओं की मानदेय में बड़ी वृद्धि होगी।

हड़ताल अवधि के मानदेय पर निर्णय समीक्षा के बाद

बैठक में हड़ताल अवधि के मानदेय भुगतान के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। विभाग ने इस मामले में समीक्षा के बाद निर्णय लेने का आश्वासन दिया है।

मृत मनरेगा कर्मियों के आश्रितों को नियुक्ति में वरीयता

इसके अलावा सेवा काल के दौरान मृत मनरेगा कर्मियों के वैध आश्रितों को जिला स्तर पर मनरेगा के सृजित पदों पर नियुक्ति में वरीयता अथवा प्राथमिकता देने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। इस पर विभागीय समीक्षा के बाद आगे कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है।

आखिर क्यों हड़ताल पर गए थे मनरेगा कर्मी

झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मार्च २०२६ से २०२५ से राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी।

हड़ताल करीब १०० दिनों से अधिक तक चली। १९ जून २०२६ को सरकार के साथ हुई वार्ता के बाद समाप्त हुई।

कर्मियों की प्रमुख मांगों में ग्रेड-पे लागू करना, सेवा नियमितीकरण, हड़ताल अवधि का मानदेय भुगतान, मृत कर्मियों के आश्रितों को नियुक्ति में प्राथमिकता तथा अन्य सेवा संबंधी सुविधाएं शामिल थीं। १९ जून को हुई बैठक में कई मांगों पर सकारात्मक सहमति बनने के बाद संघ ने हड़ताल वापस लेने की घोषणा की थी।

रिम्स में जटिल ओपन हार्ट सर्जरी सफल, खराब माइट्रल वाल्व बदलकर महिला को मिली नई जिंदगी

रांची (एजेंसी): झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स (राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान) ने एक बार फिर चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रिम्स के कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग के डॉक्टरों ने ३५ वर्षीय महिला की जटिल ओपन हार्ट सर्जरी सफलतापूर्वक कर उसकी जान बचाई है। खास बात यह रही कि पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत निशुल्क किया गया।

पलामू निवासी महिला पिछले कई महीनों से लगातार बुखार, सांस फूलने और दिल की धड़कन तेज होने की समस्या से जूझ रही थी। तबीयत बिगड़ने पर उसे रिम्स के मेडिसिन विभाग से सीटीवीएस विभाग में रेफर किया गया। जांच के दौरान पता चला कि वह इन्फेक्टिव एंडोकार्डाइटिस नामक गंभीर हृदय रोग से पीड़ित है। संक्रमण के कारण उसके दिल का माइट्रल वाल्व लगभग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था।

महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तत्काल सर्जरी का निर्णय लिया। ऑपरेशन से पहले उसे हाई-फ्लो ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। आयुष्मान भारत योजना के तहत आवश्यक सर्जिकल सामग्री उपलब्ध कराई गई और सोमवार को सफल ओपन हार्ट सर्जरी की गई।

सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने दिल में मौजूद संक्रमित ऊतकों को हटाया और खराब हो चुके माइट्रल वाल्व की जगह कृत्रिम वाल्व प्रत्यारोपित किया। ऑपरेशन के बाद महिला की स्थिति स्थिर है और उसकी सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है।

इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व सीटीवीएस विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पंकज बोदरा के मार्गदर्शन में डॉ. राकेश चौधरी ने किया। इस दौरान एनेस्थीसिया, आईसीयू और नर्सिंग टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रिम्स की इस सफलता को झारखंड में उन्नत हृदय चिकित्सा सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

झारखंड में 8 लाख राशन कार्ड होंगे रद्द! सरकार का बड़ा अभियान शुरू

रांची (एजेंसी): यदि आप झारखंड में राशन कार्डधारी हैं चौकस हो जाएं। नहीं तो आपका नाम लाभुकों की सूची से हट जाएगा। अपात्र लाभुकों को सूची से हटाने को लेकर फिर से अभियान शुरू होने जा रहा है। इसमें लगभग आठ लाख राशन कार्ड को निरस्त करने की तैयारी चल रही है। ये ऐसे कार्डधारी हैं जो प्रावधानों के अनुसार पात्रता नहीं रखते हैं। लगभग तीन महीने से यह प्रक्रिया रुकी हुई थी जो फिर शुरू होने जा रही है।

इन लोगों के काटे जाएंगे नाम

सरकार ने साफ किया है कि सूची से सबसे पहले उन लोगों को हटाया जा रहा है जिनके पास फर्जी या एक से अधिक (डुप्लीकेट) आधार कार्ड हैं। इसके साथ ही, ऐसे लोग जिनकी मृत्यु हो चुकी है और उनके मृत्यु प्रमाणपत्र भी बन चुके हैं, उनके नाम पर उठ रहे राशन को तुरंत बंद किया जाएगा। इसके अलावा, सालाना ६ लाख रुपये से ज्यादा कमाने वाले परिवारों को भी इस योजना से बाहर किया जाएगा, क्योंकि सरकार का मानना है कि आर्थिक रूप से सक्षम होने के कारण उन्हें इस सहायता की आवश्यकता नहीं है। पिछले दो महीने से आधार का पोर्टल बंद था। आधार पोर्टल से आंकड़ों को इंटीग्रेट किया जा रहा है जिसके माध्यम से फर्जी राशनकार्ड धारियों का नाम उजागर होगा।

राज्यसभा चुनाव हार के बाद झारखंड में बढ़ी सियासी हलचल, सरकार से बाहर हो सकती है राजद

रांची (एजेंसी): झारखंड राज्यसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को एक सीट पर मिली हार के बाद राज्य की राजनीति में नए समीकरणों की चर्चा तेज हो गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने गठबंधन को लेकर बड़ा बयान देते हुए संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में राज्य में गठबंधन सरकार का नया स्वरूप देखने को मिल सकता है। साथ ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर भी कार्रवाई की तलवार लटकती नजर आ रही है। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ही लेंगे।

सोमवार को झामुमो के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा था कि राज्यसभा चुनाव में धनबल का खेल हुआ है। इसके बावजूद इंडिया गठबंधन के ५० विधायक चट्टानी एकता के साथ खड़े रहे और मजबूती से चुनाव लड़ा। उन्होंने कहा कि आज भी ५० विधायक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मजबूती से खड़े हैं, जबकि शेष ३० विधायक भाजपा के साथ हैं।

सुप्रियो भट्टाचार्य के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या झामुमो गठबंधन में शामिल कुछ सहयोगी दलों के खिलाफ कोई बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह हार केवल कांग्रेस उम्मीदवार की नहीं बल्कि पूरे इंडिया गठबंधन की हार मानी जा रही है। बहुमत का आंकड़ा होने के बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी की हार ने गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राज्यसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद कांग्रेस ने खुलकर आरोप लगाया था कि राजद और माले ने गठबंधन के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस का कहना था कि झामुमो और कांग्रेस के विधायकों ने पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा, लेकिन मतदान के दौरान कुछ सहयोगी दलों के विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार को फायदा पहुंचाया।

कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा था कि इस पूरे मामले पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ बैठक कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। अब झामुमो की ओर से आए सख्त संकेतों ने इस मुद्दे को और अधिक राजनीतिक महत्व दे दिया है।

गौरतलब है कि झारखंड में दो राज्यसभा सीटों के लिए १८ जून को मतदान हुआ था। चुनावी मुकाबले में झामुमो के बैजनाथ राम, कांग्रेस के प्रणव झा और निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी मैदान में थे। एक उम्मीदवार की जीत के लिए २८ विधायकों के समर्थन की आवश्यकता थी। गठबंधन के पास कुल ५६ विधायकों का समर्थन होने के कारण झामुमो और कांग्रेस दोनों उम्मीदवारों की जीत लगभग तय मानी जा रही थी।

हालांकि मतदान के बाद आए नतीजों ने सभी को चौंका दिया। कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को केवल २० वोट मिले, जिनमें १६ कांग्रेस और ४ झामुमो विधायकों के वोट शामिल बताए गए। इसके बाद राजद और माले पर क्रॉस वोटिंग के आरोप लगे और गठबंधन के भीतर अविश्वास की स्थिति पैदा हो गई।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या झामुमो क्रॉस वोटिंग के मामले में कोई कठोर राजनीतिक फैसला लेगी और क्या राजद को गठबंधन से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। राज्य की राजनीति में आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर बड़े घटनाक्रम देखने को मिल सकते हैं।

अब सरकारी कर्मचारी सीखेंगे हिंदी टाइपिंग, आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल पर शुरू हुआ विशेष प्रशिक्षण

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार ने सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने की दिशा में नई पहल की है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने राज्य के सभी स्तर के सरकारी कर्मियों को आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल पर उपलब्ध हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा कराने का निर्देश दिया है। इस संबंध में विभाग के सचिव प्रवीण कुमार टोप्पो ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, विभागाध्यक्षों, प्रमंडलीय आयुक्तों और उपायुक्तों को पत्र भेजा है।

विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि सरकारी कर्मियों की हिंदी टंकण दक्षता बढ़ाने तथा कार्यालयी कार्यों के प्रभावी और त्वरित निष्पादन के उद्देश्य से हिंदी टाइपिंग का विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार कराया गया है। इसे सभी स्तर के सरकारी कर्मियों के लिए सुलभ बनाने के लिए आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

आईगॉट कर्मयोगी केंद्र सरकार की 'मिशन कर्मयोगी' पहल के तहत विकसित एक डिजिटल शिक्षण मंच है। इस पोर्टल पर सरकारी अधिकारी और कर्मचारी अपनी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न विषयों से जुड़े ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम कर सकते हैं। अब इसमें हिंदी टाइपिंग का पाठ्यक्रम भी जोड़ा गया है, जिससे सरकारी कर्मी हिंदी टंकण का मूलभूत प्रशिक्षण आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

कार्मिक विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों और जिला प्रशासन के अधिकारियों से अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस पाठ्यक्रम को पूरा कराने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है। विभाग का मानना है कि इस पहल से सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कार्य निष्पादन को बढ़ावा मिलेगा और प्रशासनिक कार्यों की गति भी तेज होगी।

पृष्ठ एक का शेषांश

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट---

कनिष्ठ अधिकारियों को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया है लेकिन उन्हें प्रमोशन नहीं दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को खारिज करते हुए साफ-साफ कहा कि हम अब कोई नई मुश्किलें खड़ी नहीं करना चाहते हैं। कॉलेजियम के फैसले न्यायिक समीक्षा के बाहर है और हम इसपर विचार नहीं कर सकते है। अरविंद मल्होत्रा के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ६ सितंबर, २०२४ के अपने फैसले में हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के उस एकतरफा फैसले को गलत बताया था, जिसमें मल्होत्रा समेत दो सीनियर ज्यूडिशियल अफसरों की उम्मीदवारी को नजरअंदाज किया गया था। कोर्ट ने कहा था कि सिलेक्शन कॉलेजियम को मिलकर काम करना चाहिए, न कि सीजेआई को अकेले। वकील ने कहा कि कॉलेजियम ने मल्होत्रा की उम्मीदवारी और उनके जवाबों पर विचार नहीं किया। बेंच ने कहा कि कॉलेजियम का फैसला उसकी अपनी समझ और संतुष्टि पर आधारित होता है और न तो हाई कोर्ट और न ही सुप्रीम कोर्ट किसी उम्मीदवार की सिफ़ारिश को लेकर याचिकाएं सुनकर या निर्देश जारी करके उस पर सवाल उठा सकते हैं। संवैधानिक अदालतों में जजों की नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों के सिलेक्शन का मामला न तो न्यायिक समीक्षा के दायरे में आता है और न ही आरटीआई एक्ट के तहत।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन---

वंचित वर्गों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। इस गौरवपूर्ण अवसर का साक्षी बनने के लिए शिबू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन और पुत्रवधू कल्पना सोरेन मौजूद रही। दिशोम गुरु की पत्नी रूपी सोरेन ने सम्मान ग्रहण किया। सम्मान मिलने के बाद झारखंड में खुशी और गर्व का माहौल है।

संविधान लेकर चलने वालों के---

चुनावों के बाद सांसद के तौर पर शपथ लेते समय और अन्य मौकों पर संविधान की प्रति हाथ में लहराते हुए देखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार के मूल मंत्र नेशन फर्स्ट पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि बीते १२ सालों में केंद्र सरकार के हर फैसले और हर प्रयास के केंद्र में यही भावना रही है। स्वच्छ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, खादी और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने जैसे कदम इसी नेशन फर्स्ट सोच का हिस्सा हैं। उन्होंने हाल ही में जी-७ शिखर सम्मेलन के अनुभव को साझा कर कहा कि दुनिया के नेताओं ने महसूस किया कि आज का भारत नेशन फर्स्ट के सिद्धांत पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने मध्यम वर्ग को मिली आर्थिक राहतों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि २०१३-१४ में २ लाख रुपए से अधिक की आय पर टैक्स दिया जाता था, जबकि अब १२ लाख रुपए सालाना तक की आय पर कोई टैक्स नहीं है। जीएसटी सुधारों ने टैक्स प्रक्रिया को आसान बनाया है, जिससे लोग घर बैठे आयकर रिटर्न भर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाएं उपलब्ध कराकर लोगों के करीब ४० हजार करोड़ रुपए बचाए गए हैं।

इतना ही नहीं विकास के मोर्चे पर, प्रधानमंत्री मोदी ने मेट्रो, ट्रेन और एयरपोर्ट के तेजी से विस्तार पर बात रखी। उन्होंने बताया कि २०१४ में रोजाना करीब २८ लाख लोग मेट्रो से सफर करते थे, जो अब बढ़कर १.२८ करोड़ हो गया है। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी आधुनिक ट्रेन देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ रही हैं, और पिछले कुछ वर्षों में देश में एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी हुई है। साथ ही, केंद्र सरकार ने १०० से अधिक जिलों और ५०० से अधिक ब्लॉकों को, जिन्हें पहले पिछड़े क्षेत्र मानकर छोड़ दिया गया था, उन्हें आकांक्षी जिला और आकांक्षी ब्लॉक का नाम देकर विकास की मुख्यधारा में लाने का महत्वपूर्ण काम किया है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को पद्मभूषण सम्मान : झारखंड और देश के लिए गौरव का क्षण : विनोद कुमार पांडेय

रांची (एजेंसी): झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने देश के महान जननायक, झारखंड आंदोलन के प्रमुख शिल्पकार और दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्मभूषण सम्मान दिए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे झारखंड की जनता, आदिवासी समाज और अलग राज्य आंदोलन से जुड़े लाखों लोगों के संघर्ष का सम्मान बताया है। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु का संपूर्ण जीवन जल, जंगल, जमीन, आदिवासी अस्मिता, सामाजिक न्याय और वंचित समुदायों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। नेमरा गांव से शुरू हुआ उनका संघर्ष झारखंड राज्य निर्माण तक पहुंचा और उन्होंने अपने अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता तथा जनसमर्पण के बल पर करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं को आवाज दी।

पांडेय ने कहा कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में गुरुजी की धर्मपत्नी रूपी सोरेन द्वारा यह सम्मान ग्रहण किया जाना पूरे झारखंड के लिए गर्व और भावुक कर देने वाला क्षण है। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस विचार, आंदोलन और संघर्ष की विरासत का सम्मान है, जिसने झारखंड को उसकी अलग पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि पद्मभूषण सम्मान से राष्ट्र ने गुरुजी के ऐतिहासिक योगदान को स्वीकार किया है, लेकिन यह गौरव और भी बड़ा होता यदि देश उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करता। गुरुजी का सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय योगदान इतना व्यापक और ऐतिहासिक है कि वे भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान के वास्तविक हकदार हैं।

पांडेय ने कहा कि शिबू सोरेन ने केवल झारखंड राज्य निर्माण का नेतृत्व नहीं किया, बल्कि आदिवासी समाज, किसानों, मजदूरों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके विचार सदैव समाज को दिशा देते रहेंगे।

स्टेट टॉपर से सॉल्वर गैंग तक! पूनम का नाम आने से मचा हड़कंप

रांची (एजेंसी): नीट री-एग्जाम सॉल्वर गैंग में झारखंड की दो मेधावी छात्राएं पूनम और चंचल का नाम सामने आया। दोनों छात्राएं दूसरे अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा देती पकड़ी गई। इससे परीक्षा में गड़बड़ी का झारखंड कनेक्शन सामने आया है। पूनम कुमारी वर्ष २०२१ में जैक इंटर साइंस परीक्षा की झारखंड टॉपर रह चुकी है। झारखंड टॉपर बेटी पर सॉल्वर गैंग से जुड़े होने का आरोप लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

बिहार के लखीसराय में री-नीट परीक्षा के दौरान गिरिडीह की पूनम कुमारी और पलामू की चंचल कुमारी का नाम इस नेटवर्क से जुड़ा मिला। गिरफ्तार नौ फर्जी परीक्षार्थियों में झारखंड की दो छात्राएं भी शामिल हैं। इनमें गिरिडीह जिले के बिरनी थाना क्षेत्र के बरमसिया गांव की पूनम कुमारी और पलामू जिले के हरिहरगंज नगर पंचायत के सियरभूका की चंचला कुमारी शामिल हैं। पूनम बीएचयू में बीएससी नर्सिंग की छात्रा है। वहीं चंचला ओडिशा के बलांगीर गवर्नमेंट आयुर्वेदिक कॉलेज में बैचलर इन आयुर्वेदिक मेडिसिन के अंतिम वर्ष की छात्रा है।

कैसे बहकावे में आ गईं मेधावी बेटियां

दोनों मेधावी बेटियां कैसे बहकावे में आकर गलत रास्ते पर चली गईं यह उनके परिजनों को भी नहीं पता। पूनम के अभिभावकों के अनुसार उसकी गिरफ्तारी की जानकारी उन्हें नहीं थी। आखिरी बातचीत २० जून की शाम हुई थी। चंचल के स्वजनों के मुताबिक उन्हें लखीसराय थाना से फोन आया कि चंचल को दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया है।

पूनम साल २०२१ में साइंस स्ट्रीम में स्टेट टॉपर थीं। वह बनारस में रहकर पढ़ाई कर रही थी। जबकि चंचल कुमारी को २०१८ में नीट में सफलता मिली थी। पर देरी होने के कारण उसका एडमिश मेडिकल कॉलेज में नहीं हो पाया था। इसके बाद उसने गवर्मेंट आयुर्वेदिक कॉलेज, उड़ीसा में एडमिशन लिया।

वह पलामू में हरिहरगंज के सियरभूका गांव की रहने वाली है। उसके पिता सत्येंद्र प्रसाद खेती करते हैं। भाई शंभू कुशवाहा और सतीश कुमार आयुर्वेद के चिकित्सक हैं।

डीएनए रिपोर्ट पर टिकी बोकारो की लापता युवती केस की पूरी कहानी, थाना प्रभारी समेत 28 पुलिसकर्मी हो चुके हैं सस्पेंड

रांची (एजेंसी): बोकारो की लापता युवती मामले की पूरी कहानी अब डीएनए रिपोर्ट पर टिकी है। जंगल से बरामद कंकाल और युवती के माता-पिता के डीएनए नमूनों के मिलान संबंधी रिपोर्ट केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल), कोलकाता से झारखंड हाई कोर्ट पहुंच गई है। मामले की जांच में लापरवाही को लेकर पिंजराजोड़ा थाना प्रभारी समेत २८ पुलिसकर्मी सस्पेंड हो चुके हैं। सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत डीएनए रिपोर्ट का झारखंड उच्च न्यायालय ने अवलोकन किया। अगली सुनवाई अब २५ जून को होगी।

मंगलवार को मामले की सुनवाई झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ में हुई। इस दौरान विशेष जांच दल (एसआईटी) की टीम भी न्यायालय में उपस्थित रही।

न्यायालय में पेश की गई सीएफएसएल रिपोर्ट पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता को डीएनए परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। मंगलवार को सीएफएसएल की रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष पेश की गई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनसेंट रोहित मार्की और शांतनु गुप्ता ने पक्ष रखा।

राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि आरोपित दिनेश महतो को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह भी बताया गया कि लापता युवती का कंकाल बोकारो के एक जंगल से बरामद किया गया था, जिसके बाद उसकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए डीएनए जांच कराई गई।

जांच के दौरान लापरवाही सामने आने पर बोकारो के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने पिंडराजोड़ा थाना प्रभारी सहित कुल २८ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई मामले की जांच में कथित लापरवाही और संवेदनशीलता की कमी को लेकर की गई है।

लापता युवती की मां ने अपनी बेटी की बरामदगी के लिए झारखंड उच्च न्यायालय में हेबियस कॉर्पस याचिका दायर की थी। युवती ३१ जुलाई २०२५ से लापता थी। बोकारो के पिंडराजोड़ा थाना में कांड संख्या १४७/२०२५ के तहत मामला दर्ज किया गया था।

डीएनए रिपोर्ट आने के बाद मामले की जांच और न्यायिक प्रक्रिया में नया मोड़ आने की संभावना है। अब सभी की निगाहें २५ जून को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां मामले में आगे की कार्रवाई और जांच की दिशा को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय सामने आ सकते हैं।

गर्मियों की धूप से चेहरा पड़ गया है काला तो अपनाएं घरेलू उपाय

गर्मियों का मौसम हो और चेहरे पर धूप का असर ना दिखे ऐसा कम ही होता है, गर्मियों में सबसे ज्यादा लोग टैनिंग को लेकर परेशान रहते हैं। हालाँकि कुछ लोग चेहरे पर कपडा बांध कर निकलते है, लेकिन कड़कती धूप से बचने के लाख जतन करके भी इससे पूरी तरह बचना मुश्किल हो जाता है ।गर्मियों में घर से बाहर निकलने पर या गर्मियों की छुट्टिओं में समुद्र तट घूमते हैं तो आपकी त्वचा सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणों के सम्पर्क में आने, प्रदूषण और गन्दगी के सम्पर्क में आने से सांवली पड़ जाती है। चेहरे पर सन टेन की वजह से चेहरे का सही रंग चला जाता है और चेहरे का आकर्षण भी खतम हो जाता है जिससे चेहरा डल दिखाई देने लगता है। इस मौसम में सन टेन से छुटकारा प्राप्त करने के लिए कई बार लोग बड़ी कम्पनियों के महंगे उत्पादों का उपयोग करते हैं लेकिन यह उत्पाद कई बार त्वचा के अनुकूल नही होते जिसकी वजह से त्वचा की अनेक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। ऐसे में धुप से बचने के लिए आप कुछ होम मेड फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं जोकि आपकी त्वचा को मुलायम और कोमल बनाये रखेंगे।

पपीता फेस पैक

यदि आपका चेहरा धूप में अधिक समय तक रहने से काला पड़ गया है तो पपीते का फेस पैक काफी मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आप पका हुआ पपीता और निम्बू ले लें। पपीते का छिलका उतार कर उसे छोटे छोटे टुकड़ों में काट कर मैश कर लें और इसमें निम्बू की कुछ बुंदे मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा कर प्राकृतिक तरीके से सूखने के बाद ताजे पानी से चेहरा धो डालें। इसे आप रोजाना नियमित रूप से लगा सकतीं हैं। सन टेन हटाने के लिए शहद और पपीते का फेस पैक भी काफी सहायक होता है। आप थोड़ा सा पपीता मैश करके इसमें कुछ बुंदे शहद की मिलाकर फेस पैक तैयार कर लें, इस मिश्रण को आपने चेहरे पर लगा कर सूखने दें और बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें। यह पैक सन टेन को हटाने के साथ ही त्वचा को पौषण भी देता है जिससे आपकी त्वचा कोमल बन जाती है।

नींबू का फेस पैक

नींबू का फेस पैक बनाने के लिए एक चम्मच नींबू का रस , एक चम्मच शहद और एक चम्मच दूध को कटोरी में मिला कर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को चेहरे पर आधा घण्टा लगा रहने दें और बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें। यह त्वचा की रंगत निखारने का प्राकृतिक तरीका है। दूध में बिद्यमान प्राकृतिक वसा और खनिज त्वचा को टोन करते हैं और मैग्निसियम, कैल्शियम आदि त्वचा को पौषण प्रदान करते है। एक चम्मच चीनी और एक चम्मच नींबू जूस को मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगा कर आहिस्ता से स्क्रब कर लें और कुछ समय बाद साफ पानी से धो डालें। इस मिश्रण को आप हफ्ते में एक बार लगा सकती है।

खीरा का फेस पैक

गर्मियों में त्वचा के लिए बहुत सारे घरेलू नुस्खों में खीरा सबसे जरूरी सामग्री है इसका एक शांत और ठंडा प्रभाव है। एक अच्छा खीरे का फेस पैक या आपकी आखों पर कट-अप स्लाइस आपको आराम देंगे यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट करता है और क्योंकि इसमें ब्लीचिंग गुण होते है यह आपकी त्वचा की रंगत को भी हल्का करता है।

आपको खीरे का रस, थोड़ा गुलाब जल, थोड़ा सा नींबू का रस और एक रुई चाहिए जूस बनाने के लिए खीरे को कद्दूकस कर लें। उसमें गुलाब जल डालें और ऊपर से थोड़ा सा नींबू का रस निचोड़ लें। इसे एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें, इस मिश्रण को अपने चेहरे पर एक कॉटन बॉल से समान रूप से लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसे ठंडे पानी से धो लें।

जई के आटे का फेस पैक : दो चम्च जई के आटे में थोड़ा सा मठहा मिलाकर पेस्ट बना लें / इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर आधा घण्टा बाद साफ पानी से धो डालें।

पके केले का फेस पैक : पके केले को मैश करके इसमें एक चमच्च शहद और एक चमच्च ऑलिव आयल मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाने के आधा घण्टा बाद ठण्डे पानी से चेहरे को धो डालें।

एलो वेरा जैल : तीन चमच्च एलो वेरा जैल, एक चमच्च हल्दी और दो चमच्च शहद को एक कटोरी में मिला कर पेस्ट बना लें। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाने के 20 मिनट बाद पानी से धो डालें / इसे आप हफ्ते में एक दिन लगा सकती है। एलो वेरा जेल की कुछ बूंदे रोजाना चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत निखरती है और रिंकन टेन की समस्या से निजात मिलती है।

बेसन का फेस पैक : बेसन का आटा और दही को बराबर मात्रा में मिलाकर इसमें चुटकी भर हल्दी डालकर पेस्ट बना लीजिये / इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के आधा घण्टा बाद ठण्डे पानी से धो डालिए।

इस तरीके से बनाए फेस पैक कांच के एक कटोरे में एक खीरा छीलकर उसे कद्दूकस कर लीजिए।

उसमें आधा कटोरी कच्चा दूध डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें।

अब इसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स कर लें और फिर 1 चम्मच गुलाब जल भी डाल ले।

इन सभी चीजो को अच्छी तरह मिक्स करने के बाद इसे आपको फेस पर अप्लाई करना है।

अच्छी तरह सूख जाने के बाद ताजे पानी से मसाज करते हुए हटा लीजिये।

बेहतर परिणाम के लिए आप इस फेस पैक को आप हफ्ते में एक बार जरूर लगाएं। नियमित तौर पर लगाने से आपकी त्वचा से टैनिंग दूर होकर त्वचा में धीरे धीरे निखार आने लगेगा। इसके अलावा आप दिन में कम से कम 2 से 3 बार अपने चेहरे को ठंडे पानी से धोएं ।ऐसा करने से चेहरे पर लगी गंदगी, धूल और पसीना हटता है और त्वचा चमकदार बनती है। आप एक सप्ताह में 1 से 2 बार अपने चेहरे पर स्क्रब जरूर करें। इससे डेड रिकन निकलती है और चेहरा ग्लो करता है। स्क्रब करते वक्त अपने चेहरे को ज्यादा न रगड़े। आप अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए दिन में दो बार मॉइश्चराइजर लगाएं।

बालों में मेहंदी लगाते समय मिलाएं ये चीजें, बाल बनेंगे सिल्की, शाइनी और मजबूत

बालों की खूबसूरती बढ़ाने और उन्हें प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए मेहंदी का इस्तेमाल सदियों से किया जाता रहा है। मेहंदी न सिर्फ बालों को नेचुरल रंग देती है, बल्कि उन्हें मजबूत, घना और चमकदार बनाने में भी मदद करती है। हालांकि, अगर मेहंदी में कुछ खास चीजें मिलाकर लगाई जाएं, तो इसके फायदे कई गुना बढ़ सकते हैं। आइए जानते हैं उन 7 चीजों के बारे में, जिन्हें मेहंदी में मिलाकर आप अपने बालों को और भी ज्यादा सिल्की और शाइनी बना सकती हैं।

दही

दही बालों को गहराई से पोषण देने का काम करती है। इसमें मौजूद प्रोटीन और लैक्टिक एसिड बालों का रूखापन कम करते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं। मेहंदी में दही मिलाने से बाल स्मूद और सिल्की नज़र आते हैं।

अंडा

ड्राई और डैमेज बालों के लिए अंडा बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद प्रोटीन बालों को मजबूती देता है और उनकी चमक बढ़ाता है। यह प्राकृतिक कंडीशनर की तरह काम करता है।

चाय का पानी

मेहंदी को भिगोने के लिए साधारण पानी की जगह चाय का पानी इस्तेमाल करें। इससे बालों में रंग ज्यादा गहरा आता है और बाल अधिक चमकदार दिखाई देते हैं।

कॉफी पाउडर

अगर आप बालों में गहरा रंग चाहती हैं, तो मेहंदी में कॉफी पाउडर मिलाएं। इससे बालों को नेचुरल ब्राउन टोन मिलता है और उनकी चमक भी बढ़ती है।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा बालों में नमी बनाए रखने में मदद करता है। मेहंदी में एलोवेरा जेल मिलाने से बाल मुलायम, चमकदार और हाइड्रेटेड बने रहते हैं।

आंवला पाउडर

आंवला विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। यह बालों को मजबूत बनाने के साथ-साथ समय से पहले सफेद होने की समस्या को कम करने में भी मदद कर सकता है।

नारियल या सरसों का तेल

मेहंदी बालों को थोड़ा ड्राई कर सकती है। ऐसे में इसमें थोड़ा नारियल या सरसों का तेल मिलाने से बालों की नमी बनी रहती है और वे अधिक चमकदार दिखते हैं।

मेहंदी लगाने का सही तरीका

मेहंदी को रातभर भिगोकर रखें। सुबह इसमें अपनी जरूरत के अनुसार ऊपर बताए गए इंग्रीडिएंट्स मिलाकर स्मूद पेस्ट तैयार करें। इसे बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक अच्छी तरह लगाएं और 2 से 3 घंटे बाद साफ पानी से धो लें।

नोट : यदि आपको अंडे, एलोवेरा या किसी अन्य सामग्री से एलर्जी है, तो इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

फर्श पर नंगे पैर चलना सेहत के लिए अच्छा है! एक्सपर्ट ने बताया

सुबह की सैर में घास और मिट्टी पर नंगे पैर चलने को तो अक्सर एक नेचुरल थेरेपी माना जाता है, लेकिन जब बात घर के अंदर फर्श की आती है, तो राय थोड़ी अलग हो जाती है। कुछ लोग इसे पूरी तरह सेफ मानते हैं तो कुछ इसे संक्रमण और समस्याओं की वजह भी बताते हैं। आखिर एक्सपर्ट्स इस बारे में क्या कहते हैं, और हमें घर में चप्पल पहननी चाहिए या नंगे पैर ही रहना चाहिए जानिए इस आर्टिकल में..

नंगे पैर चलना क्यों माना जाता है फायदेमंद

विशेषज्ञों के मुताबिक नंगे पैर चलने से पैरों की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। जब व्यक्ति जमीन के सीधे संपर्क में आता है तो पैरों पर प्राकृतिक दबाव बनता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर माना जाता है।

घास और मिट्टी पर चलने के फायदे

घास या मिट्टी पर नंगे पैर चलने से शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं। इससे पैरों की छोटी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का पोस्चर भी सुधरता है। कई लोग इसे मानसिक सुकून देने वाला अनुभव भी मानते हैं, क्योंकि यह शरीर को प्रकृति से जोड़ता है। डॉक्टरों के अनुसार हर जगह नंगे पैर चलना जरूरी नहीं है। घर के फर्श पर अगर साफ-सफाई पूरी तरह बनी रहती है तो कभी-कभी नंगे पैर चलना ठीक हो सकता है। लेकिन जहां बाहर से आने-जाने की ज्यादा आवाजाही होती है, वहां फर्श पर गंदगी और बैक्टीरिया जमा होने का खतरा रहता है।

घर में चप्पल पहनना कब जरूरी है

अगर घर में नियमित रूप से सफाई नहीं होती या बाहर की धूल-मिट्टी अंदर आती रहती है, तो नंगे पैर चलने से बचना चाहिए। ऐसे में हल्की और साफ चप्पल पहनकर चलना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है, ताकि संक्रमण या एलर्जी जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

किन लोगों को नंगे पैर चलने से बचना चाहिए

कुछ लोगों के लिए नंगे पैर चलना नुकसानदायक हो सकता है। डायबिटीज के मरीज, बुजुर्ग, या जिन लोगों को एड़ी और पैरों में दर्द की समस्या रहती है, उन्हें विशेष सावधानी रखनी चाहिए। ऐसे लोगों के लिए नंगे पैर चलना चोट या इंफेक्शन का कारण बन सकता है।

विशेषज्ञ की सलाह

विशेषज्ञों का कहना है कि नंगे पैर चलना पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन इसे सही जगह और सही परिस्थिति में ही करना चाहिए। घास और मिट्टी पर यह फायदेमंद हो सकता है, जबकि घर के फर्श पर साफ-सफाई और स्वास्थ्य स्थिति को देखकर ही फैसला लेना चाहिए। नंगे पैर चलना शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन यह हर जगह सुरक्षित नहीं है।

चावल के आटे से बनती है केरल की मशहूर रोटी

स्वाद इतना बहतरीन कि बार-बार खाने का मन करेगा

जब भी साउथ इंडियन खाने का जिक्र होता है, तो ज्यादातर लोगों के दिमाग में इडली, डोसा और सांभर की तस्वीर उभर आती है। लेकिन केरल के मालाबार क्षेत्र की एक ऐसी पारंपरिक डिश भी है, जो अपनी सादगी और स्वाद के लिए बेहद मशहूर है। इस डिश का नाम है पथिरी रोटी। चावल के आटे से बनने वाली यह पतली, मुलायम और हल्की रोटी केरल के मप्पिला समुदाय के खान-पान का अहम हिस्सा मानी जाती है। खास मौकों, त्योहारों, ईद और पारिवारिक समारोहों में इसे बड़े प्यार से बनाया जाता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह बेहद हल्की होती है और मसालेदार करी के साथ इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है।

क्या होती है पथिरी रोटी

पथिरी एक तरह की पारंपरिक राइस फ्लैटब्रेड है, जिसे केवल कुछ साधारण सामग्री से तैयार किया जाता है। देखने में यह साधारण लग सकती है, लेकिन इसकी नरम बनावट और हल्का स्वाद इसे खास बनाता है। केरल में इसे चिकन करी, मटन करी, फिश करी या वेजिटेबल स्टयू के साथ परोसा जाता है। अगर सही तरीके से बनाई जाए तो पथिरी इतनी मुलायम बनती है कि मुंह में जाते ही घुल जाती है।

पथिरी बनाने के लिए जरूरी सामग्री

1 कप बारीक भुना हुआ चावल का आटा
1 कप पानी
1 छोटा चम्मच नारियल तेल
1½ छोटा चम्मच नमक
सबसे पहले तैयार करें आटा

पथिरी की सफलता काफी हद तक उसके आटे पर निर्भर करती है। इसलिए सबसे पहले चावल के आटे को अच्छी तरह छान लें ताकि उसमें कोई गांठ न रहे। अब एक गहरे बर्तन में पानी, नमक और नारियल तेल डालकर उबाल लें। जब पानी अच्छी तरह उबलने लगे, तब उसमें धीरे-धीरे चावल का आटा डालें और लगातार चलाते रहें। इस दौरान आंच धीमी रखें ताकि मिश्रण तले में चिपके नहीं। करीब 10 से 15 सेकंड तक पकाने के बाद गैस बंद कर दें।

नरम पथिरी के लिए ऐसे गूंथें आटा

जब मिश्रण थोड़ा संभालने लायक गर्म रह जाए, तब हथेलियों पर थोड़ा नारियल तेल लगाकर उसे अच्छी तरह गूंथ लें। ध्यान रखें कि आटा पूरी तरह ठंडा होने से पहले ही गूंथना बेहतर होता है। इससे पथिरी ज्यादा मुलायम बनती है। आटा तब तक गूंथें जब तक वह चिकना और एकसार न हो जाए।

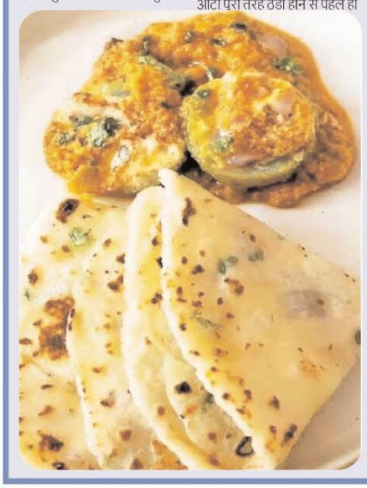

लोइयां बनाकर बेलें पतली रोटियां

अब आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें। हर लोई लगभग नींबू के आकार की होनी चाहिए। लोई को हल्का दबाकर बेलन की मदद से पतली रोटी की तरह बेल लें। अगर आटा चिपक रहा हो तो थोड़ा चावल का आटा छिड़क सकते हैं। कोशिश करें कि रोटी ज्यादा मोटी न रहे, क्योंकि पथिरी की पहचान उसकी पतली और नरम बनावट ही होती है।

एक नॉन-स्टिक तवा गर्म करें और फिर आंच को मध्यम कर दें।

बेली हुई पथिरी को तवे पर डालें। करीब 10 से 15 सेकंड बाद उसे पलट दें। अब चम्मच के पिछले हिस्से से हल्के हाथों से दबाएं। कुछ ही देर में रोटी फूलने लगेगी और उसमें भाप बनने लगेगी। फिर दूसरी तरफ से भी अच्छी तरह सेंक लें। जब दोनों तरफ हल्के सुनहरे निशान दिखाई देने लगें तो पथिरी तैयार है। पथिरी का स्वाद चिकन करी, मटन करी, फिश करी और नारियल आधारित ग्रेवी के साथ सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। हालांकि इसे साधारण सब्जी या दाल के साथ भी खाया जा सकता है। इसके हल्के स्वाद की वजह से यह हर तरह की मसालेदार करी के साथ आसानी से मेल खा जाती है।

परफेक्ट पथिरी बनाने के लिए याद रखें ये टिप्स

हमेशा बारीक और अच्छी क्वालिटी का चावल का आटा इस्तेमाल करें। आटा डालने के बाद मिश्रण को लगातार चलाते रहें। आटा गर्म रहते हुए ही गूंथें। रोटी को ज्यादा देर तक तवे पर न रखें, वरना वह सख्त हो सकती है। बेहतर स्वाद के लिए नारियल तेल का इस्तेमाल जरूर करें। अगर आप रोजाना की रोटी से कुछ अलग और स्वादिष्ट ट्राई करना चाहते हैं, तो केरल की यह पारंपरिक पथिरी रोटी जरूर बनाएं। कम सामग्री में तैयार होने वाली यह रेसिपी स्वाद के साथ-साथ हल्केपन का भी बेहतरीन अनुभव देती है।

बच्चों को कहानी और उदाहरणों के जरिए सिखाएं

आज के समय में बच्चों का ज्यादातर समय मोबाइल, टीवी और गेम्स में बीतता है, जिससे उनके व्यवहार और आदतों पर असर पड़ता है। ऐसे में माता-पिता की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे बच्चों को सही समय पर सही चीजें सिखाएं। याद रखें, बच्चे का पहला स्कूल उसका घर होता है और उसके पहले शिक्षक उसके माता-पिता होते हैं। इसलिए छोटी उम्र से ही अगर बच्चों को अच्छे मैनर्स और संस्कार सिखाए जाएं, तो उनका व्यक्तित्व बेहतर बनता है। आइए जानते हैं उम्र के हिसाब से बच्चों को क्या सिखाना चाहिए।

1 से 2 साल के बच्चे

इस उम्र में बच्चे सीखने की शुरुआत करते हैं और चीजों को बहुत जल्दी समझने लगते हैं। ऐसे में उन्हें धीरे-धीरे बेसिक मैनर्स सिखाना शुरू करना चाहिए साथ ही उन्हें प्यार से बोलना और इशारों के जरिए अपनी बात समझाना भी सिखाया जा सकता है, क्योंकि इस उम्र में बच्चे ज्यादा देखकर और नकल करके सीखते हैं।

कैसे सिखाएं?

खेल-खेल में सिखाएं

टॉय या एक्टिंग के जरिए शब्दों को दोहराएं

खुद भी वही मैनर्स अपनाकर उदाहरण बनें

इस उम्र में बच्चे जल्दी नकल करते हैं, इसलिए आपका व्यवहार ही उनकी सीख बनता है।

3 से 5 साल के बच्चे

इस उम्र में बच्चे चीजों को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं, लेकिन साथ ही उनमें जिद भी बढ़ सकती है। ऐसे में उन्हें प्यार और धैर्य के साथ अच्छी आदतें सिखाना जरूरी होता है। बच्चों को चीजें शेयर करना सिखाएं, ताकि उनमें सहयोग की भावना विकसित हो। साथ ही, दूसरों से मिलते समय ।द्ध या ।द्वद्यद्य श और जाते समय ब्यद्ध कहना सिखाएं। इसके अलावा, उन्हें दूसरों की भावनाओं को समझने की आदत डालें, जिससे वे संवेदनशील और समझदार बन सकें।

कैसे सिखाएं?

प्यार और धैर्य से समझाएं

कहानी और उदाहरणों के जरिए सिखाएं

अच्छे व्यवहार पर तारीफ करें

इस उम्र में डांटने के बजाय समझाना ज्यादा असरदार होता है।

6 से 10 साल के बच्चे

इस उम्र में बच्चों में सही और गलत की समझ विकसित होने लगती है, इसलिए उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना बेहद जरूरी होता है। इस दौरान बच्चों को सही-गलत की पहचान करना सिखाएं, ताकि वे अपने फैसले समझदारी से ले सकें। साथ ही, उनमें सच बोलने की आदत डालें और ईमानदारी का महत्व समझाएं। इसके अलावा, टीमवर्क और मिल-जुलकर रहने की भावना विकसित करें, ताकि वे दूसरों के साथ सहयोग करना सीखें और सामाजिक रूप से मजबूत बनें।

उन्हें जिम्मेदारियां दें

गलतियों पर शांत तरीके से समझाएं

खेल और ग्रुप एक्टिविटी में शामिल करें

इस उम्र में सिखाई गई आदतें जीवनभर साथ रहती हैं।

स्क्रीन टाइम पर रखें नियंत्रण

आजकल बच्चे मोबाइल और टीवी पर ज्यादा समय बिताने लगे हैं, जिसका असर उनकी आदतों और व्यवहार पर पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि पेरेंट्स बच्चों का स्क्रीन टाइम सीमित करें और उन्हें आउटडोर खेल व अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करें, ताकि उनका शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर तरीके से हो सके।

सिर्फ गिफ्ट नहीं, भावनाएं भी जरूरी! वरना फीका पड़ सकता है रिश्ता

उपहार भावनाओं का दर्पण हैं। उनमें अपनापन, विनम्रता और स्नेह झलकता है। लेकिन यदि उपहार देने के पीछे आपके अहंकार की तुष्टि छिपी हो, तो उसकी चमक रिश्तों की मिठास को फीका कर सकती है।

घर के पुराने संदूक में रखी एक घड़ी, पीले पड़ चुके खत, किसी किताब में दबा सूखा गुलाब या बचपन में मिला कोई छोटा-सा खिलौना, ये सिर्फ वस्तुएं नहीं होतीं, ये उन पलों की आखिरी धड़कनें होती हैं, जिन्हें समय बहुत पीछे छोड़ आया है।

इन्सान अपनी जिंदगी में चाहे कितना भी आगे बढ़ जाए, एक छोटा-सा उपहार उसे अचानक वर्षों पीछे ले जाता है। उस आवाज तक, उस स्पर्श तक, उस रिश्ते तक, जो शायद अब उसके पास नहीं है। शायद इसलिए कुछ चीजें समय के साथ पुरानी नहीं होतीं, बल्कि और गहरी हो जाती हैं।

उपहार देना केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि मानव भावनाओं की सबसे सूक्ष्म अभिव्यक्तियों में से एक है। यह एक ऐसी भाषा है, जिसमें शब्दों की आवश्यकता नहीं होती। जहां एक वस्तु, एक छोटा-सा इशारा या एक साधारण-सा प्रयास भी मन के उन कोनों को उजागर कर देता है, जिन्हें हम अक्सर कह नहीं पाते। यह केवल देने और पाने का व्यवहार नहीं, ये रिश्तों की समझ, संवेदनशीलता और आत्मीय जुड़ाव की एक मूक परीक्षा है।

उपहार मनुष्य की भावनाओं की सबसे शांत, लेकिन सबसे गहरी भाषा है। ऐसी भाषा, जिसमें शब्द कम पड़ जाते हैं और संवेदनाएं बोलने लगती हैं। जब कोई व्यक्ति हमें कोई उपहार देता है, तो वह केवल वस्तु नहीं देता, बल्कि यह भरोसा भी देता है कि 'मैंने तुम्हारी छोटी-छोटी बातों को याद रखा है और तुम मेरी जिंदगी में सिर्फ एक नाम नहीं हो।'

शायद इसलिए जीवन के सबसे कीमती उपहार बाजारों में नहीं मिलते। वे किसी मां के हाथों से बने खाने में छिपे होते हैं, किसी पिता द्वारा चुपचाप जेब में रखे गए नोट में, किसी दोस्त के अचानक कंधे पर रखे हाथ में या किसी ऐसे व्यक्ति के लौट आने में, जिससे उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी।

मनोविज्ञान कहता है कि किसी को कुछ देने पर हमारे भीतर भी सुख का अनुभव होता है। किसी अपने की आंखों में चमक देखना, उसके चेहरे पर मुस्कान देखना यह आनंद कई बार पाने से भी ज्यादा गहरा होता है।

लेकिन इसी भावना के साथ एक अनकही अपेक्षा भी जुड़ जाती है। हम चाहते हैं कि हमारी भावना को उसी गहराई से महसूस किया जाए। जब ऐसा नहीं होता, तो भीतर कहीं हल्की-सी उदासी जन्म लेती है।

इन्सान खोजता अपनापन

आज का समय सुविधाओं का समय है। एक क्लिक में उपहार भेजे जा सकते हैं। चमकदार पैकिंग, महंगे ब्रांड और सोशल मीडिया पोस्ट्स ने कई बार उपहारों को भावना से ज्यादा प्रदर्शन बना दिया है। अगर इस चमक के बीच आज भी इन्सान वही अपनापन खोजता है, क्योंकि उपहार की असली खूबसूरती उसकी कीमत में नहीं, उसमें लगाए गए ध्यान में होती है।

कई बार कोई सस्ता-सा उपहार भी इसलिए अमूल्य हो जाता है, क्योंकि उसमें सामने वाले को समझने की सच्ची कोशिश छिपी होती है। जीवन के सबसे सुंदर उपहार भी अक्सर बिना योजना के आते हैं।

रास्ते में किसी दुकान पर अचानक कोई चीज देखकर किसी की याद आ जाना, किसी पुराने गाने को सुनकर उसे किसी को भेज देना, किसी व्यस्त दिन में बस इतना पूछ लेना- 'तुम ठीक हो?'

ये छोटे-छोटे पल ही रिश्तों की असली पूंजी होते हैं। क्योंकि इन्सान को हमेशा बड़ी चीजें नहीं चाहिए होतीं, कई बार उसे सिर्फ यह अहसास चाहिए कि वह किसी के मन में अब भी मौजूद है।

मिरर गिफ्टिंग आज का सच

हर उपहार संवेदनशीलता से नहीं दिया जाता। कई बार उपहार हमारे अहंकार का प्रतिबिंब बन जाते हैं। हम सामने वाले को वही देने लगते हैं, जो हमें खुद पसंद है। धीरे-धीरे उपहार सामने वाले की जरूरत से ज्यादा हमारी पसंद का प्रदर्शन बन जाते हैं।

मनोविज्ञान में इसे कई बार 'मिरर गिफ्ट' कहा जाता है। ऐसे उपहार, जिनमें सामने वाले से ज्यादा हमारी अपनी पसंद छिपी होती है। पति पत्नी को नया गेमिंग कंसोल दे देता है। दोस्त दोस्त को उसी बैंड का टिकट दे देता है, जिसे वह खुद पसंद करता है। पिता बेटे को वही करियर चुनने की सलाह देता है, जो उनका अधूरा सपना था।

यहां उपहार कई बार प्रेम से ज्यादा अहंकार बन जाता है। जबकि उपहार का मूल अर्थ ही यह है कि कुछ पल के लिए हम अपनी दुनिया से बाहर निकलकर किसी और की दुनिया में प्रवेश करें।

चुनाव आसन नहीं

तोहफा दरअसल वस्तु नहीं, व्यक्ति को समझने की कला है। शायद इसी कारण उपहार चुनते समय लोग सबसे अधिक असुरक्षित महसूस करते हैं।

बाजार में घूमते कदमों से ज्यादा दिमाग भटकता रहता है- 'सामने वाला क्या पसंद करता है'? ऐसा इसलिए क्योंकि कई लोग उपहार खरीदते समय वस्तु नहीं चुनते, रिश्ते बचाने की कोशिश करते हैं। 'उसे अच्छा लगेगा न?'

यह छोटा-सा वाक्य भीतर कितना बड़ा डर छिपाए रहता है, यह केवल वही समझ सकता है, जिसने किसी अपने के लिए देर रात तक ऑनलाइन खूब सारी वेबसाइट को स्क्रॉल किया है।

हालांकि उपहार की कहानी उसके दिए जाने पर खत्म नहीं होती। वह उसके बाद शुरू होती है, जब कोई अकेले में उस उपहार को देखता है, उसे छूता है और उसके पीछे छिपे व्यक्ति को याद करता है। वहीं तय होता है कि वह सिर्फ एक वस्तु था या सचमुच किसी रिश्ते का धड़कता हुआ हिस्सा।

री-गिफ्टिंग से भावनाएं खो जाती हैं

आज के समय में 'री-गिफ्टिंग' रिश्तों का एक अजीब सच बन चुकी है। लोग मुस्कुराकर उपहार स्वीकार करते हैं और फिर किसी और अवसर पर उसे आगे बढ़ा देते हैं। इस प्रक्रिया में वस्तु तो घूमती रहती है, लेकिन उससे जुड़ी भावनाएं कहीं खो जाती हैं। लखनऊ की रागिनी ने भी ऐसा ही अनुभव साझा किया। शादी में मिले एक महंगे शोपीस को उसने अपनी सहेली को दे दिया।

कुछ महीनों बाद वही शोपीस सहेली के घर में दिखाई दिया। बातचीत में पता चला कि उस उपहार के साथ एक भावुक चिट्ठी भी मिली थी, जिसे रागिनी ने कभी पढ़ा ही नहीं था। री-गिफ्टिंग से वह संदेश किसी और के लिए बहुत खास बन गया। रागिनी को तब अहसास हुआ कि हर उपहार केवल वस्तु नहीं होता, उसमें किसी की भावना, समय और उम्मीद भी जुड़ी होती है।

समय है सबसे बड़ा उपहार

किसी थके हुए व्यक्ति को समय देना, किसी रोते हुए इन्सान को बिना सलाह दिए सिर्फ सुन लेना, किसी का बोझ हल्का कर देना, किसी पुराने रिश्ते को एक फोन कॉल से फिर से जोड़ देना ये वे उपहार हैं, जिनकी कोई पैकिंग नहीं होती, लेकिन इनकी याद सबसे लंबे समय तक रहती है।

तकनीक के इस तेज दौर में, जहां हर चीज तुरंत उपलब्ध है, वहां समय सबसे दुर्लभ चीज बन चुका है। इसलिए आज अगर कोई अपना समय, अपना धैर्य और अपनी उपस्थिति किसी को देता है, तो वही सबसे मूल्यवान उपहार है, क्योंकि अंतत: इन्सान चीजों से नहीं, अहसासों से जुड़ता है। वे समय-समय पर लौटकर याद दिलाते हैं कि कभी कोई हमें पूरे मन से याद करता था।

बच्चों को दें भरपूर वक्त, झुंझलाहट दिखाने की जगह प्यार से समझाएं

अभिभावक होना बड़ी जिम्मेदारी है। भागदौड़ भरी जीवनशैली में हमारे पास सबकुछ है लेकिन वक्त नहीं है। ऐसे में बहुत से अभिभावक बच्चों और परिवार के लिए क्वालिटी वक्त नहीं निकाल पाते हैं। इससे बच्चों की परवरिश पर असर पड़ता है। अगर आप भी अपने बच्चों को भरपूर वक्त नहीं दे पा रहे हैं तो सावधान हो जाएं और इस बात की अनदेखी न करते हुए, उनके लिए वक्त निकाले ताकि आपका खुशहाल संसार और खुशहाल हो सके। अगर आपमें पेरेंटिंग स्किल्स नहीं है तो किसी भी तरह से परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। आप इस कौशल को थोड़ा सा सावधानी बरतकर सुधार सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे?

आप हमेशा अपने बच्चों के साथ सकारात्मक इंट्रेक्शन रखें। उनसे बातचीत करते वक्त कोई भी नकारात्मक बातें न बोले। बच्चों के साथ अच्छा और शानदार वक्त बिताए। इससे आपके और आपके बच्चों के बीच भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। बच्चों के साथ अच्छा और बेहतरीन वक्त बिताने के लिए आप उनके साथ उनकी एक्टिविटी में भाग लें। बच्चों के साथ खेले-कूदें।

बच्चों को अच्छी और बुरी आदतों के बारे में जानकारी दें। इससे आपका संसार और ज्यादा सुखी और खुशहाल होगा। बच्चों की बातों का रिएक्शन अच्छे तरह से दें।

डिजिटल युग में बच्चों को उम्र के अनुसार सही संस्कार दें

आज के आधुनिक दौर में बच्चों का अधिकांश समय मोबाइल, टीवी और डिजिटल गेम्स में बीत रहा है, जिसका सीधा असर उनके व्यवहार और आदतों पर देखने को मिल रहा है। ऐसे में माता-पिता की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है कि वे अपने बच्चों को सही समय पर सही दिशा और संस्कार दें। यह समझना बेहद आवश्यक है कि बच्चे का पहला विद्यालय उसका घर होता है और उसके पहले शिक्षक उसके माता-पिता ही होते हैं। यदि बचपन से ही बच्चों को अच्छे मैनर्स और जीवन-मूल्य सिखाए जाएं, तो उनका व्यक्तित्व बेहतर और मजबूत बनता है।

इसी क्रम में, उम्र के विभिन्न पड़ावों पर बच्चों को क्या और कैसे सिखाया जाए, यह जानना बेहद जरूरी है। शुरुआती दौर में यानी 1 से 2 साल की उम्र में बच्चे चीजों को तेजी से सीखते और समझते हैं। इस समय उन्हें धीरे-धीरे बुनियादी मैनर्स सिखाना शुरू करना चाहिए, जैसे प्यार से बोलना और इशारों के जरिए अपनी बात समझाना। बच्चे इस उम्र में देखकर और नकल करके सीखते हैं, इसलिए माता-पिता को स्वयं वही व्यवहार अपनाकर उदाहरण बनना चाहिए। खेल-खेल में या खिलौनों के माध्यम से शब्दों को दोहराकर उन्हें सिखाना प्रभावी होता है।

तीन से पांच साल की उम्र तक आते-आते बच्चे चीजों को बेहतर समझने लगते हैं, लेकिन उनमें जिद भी बढ़ सकती है। इस नाजुक दौर में प्यार और धैर्य के साथ अच्छी आदतें सिखाना आवश्यक है। उन्हें चीजों को साझा करना सिखाएं ताकि उनमें सहयोग की भावना विकसित हो। दूसरों से मिलते समय हाय या हेलो कहना और जाते समय बाय बोलना भी इस उम्र में सिखाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दूसरों की भावनाओं को समझने की आदत डालें, जिससे वे संवेदनशील और समझदार बन सकें। कहानियों और उदाहरणों का सहारा लेना चाहिए, और अच्छे व्यवहार पर उनकी तारीफ करनी चाहिए। इस उम्र में डांटने के बजाय समझाना अधिक प्रभावी होता है।

जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, यानी छह से दस साल की उम्र में उनमें सही और गलत की समझ विकसित होने लगती है। इस समय उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें सही-गलत की पहचान करना सिखाएं, ताकि वे अपने फैसले समझदारी से ले सकें। उनमें सच बोलने की आदत डालें और ईमानदारी का महत्व समझाएं। टीमवर्क और मिल-जुलकर रहने की भावना विकसित करें, ताकि वे दूसरों के साथ सहयोग करना सीखें और सामाजिक रूप से मजबूत बनें। इस उम्र में बच्चों को छोटी-मोटी जिम्मेदारियां भी देनी चाहिए और उनकी गलतियों पर शांत तरीके से समझाना चाहिए। उन्हें खेल और सामूहिक गतिविधियों में शामिल करना उनके सामाजिक विकास के लिए लाभकारी होता है, क्योंकि इस उम्र में सीखी गई आदतें जीवनभर उनका साथ निभाती हैं।

अंत में, यह भी बेहद महत्वपूर्ण है कि माता-पिता बच्चों के स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय को सीमित करें। मोबाइल और टीवी पर अत्यधिक समय बिताने से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्हें आउटडोर खेल और अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि उनका शारीरिक और मानसिक विकास संतुलित और बेहतर तरीके से हो सके।

संक्षिप्त समाचार

परीक्षा केंद्र पहुंचने से पहले चली गई जान, सड़क पर विस्फोट, 16 वर्षीय छात्रा की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा शहर में सोमवार को परीक्षा देने जा रही 16 वर्षीय एक छात्रा की इजराइली हमले में मौत हो गई। छात्रा के रिश्तेदारों ने यह जानकारी दी। रिश्तेदार जमील अशूर के अनुसार, रघद हसन अशूर 11वीं कक्षा की परीक्षा देने जा रही थी, तभी रिमाल इलाके की एक व्यस्त सड़क पर विस्फोट हो गया। हालांकि, सेना ने कहा कि उसने हमले में हमास के एक लड़ाके को निशाना बनाया था, लेकिन उसे इस दावे की जानकारी है कि इस दौरान एक ऐसे व्यक्ति को नुकसान पहुंचा जो इसमें शामिल नहीं था। फिलीस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, अशूर का शव शिफा अस्पताल ले जाने के बाद उसकी मां सहित दर्जनों फलस्तीनी शोक जताने के लिए वहां पहुंचे। संगठन ने बताया कि इसी इलाके में हुए हमलों में तीन अन्य लोग घायल हो गए। इजराइल ने अक्टूबर में हुए युद्धविराम समझौते के बावजूद गाजा में हमले जारी रखे हैं। सेना का कहना है कि वह हमास और अन्य ऐसे लड़ाकों को निशाना बनाती है जो उसके लिए खतरा पैदा करते हैं और उसने समूह पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाया है, लेकिन इस दौरान नागरिकों की भी मौत हुई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कहा कि युद्धविराम समझौते के बाद से गाजा पट्टी में इजराइली अभियानों में 1,000 से अधिक फिलीस्तीनियों की मौत हो चुकी है। वहीं, युद्धविराम के बाद से इजराइल के पांच सैनिक मारे गए हैं। यह युद्ध तब शुरू हुआ जब हमास के नेतृत्व वाले लड़ाकों ने 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल में घुसकर लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी और 251 लोगों को बंधक बना लिया।

अलास्का में हेलीकॉप्टर क्रैश, 4 क्रू मेंबर्स घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के अलास्का राज्य से एक बड़े विमान हादसे की खबर आई है। अमेरिकी तटरक्षक बल का एक एमएच-60 जयहॉक हेलीकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण के दौरान अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार चालक दल के सभी चार सदस्य घायल हो गए हैं जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। तटरक्षक बल द्वारा जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक यह दुर्घटना सिटका (इलाके में स्थित हार्बर माउंटेन के पास हुई। हेलीकॉप्टर के क्रैश होने की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीमें तुरंत हरकत में आईं। हादसे के ठीक एक घंटे बाद स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे बचाव दल मौके पर पहुंच गया। मलबे से सुरक्षित निकाले जाने के बाद घायल चालक दल के चारों सदस्यों को तुरंत इलाज के लिए माउंट एजकुम्बे मेडिकल सेंटर ले जाया गया जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

ईरान ही करेगा होर्मुज का प्रबंधन, जंग से पहले जैसी स्थिति असंभव'

तेहरान, एजेंसी। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने स्विट्जरलैंड से लौटने के बाद एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब युद्ध से पहले वाली स्थिति में कभी नहीं लौटेगा। गालिबाफ ने साफ किया कि अब ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते का प्रबंधन अपने इंतजामों के हिसाब से करेगा, हालांकि इस दौरान अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन किया जाएगा। गालिबाफ ने अमेरिका के साथ हुई तकनीकी बातचीत के बाद बताया कि ईरान ने इन चर्चाओं में अपनी ताकत दिखाई है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के दबाव की वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट भी बदलनी पड़ी। इस पोस्ट में ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी कि वह लेबनान में हिजबुल्लाह जैसे अपने सहयोगी समूहों की मदद करना बंद करे। गालिबाफ ने इसे ईरान के कूटनीतिक प्रभाव का बड़ा सबूत बताया। क्षेत्रीय स्थिति पर बात करते हुए गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा, हमने कभी अमेरिकियों पर भरोसा नहीं किया, न अब करते हैं और भविष्य में भी उन पर अविश्वास करना ही सही होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर ईरान रिवाटजरलैंड की बातचीत में शामिल नहीं होता, तो लेबनान में मुसलमानों और शियाओं का और ज्यादा खून बहता। उनके अनुसार, इन वार्ताओं ने क्षेत्र में तनाव को और बढ़ने से रोकने में मदद की है।

सालों के बजाय महीनों में बदल जाएगा माहौल, एआई को लेकर फाइव आइज़ की बड़ी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। इंटेलिजेंस अलायंस फाइव आइज ने एक अनोखी चेतावनी जारी की है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अगली जेनरेशन सालों के बजाय कुछ ही महीनों में साइबर सिक्योरिटी के माहौल को पूरी तरह से बदल सकती है और सरकारों, बिजनेस और कॉर्पोरेट लीडर्स से साइबर रेजिलिएंस को तुरंत प्रायोरिटी देने की अपील की है।

यह चेतावनी फाइव आइज इंटेलिजेंस ओवरसाइट एंड रिव्यू काउंसिल के एक संयुक्त बयान में दी गई। यह काउंसिल ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका की इंटेलिजेंस और सुरक्षा एजेंसियों का एक समूह है।

किसी खास कंपनी या मॉडल का नहीं लिया नाम: यह बयान तब जारी किया गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने टेक्नोलॉजी कंपनी एन्थ्रोपिक द्वारा विकसित दो एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम तक विदेशी नागरिकों की पहुंच को सीमित करने का कदम उठाया। इस महीने की शुरुआत में घोषित यह फैसला अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की सलाह के बाद लिया गया।

किसी खास कंपनी या मॉडल का नाम लिए बिना फाइव आइज के बयान में चेतावनी दी गई कि फ्रंटियर एआई सिस्टम से मौजूदा इंडस्ट्री की उम्मीदों से कहीं आगे निकलने और आक्रामक व रक्षात्मक, दोनों तरह की साइबर क्षमताओं में बड़े बदलाव लाने की उम्मीद है।

बयान में क्या कहा गया? बयान में कहा गया है, हालांकि एआई समय के साथ साइबर सुरक्षा को बेहतर बनाने में हमारी मदद करेगा, लेकिन यह साइबर खतरों की रफ्तार, दायरे और जटिलता को भी बढ़ा देता है। उम्मीद है कि फ्रंटियर एआई मॉडल इंडस्ट्री की मौजूदा उम्मीदों से कहीं आगे निकल जाएंगे और साइबर हमले और बचाव, दोनों ही क्षमताओं में बुनियादी बदलाव लाएंगे। इसमें सालों नहीं, बल्कि महीनों का समय लगेगा। इस ग्रुप ने कहा कि बिजनेस, बाजार के भरोसे और लंबे समय तक आर्थिक वैल्यू बनाए रखने के लिए साइबर रेजिलिएंस (साइबर हमलों से उबरने की क्षमता) बहुत जरूरी हो गई है। इसने लीडर्स से कहा कि वे जोखिमों और जवाबदेही का आकलन करें, मुख्य साइबर सिक्योरिटी कंट्रोल को प्राथमिकता दें, साइबर सिक्योरिटी टीमों को पर्याप्त अधिकार और संसाधन दें और खतरों के बदलते स्वरूप के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहें।

संगठन और समाज को करना होगा असरदार ढंग से काम

साथ ही, अधिकारियों ने यह भी माना कि यह टेक्नोलॉजी साइबर सुरक्षा को मजबूत करने में सक्षम शक्तिशाली सुरक्षात्मक उपकरण भी देती है। इसमें कहा गया है, इसके लिए पूरे संगठन और पूरे समाज की ओर से प्रतिक्रिया की जरूरत है। साइबर जोखिम को अब सिर्फ एक तकनीकी समस्या नहीं माना जा सकता। यह कारोबार का एक मुख्य जोखिम और लीडरशिप की जिम्मेदारी है। इस अलायंस ने कंपनियों के बोर्ड और सीनियर अधिकारियों से कहा कि वे यह पक्का करें कि साइबर सुरक्षा के उपाय सिर्फ कागज पर ही न हों, बल्कि असल घटनाओं के समय भी असरदार ढंग से काम कर सकें। अलायंस का कहना है कि लीडर्स को पुरानी मान्यताओं पर फिर से विचार करना चाहिए और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सोच-समझकर एआई का इस्तेमाल करना चाहिए, न कि सिर्फ काम की क्षमता (एफिशिएंसी) बढ़ाने के लिए।

खालिस्तानी प्रतीकों का भी किया प्रदर्शन

कनाडा के नगर कीर्तन में आत्मघाती जैकेट पहने बच्चों की दिखाई झांकी

टोरंटो एजेंसी। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में आयोजित एक नगर कीर्तन कार्यक्रम के दौरान खालिस्तानी प्रतीकों और अलगाववादी संदेशों के कथित प्रदर्शन को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों ने इस आयोजन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, जुलूस में कुछ बच्चों को कथित रूप से 'शहीदों' के रूप में प्रस्तुत किया गया था। कार्यक्रम में खालिस्तानी झंडे और अलगाववादी विचारधारा से जुड़े प्रतीक भी दिखाई दिए, जिसके बाद ऑनलाइन मंचों पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब कनाडा और भारत पिछले कुछ वर्षों के तनावपूर्ण दौर के बाद अपने संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच रिश्तों में तनाव उस समय बढ़ा था जब खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर गंभीर राजनयिक विवाद पैदा हुआ था। अब जबकि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और संवाद को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, ब्रैम्पटन की यह घटना फिर से उन सवालों को सामने ले आई है जो सार्वजनिक आयोजनों में चरमपंथी या अलगाववादी संदेशों की मौजूदगी से जुड़े हैं।विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल कनाडा के भीतर सामाजिक और राजनीतिक बहस को प्रभावित करती हैं।

आतंकवादियों को पनाह देने का लंबा इतिहास, जेडी वेंस ने पाक के लिए दिखाया प्यार तो बरसे अमेरिकी सांसद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के इस्लामाबाद के प्रति प्यार जताने वाले बयानों के बीच दो रिपब्लिकन सीनेटरों ने कतर और पाकिस्तान के आतंकवादियों को पनाह देने के इतिहास की ओर इशारा किया है। सीनेटर रिक स्कॉट ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अब तक सभी को यह साफ हो जाना चाहिए कि हमारे असली दोस्त कौन हैं। कतर और पाकिस्तान का आतंकवादियों को पनाह देने का लंबा इतिहास रहा है और अभी वे सार्थक शांति लाने के बजाय ईरान के दशकों पुराने आतंकी अभियान को बढ़ावा देने में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं।

सीनेटरों ने दिलाई ओसामा बिन लादेन की याद: फ्लोरिडा के सीनेटर की ये बातें स्विट्जरलैंड में वेंस के उस बयान के बाद आई जिसमें उन्होंने कहा था, हम पाकिस्तान से प्यार करते हैं। वहां वेंस, पाकिस्तान और कतर के नेताओं के साथ मिलकर ईरान के साथ शांति समझौते की तकनीकी बारीकियों पर बातचीत कर रहे थे। स्कॉट ने कहा, अभी भी एक

ऐसे समझौते की गुंजाइश है जो सबके लिए फायदेमंद हो। लेकिन, सभी को यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि ईरान के लिए इस प्रक्रिया से निकलकर परमाणु हथियार बनाने की संभावना बिल्कुल भी नहीं है। वहीं, मोंटाना के सीनेटर टिम शीही ने भी फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन को पनाह देने में पाकिस्तान की भूमिका का जिक्र किया। शीही ने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान ने एक दशक तक बिन लादेन को छिपाकर रखा था। उसने आईएसआई के जरिए अयातुल्ला को फंडिंग दी।

यूएई और इजरायल को बातचीत में शामिल करने की अपील: उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान और कतर बातचीत की मेज पर हैं तो अमेरिका को बातचीत में यूएई, इजरायल और सऊदी अरब को भी शामिल करना चाहिए। शीही ने कहा कि मिडिल ईस्ट में यूएई, इजरायल और सऊदी अरब ही अमेरिका के असली सहयोगी हैं। यह भी कहा कि कतर दशकों से आतंकवादी संगठनों के लिए मनी लॉन्ड्रिंग करता रहा है। शीही ने कहा, पाकिस्तानियों ने आईएसआई के जरिए हमारे खिलाफ विद्रोहों को फंडिंग दी और बिन लादेन को छिपाकर रखा। इसलिए यह सोचना कि वे यहां निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका निभाएंगे, मुझे सही नहीं लगता। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमें यह पक्का करना होगा कि हम यूएई और इजरायल के साथ पूरी मजबूती से खड़े रहें।

ईरान युद्ध की ट्रंप ने चुकाई भारी कीमत, पेंटागन ने कांग्रेस से मांगे 80 अरब डॉलर; सांसदों में भारी नाराजगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने सीनेटरों को बताया है कि उसे ईरान युद्ध के कारण लगभग 80 अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त धनराशि की जरूरत है। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान की लागत को पूरा करने में खर्च होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित रक्षा बजट में भी भारी बढ़ोतरी की गई है और अब मांगी गई यह 80 अरब डॉलर की राशि रक्षा बजट से अलग है।

औपचारिक अनुरोध होना अभी बाकी: हालांकि, व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट ने अभी तक कांग्रेस के सामने कोई औपचारिक अनुरोध पेश नहीं किया है। लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ हाल के दिनों में कैपिटल हिल में सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सोमवार शाम भी उन्होंने कई सांसदों से बातचीत की। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री के एक वरिष्ठ सहयोगी ने पिछले सप्ताह सीनेटरों को ईरान अभियान के लिए अतिरिक्त फंडिंग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी सबसे पहले दी थी।

अतिरिक्त रक्षा बजट को लेकर सांसदों में संशय

ईरान युद्ध के लिए अरबों डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग की मांग ऐसे समय में

सामने आई है, जब अमेरिका में राजनीतिक माहौल बेहद संवेदनशील बना हुआ है। कई सांसद ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ किए गए समझौते और युद्ध समाप्ति की रणनीति को लेकर संदेह जता रहे हैं तथा आगे की कार्रवाई को लेकर भी सतर्क हैं। व्हाइट हाउस ने इस वर्ष पेंटागन के लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है, जो मौजूदा वित्तीय वर्ष के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत अधिक है।

सैन्य सामग्री के भंडार को फिर से भरना होगा

सीनेट में रिपब्लिकन बहुमत के नेता जॉन थ्यून ने कहा कि उन्हें प्रशासन की ओर से युद्ध संबंधी अतिरिक्त व्यय का प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'जब यह प्रस्ताव आएगा, तब हम इस पर विचार करेंगे और देखेंगे कि इसे कितना समर्थन मिलता है।' थ्यून ने कहा कि अमेरिका को अपने हथियारों और सैन्य सामग्री के भंडार को फिर से भरना होगा, जो न केवल ईरान से जुड़े घटनाक्रमों बल्कि उससे पहले की परिस्थितियों के कारण भी काफी हद तक कम हो चुके हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि इस फंडिंग प्रस्ताव को उन सांसदों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है जो ट्रंप के युद्ध संबंधी फैसले का समर्थन नहीं करते और बढ़ती महंगाई के बीच रक्षा बजट में और वृद्धि के पक्ष में नहीं हैं। डेमोक्रेटिक सीनेटर पैटी मरे ने पिछले महीने एक सुनवाई के दौरान हेगसेथ से कहा था, 'आप उन परिवारों की मेहनत की कमाई से जुटाए गए कर के पैसे को ऐसे युद्ध पर खर्च कर रहे हैं।

● घोड़ा-गाड़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल होने से मौत हो गई थी

यूएस में मां को बचाते जान गंवाने वाले भारतीय के नाम पर बनेगा कानून, विधेयक का नाम बदलकर रखा रोमांच लॉ

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क में घोड़ा-गाड़ी पर प्रतिबंध लगाने के लिए पेश किए गए एक विधेयक का नाम बदलकर, सेंट्रल पार्क में घोड़ा-गाड़ी से जुड़े एक दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले भारतीय किशोर के नाम पर रखा जाएगा। पिछले सप्ताह 18 वर्षीय भारतीय युवक रोमांच महाजन की सेंट्रल पार्क में घोड़ा-गाड़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल होने से मौत हो गई थी। दरअसल महाजन की मां अचानक घोड़े के बेकाबू होने से घोड़ा-गाड़ी से गिर गई थीं, जिसके बाद महाजन ने अपने मां को बचाने के लिए गाड़ी से छलांग लगा दी थी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और बुधवार को उसकी मौत हो गई थी। महाजन की मां को मामूली चोटें आई हैं। इस हादसे के बाद सोमवार को सेंट्रल पार्क में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल के सदस्य क्रिस्टोफर मार्टे ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था। इस दौरान मार्टे ने घोषणा की कि

उन्होंने न्यूयॉर्क शहर में घोड़ा-गाड़ी पर प्रतिबंध लगाने के लिए राइडर्स लॉ नामक विधेयक पेश किया है और अब उसका नाम बदलकर दिवंगत किशोर के सम्मान में रोमांचस लॉ किया जाएगा। उन्होंने पहले इस विधेयक का नाम 26 वर्षीय घोड़े राइडर के नाम पर रखा था। इस घोड़े को अगस्त 2022 में जबरन गाड़ी खींचने के लिए मजबूर किया जा रहा था और इस दौरान वह गिर पड़ा था। राइडर की उस वर्ष अक्टूबर में मौत हो गई थी। इसके बाद एनिमल लीगल डिफेन्स फंड सहित कई पशु अधिकार एवं संरक्षण समूहों ने न्यूयॉर्क शहर में घोड़ा-गाड़ी सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें पूरी तरह समाप्त करने के लिए कानून बनाए जाने की मांग शुरू कर दी। मार्टे ने श्रद्धांजलि सभा में कहा, पिछले सप्ताह जो हुआ, वह हमारे शहर पर एक कलंक है। हम तुरंत कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? इसी दौरान उन्होंने घोषणा की कि राइडर्स लॉ का नाम बदलकर रोमांचस लॉ रखा जाएगा। श्रद्धांजलि सभा के दौरान मार्टे ने महाजन के परिवार का एक पत्र भी पढ़ा, जिसमें पिछले सप्ताह हुई इस दुखद घटना के बाद न्यूयॉर्क शहर में घोड़ा-गाड़ी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

ईरान को 300 अरब डॉलर कौन देगा? मार्को रुबियो के दौरे को लेकर खाड़ी देशों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते ने खाड़ी देशों को चिंता में डाल दिया है। दरअसल खाड़ी देशों में इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है कि समझौते के तहत ईरान को कितना पैसा मिलने वाला है और वो पैसा कौन देगा? अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो तीन दिवसीय दौरे पर पश्चिम एशिया पहुंचने वाले हैं। जहां वे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कुवैत के नेताओं से मुलाकात करेंगे। अमेरिकी प्रशासन पश्चिम एशिया में अपने सहयोगी देशों को यह यकीन दिलाने की कोशिश कर रहा है कि ईरान के साथ हुआ समझौता उनके हित में है।

हालांकि खाड़ी देशों की चिंता बनी हुई है। अधिकांश देशों ने अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष को समाप्त करने की कोशिशों का स्वागत किया है।

हालांकि, उनकी चिंता इस बात को लेकर है कि अगर बातचीत सफल होती है तो ईरान को क्या-क्या रियायतें मिल सकती हैं और क्या यह समझौता ईरान की सैन्य महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाने में सफल हो सकेगा या नहीं।

सबसे अधिक चर्चा ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए दिए जाने वाले 300 अरब डॉलर के पैकेज को लेकर हो रही है। शांति समझौते के ज्ञापन में कहा गया है कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर देगा। इस योजना को लागू करने की रूपरेखा अंतिम समझौते के तहत अगले 60 दिनों में तय की जाएगी।

खाड़ी देशों को आशंका है कि इतनी बड़ी राशि ईरान को युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई करने के साथ-साथ उसकी सैन्य क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने में भी मदद कर सकती है।

इसके अलावा, कई देशों को इस बात पर भी आपत्ति है कि हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम का सीधे तौर पर कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

ये चिंताएं उन देशों के लिए और भी ज्यादा अहम हैं जहां अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं। सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, बहरीन और कतर, अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था के प्रमुख साझेदार हैं। ईरान के साथ हुए संघर्ष के दौरान इन देशों को भी ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों का सामना करना पड़ा था, जिनमें नागरिक ढांचे को भी निशाना बनाया गया था। रुबियो का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब खाड़ी देशों के नेता अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन वे यह भी जानना चाहते हैं कि वाशिंगटन आखिर ईरान को क्या देने जा रहा है और बदले में तेहरान से क्या मिलेगा? अभी तक किसी भी खाड़ी देश ने ईरान को आर्थिक मदद देने की सहमति नहीं दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ईरान को आर्थिक मदद नहीं देने की बात कह चुके हैं। शांति समझौते के तहत अमेरिका, ईरान की जब्त संपत्तियों को भी जारी करेगा। हालांकि ईरान इस पैसे का इस्तेमाल सिर्फ मानवीय और कृषि जरूरतों के लिए ही कर पाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य भी होगी बात

रुबियो की बातचीत केवल आर्थिक मुद्दों तक सीमित नहीं रहेगी। उनके दौरे का एक प्रमुख विषय होर्मुज जलडमरूमध्य भी होगा, जो दुनिया के तेल और गैस आपूर्ति मार्गों में सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक माना जाता है। ईरान संघर्ष के दौरान यह मार्ग तनाव का केंद्र बन गया था और अब तक यहां समुद्री यातायात पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है। विश्लेषण कंपनी क्पलर के अनुसार, बीते सप्ताह में इस जलडमरूमध्य से 71 जहाज गुजरे, जबकि संघर्ष से पहले प्रतिदिन 100 से 131 जहाजों का आवागमन सामान्य बात थी।

कतर धमाके में मारे गए 13 लोगों में 12 भारतीय शामिल, 66 अन्य घायल

कतर एजेंसी। कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर में एक फैक्टरी में हुए धमाके में मारे गए 13 लोगों में 12 भारतीय शामिल हैं।अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कतर के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि रविवार रात रास लाफान में हुए हादसे में 12 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। पोस्ट में कतर के अधिकारियों के हवाले कहा गया है कि धमाके में घायल लोगों का उचित इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर है। इसमें कहा गया है, दूतावास इस घटना से प्रभावित भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए कतर के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि मृतकों के शव जल्द से जल्द भारत भेजे जाए। इससे पहले, कतर के ऊर्जा मंत्री साद बिन शेरिदा अल-काबी ने संवाददाताओं से कहा था कि धमाके में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के 13 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, कतर के गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रास लाफान औद्योगिक शहर में रविवार शाम बरजान स्थानीय गैस आपूर्ति संयंत्र में परिचालन के दौरान आई तकनीकी गड़बड़ी के कारण हुए धमाके और उसके बाद लगी आग में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 66 अन्य घायल हो गए। मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा अधिकारियों ने रास लाफान में आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों के साथ मिलकर तुरंत बचाव अभियान शुरू किया।

12 करोड़ रुपये की कटौती कर दिल्ली लौटे ऋषभ पंत

आईपीएल 2027 का सबसे बड़ा ट्रेड, कुलदीप यादव बने लखनऊ का हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 शुरू होने में अभी काफी समय है, लेकिन उससे पहले ही एक बड़े ट्रेड ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच हुए हाई-प्रोफाइल खिलाड़ी आदान-प्रदान में ऋषभ पंत अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स में लौटने जा रहे हैं, जबकि स्टार स्पिनर कुलदीप यादव लखनऊ सुपर जाएंट्स की जर्सी पहनेंगे।

इस ट्रेड की सबसे बड़ी चर्चा ऋषभ पंत की सैलरी को लेकर है। आईपीएल के मुताबिक, पंत 15 करोड़ रुपये में दिल्ली से जुड़ेंगे। लखनऊ में उनकी सैलरी रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए थी। उन्हें आईपीएल 2025 के ऑक्शन में लखनऊ ने रिकॉर्ड 25 करोड़ देकर खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी थे। उन्हें लखनऊ ने कप्तान बनाया था, लेकिन पिछले दो सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद ही लखनऊ ने उन्हें निकाल दिया है। लखनऊ ने यही हाल पूर्व कप्तान केएल राहुल के साथ भी किया था।

पंत ने दिल्ली वापसी के लिए 12 करोड़ रुपये की बड़ी रकम की कटौती की है। वहीं, लखनऊ ने बदले में कुलदीप को 13.5 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। पंत को दिल्ली की कप्तानी भी सौंपी जा सकती है। पिछले दो सीजन से अक्षर पटेल टीम की कमान संभाल रहे थे, लेकिन दिल्ली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

क्यों खास है यह ट्रेड?

यह ट्रेड सिर्फ खिलाड़ियों की अदला-बदली नहीं है, बल्कि दो फ्रेंचाइजियों की रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत भी है। दिल्ली ने अपने पुराने स्टार और पूर्व कप्तान को वापस लाकर भावनात्मक और क्रिकेट दोनों मोर्चों पर बड़ा दांव खेला है, जबकि लखनऊ ने भारतीय स्पिन विभाग को मजबूत करने के लिए कुलदीप यादव जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज को अपने साथ जोड़ा है। आईपीएल 2027 से पहले इस ट्रेड ने लीग के समीकरण बदल दिए हैं और अब सभी की नजरें इस बात पर होंगी कि पंत की घर वापसी और कुलदीप की नई शुरुआत अपनी-अपनी टीमों को कितना फायदा पहुंचाती है। खास बात यह भी है कि लखनऊ के निकाले गए दो पूर्व कप्तान राहुल और पंत अब एक ही टीम दिल्ली से खेलते दिखेंगे।

दिल्ली में फिर दिखेगा पंत का पुराना रंग

ऋषभ पंत का दिल्ली कैपिटल्स के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। युवा खिलाड़ी के रूप में उन्होंने दिल्ली के लिए अपना आईपीएल सफर शुरू किया और बाद में टीम की कप्तानी भी संभाली। वह 2016 से 2024 तक लगातार नौ सीजन इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे और इस दौरान 111 मैच खेले, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा मैच हैं। पंत ने 2021 से 2024 के बीच चार सीजन में 43 मैचों में टीम की कप्तानी भी की। आक्रामक बल्लेबाजी और नेतृत्व क्षमता के कारण वह लंबे समय तक दिल्ली की पहचान बने रहे। कार एक्सीडेंट और चोट से वापसी के बाद वह लखनऊ सुपर जाएंट्स से जुड़े थे, लेकिन अब एक बार फिर दिल्ली के साथ उनका रिश्ता जुड़ रहा है। दिल्ली के फैंस के लिए यह किसी भावनात्मक वापसी से कम नहीं होगी। पंत ने अपने आईपीएल करियर के कई यादगार पल इसी फ्रेंचाइजी के साथ बिताए हैं।

लखनऊ को मिला कुलदीप जैसा मैच विनर

दूसरी तरफ कुलदीप यादव का दिल्ली कैपिटल्स के साथ सफर भी शानदार रहा। 2022 में फ्रेंचाइजी से जुड़ने के बाद उन्होंने पांच सीजन में 65 मैच खेले और 72 विकेट हासिल किए। इस दौरान कुलदीप आईपीएल के सबसे प्रभावी विकेट लेने वाले स्पिनरों में शामिल रहे। उनकी कलाई की स्पिन और बीच के ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता ने दिल्ली को कई मैच जिताए। अब यह विश्वस्तरीय स्पिनर 13.50 करोड़ रुपये की मौजूदा फीस पर लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ जुड़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में कुलदीप ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में शानदार प्रदर्शन किया है। मध्य ओवरों में विकेट निकालने की उनकी क्षमता लखनऊ के गेंदबाजी आक्रमण को नई धार दे सकती है। खासकर इकाना जैसे स्पिन-अनुकूल मैदान पर कुलदीप विरोधी बल्लेबाजों के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं।

मेसी नंबर-1: एमबाप्पे से मिल रही कड़ी चुनौती

फीफा विश्वकप 2026

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 में लियोनल मेसी ने एक और ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसने उनके नाम को फुटबॉल इतिहास में और ऊंचा कर दिया। ऑस्ट्रिया के खिलाफ ग्रुप-जे मुकाबले में दो गोल दागकर अर्जेंटीना के कप्तान विश्वकप इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। 39वें जन्मदिन से ठीक पहले मेसी ने अपना कुल आंकड़ा 18 गोल तक पहुंचा दिया और मिरोस्लाव क्लोज का 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हालांकि, इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बीच फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे भी लगातार सुर्खियों में हैं। इराक के खिलाफ दो गोल करने के बाद उनके विश्वकप गोलों की संख्या 16 हो गई है। महज 16 मैचों में 16 गोल दाग चुके एमबाप्पे भविष्य में मेसी के रिकॉर्ड के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं।

ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने रचा इतिहास

मेसी ने मैच के शुरुआती दौर में एक पेनल्टी गंवा दी थी, लेकिन इससे उनका आत्मविश्वास नहीं डिगा। पहले हाफ के अंत में उन्होंने बाएं पैर से शानदार फिनिश करते हुए विश्वकप का अपना 17वां गोल किया और क्लोज को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद इंजरी टाइम में जूलियन अल्वारेज के शॉट पर रीबाउंड को गोल में बदलकर उन्होंने मैच में अपना दूसरा और विश्वकप करियर का 18वां गोल दागा। इस प्रदर्शन की बदौलत अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया और राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली।

क्लोज ने पहले ही कर दी थी भविष्यवाणी

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही मिरोस्लाव क्लोजे ने माना था कि मेसी उनका रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। क्लोज ने फीफा से कहा था, 'मेसी सिर्फ मेसी हैं। मैं हमेशा उनकी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता और मैदान पर उनके व्यवहार का प्रशंसक रहा हूं। उन्होंने हमेशा अपनी टीम को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने फुटबॉल के लिए जो किया है, उसके लिए मैं उन्हें सलाम करता हूं।'

06

विश्वकप खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल

मेसी विश्वकप के छह संस्करण खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2006 में सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ अपना पहला विश्वकप गोल किया था। इसके बाद से वह पांच अलग-अलग विश्वकप संस्करणों में गोल करने का कारनामा कर चुके हैं। जब उनसे उनके पसंदीदा विश्वकप गोल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे अभी याद नहीं है। मैं बस खुश हूं और बस इस पल का आनंद लेना चाहता हूं।'

फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, राउंड ऑफ-32 में एंट्री

न्यूयॉर्क, एजेंसी। किलियन एमबाप्पे के बारे में कहा जाता है कि उनमें महान फुटबॉलर बनने की क्षमता है। इस बात को एमबाप्पे ने बीती रात साबित किया। उनके दो गोलों के दम पर फ्रांस ने ग्रुप-आई के मैच में इराक को 3-0 से हरा दिया। इसी के साथ फ्रांस ने फीफा वर्ल्ड कप-2026 के अगले दौर में जगह पक्की कर ली है।

इस मैच से पहले अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को मात दी और इसमें मेसी ने दो गोल करते हुए वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उनके अब 18 गोल हो गए हैं। इस मामले में उन्हें एमबाप्पे चुनौती दे रहे हैं। इराक के खिलाफ दो गोल करते हुए एमबाप्पे ने विश्व कप में अपने गोलों को संख्या 16 तक पहुंचा दी है और वह अब मेसी की बराबरी करने से दो गोल ही पीछे हैं।

बारिश के कारण हुई देरी

इस मैच की बारिश ने खलल डाला। दूसरे हाफ की शुरुआत में दो घंटे 21 मिनट की देरी हुई। तूफान के साथ-साथ बारिश ने दर्शकों और खिलाड़ियों को काफी परेशान किया। जैसे ही मैच शुरू हुआ एमबाप्पे का जादू देखने को मिला। उन्होंने 14वें मिनट में ही गोल कर दिया। एमबाप्पे ने पेनाल्टी एरिया से गोल पोस्ट के बाएं कोने में गेंद को नेट में डाल अपना और टीम का खाता खोला।लेकिन इस गोल के बाद ये टीम संघर्ष करती रही और पहले हाफ में दूसरा गोल नहीं कर पाई। इराक ने अपने मजबूत डिफेंस से फ्रांस के प्रयासों को नाकाम किया। इराक ने गेंद को ज्यादा समय तक अपने पास ही रखा।

दूसरे हाफ में हावी फ्रांस

इराक की कोशिश थी कि वह वापसी करे, लेकिन उसकी एक गलती ने फ्रांस को बढ़त दिला दी। इराक के गोलकीपर अहमद बाशिल 54वें मिनट में गेंद को अपने काबू में रख नहीं पाए और उनकी गलती का फायदा एमबाप्पे ने उठाते हुए उसे आसानी से नेट में डाल दिया। इराक की टीम यहां कमजोर पड़ गई थी। आखिरी 20 मिनट में उसके पास दो मौके आए और दोनों बार वह नाकाम रही। वहीं फ्रांस ने अपना तीसरा गोल 66वें मिनट में मार दिया था। ओसमाने डेमबेले ने ये गोल किया। एमबाप्पे के पास भी हैट्रिक लेने का मौका आया था जिसे वो भुना नहीं पाए।

जर्मनी को बड़ा झटका, स्टार डिफेंडर निको टूर्नामेंट से बाहर

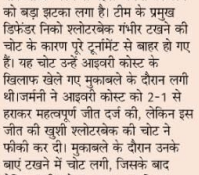

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट चरण से पहले जर्मनी की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख डिफेंडर निको श्लोटरबेक गंभीर टखने की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें आइवरी कोस्ट के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान लगी थी।जर्मनी ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की, लेकिन इस जीत की खुशी श्लोटरबेक की चोट ने फीकी कर दी। मुकाबले के दौरान उनके बाएं टखने में चोट लगी, जिसके बाद मेडिकल टीम ने उनका उपचार किया। हालांकि, उन्होंने खेल जारी रखने की कोशिश की, लेकिन दर्द बढ़ने के कारण उन्हें हाफ टाइम में मैदान छोड़ना पड़ा।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एमआरआई स्कैन में श्लोटरबेक के बाएं टखने के मेडियल लिगामेंट को नुकसान पहुंचने की पुष्टि हुई है। इस तरह की चोट से उबरने में आमतौर पर करीब दो महीने का समय लगता है। ऐसे में उनका विश्व कप में वापसी करना संभव नहीं है।श्लोटरबेक ने टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन किया था और वह जोनाथन ताह के साथ जर्मनी की डिफेंस का अहम हिस्सा बन चुके थे।

मानव सुथार का इंग्लैंड में जलवा, काउंटी क्रिकेट में झटके 5 विकेट

नई दिल्ली। भारतीय युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। अफगानिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया के लिए यादगार टेस्ट डेब्यू करने के कुछ ही दिनों बाद सुथार ने इंग्लैंड की प्रतिष्ठित काउंटी चैंपियनशिप में भी अपनी छाप छोड़ दी। वारविकशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने समरसेट के खिलाफ पहली बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया।

वारविकशायर ने मानव सुथार को दो मैचों के लिए अपनी टीम में शामिल किया था। समरसेट के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने दूसरी पारी में 46.5 ओवर गेंदबाजी करते हुए 100 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। पहली पारी में भी उन्होंने 18 ओवर में 50 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। इस तरह पूरे मैच में उन्होंने सात विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया।

मानव सुथार ने अपने दो मैचों के काउंटी करियर का शानदार अंत किया। उन्होंने दो मुकाबलों में कुल 11 विकेट हासिल किए। इससे पहले यॉर्कशायर के खिलाफ अपने काउंटी डेब्यू मैच में भी उन्होंने चार विकेट झटके थे। भारत के लिए टेस्ट डेब्यू और उसके बाद काउंटी में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उनकी गेंदबाजी की खूब चर्चा कराई है।

समरसेट की पहली पारी सिर्फ 20 रन पर सिमट गई, जिसमें सुथार ने दो विकेट लिए। दूसरी पारी में हालांकि समरसेट ने 435 रन बनाए, लेकिन इस दौरान भी भारतीय स्पिनर का दबदबा देखने को मिला। सुथार ने सबसे पहले जॉर्डन हरमन को 34 रन पर आउट किया। इसके बाद उन्होंने टॉम कोहलर-कैडमोर को अपनी फ्लाइट से चकमा देकर पवेलियन भेजा। नाइटवॉचमैन जोश शॉ ने 22 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन वह भी सुथार की गेंद पर स्लिप में कैच दे बैठे।

इंग्लिश ओपन में भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार का धमाका, विदेश में बनाया सीजन का बेस्ट रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने इंग्लैंड के वॉर्सेस्टर स्थित द वेल गोल्फ क्लब में खेले गए इंग्लिश ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सीजन का विदेश में अपना सर्वश्रेष्ठ परिणाम दर्ज किया। होटलप्लानर टूर के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्होंने संयुक्त 12वें स्थान पर रहते हुए सप्ताह का समापन किया। वह टॉप-10 में जगह बनाने से महज एक शॉट से चूक गए।27 वर्षीय सप्तक ने अंतिम राउंड में चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेला और कुल 10 अंडर पार के स्कोर के साथ प्रतियोगिता समाप्त की। आखिरी दिन की शुरुआत उन्होंने संयुक्त 24वें स्थान से की थी, लेकिन दमदार प्रदर्शन की बदौलत तेजी से लीडरबोर्ड पर चढ़ते हुए 12वें स्थान तक पहुंच गए।

नीतीश आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर, सूर्यांश बने रिप्लेसमेंट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे से पहले बड़ा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) में चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स में सूजन और मांसपेशियों में चोट (फाइबर डिसरप्शन) पाई गई है, जिसके बाद उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करने को कहा गया है।

नीतीश को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान यह चोट लगी थी। शुरुआती आकलन में चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही थी, लेकिन एमआरआई रिपोर्ट आने के बाद स्थिति चिंताजनक पाई गई। माना जा रहा है कि उनकी रिकवरी में कम से कम चार सप्ताह का समय लगेगा, जबकि रिहैब में इससे ज्यादा समय भी लग सकता है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज भी मिस करना तय माना जा रहा है। चयनकर्ताओं ने युवा ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। मुंबई के इस खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और आईपीएल में भी अपनी उपयोगिता साबित की है।

अहम भूमिका निभाने वाले थे

नीतीश रेड्डी को इस दौरे पर खास जिम्मेदारी मिलने वाली थी। वह हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में टीम के प्रमुख तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की भूमिका निभाने वाले थे। हार्दिक भी क्वाड्रिसेप्स की समस्या से जूझ रहे हैं और फिलहाल वनडे क्रिकेट में लगातार 10 ओवर गेंदबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में नीतीश का बाहर होना टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संतुलन प्रदान करते हैं।23 वर्षीय नीतीश अब तक भारत के लिए 10 टेस्ट, छह वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्होंने दो मैच खेले थे, जबकि लखनऊ में खेले गए दूसरे वनडे से वह बाहर रहे थे।

बढ़ी हुई रफ्तार बनी वजह

क्रिकेट जगत में यह भी चर्चा है कि स्वतंत्र तेज गेंदबाजी कोच स्टीफन जोन्स के साथ काम करने के बाद नीतीश की बॉलिंग स्पीड में काफी इजाफा हुआ। उनकी रफ्तार 120 किमी प्रति घंटे के उत्तरार्ध से बढ़कर 130 किमी प्रति घंटे के मध्य तक पहुंच गई। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि शरीर इस अचानक बढ़ी हुई गति की मांग के अनुरूप खुद को पूरी तरह ढाल नहीं पाया, जिससे चोट का जोखिम बढ़ गया। भारतीय टीम पहले आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मुकाबले खेलेगी, जिसके बाद इंग्लैंड दौरे पर पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। लेकिन मौजूदा मेडिकल स्थिति को देखते हुए नीतीश का इंग्लैंड दौरे में भी खेलना लगभग नामुमकिन माना जा रहा है।